शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री और...@ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 12 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-222

भारत-रूस-चीन गठजोड़ से हिल रहा अमेरिकी वर्चस्व

डॉलर का कॉलर बदलने की आहट से छटपटाहट

शुभ-लाभ विमर्श

डोनाल्ड ट्रंप की बालबुद्धि ने भारत, रूस और चीन के एक होने की संभावना बढ़ा दी। भारत-रूस-चीन एक हो गए और ब्राजील जैसे देश साथ आ गए तो डॉलर की रंगदारी खत्म होने में अधिक वक्त नहीं लगेगा। डॉलर का कॉलर बदलने की आहट से डोनाल्ड ट्रंप की छटपटाहट दुनिया देख रही है और मजे ले रही है। ट्रंप की हैसियत अब पाकिस्तान के टुटपुंजिए सैन्य प्रमुख के साथ डिनर और लंच करने भर की रह गई है। भारत-रूस-चीन गठजोड़ सिर्फ सेना या व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि ये एक सोच है, जो पश्चिमी देशों के दबदबे और डॉलर की ताकत को चुनौती दे सकती है। दुनिया अब धीरे-धीरे पूछने भी लगी है कि हम सिर्फ डॉलर से क्यों बंधे रहें?

डोनाल्ड ट्रंप उस अमेरिकी चरित्र के प्रतिनिधि हैं जो स्वार्थ और अवसर देख कर

अपना रंग बदलता रहा है। यही चरित्र अमेरिकी फिल्म उद्योग हॉलीवुड का भी है। वह भी सियासी चरित्र देख कर अपने रंग बदलता है। कभी अफगान अमेरिका का हीरो तो कभी अफगान अमेरिका का विलन। कभी चीन हीरो तो कभी विलन। कभी उत्तर कोरिया विलन तो कभी ट्रंप का हीरो। अब भारत हीरो के बजाय अमेरिका का विलन बनने ही वाला है। अमेरिका को जिस भी देश से समस्या होती है, सबसे पहले वह उसके चरित्र पर हमला कर माहौल बनाने की कोशिश करता है। हॉलीवुड के जरिए यह काम आसानी से होता रहा है। बानगी के तौर पर रेम्बो फिल्म ही देख लीजिए कि वियतनाम युद्ध में हार के बावजूद रेम्बो फिल्में अमेरिका को ▶10पर

रिश्तों की तरह बदलता है हॉलीवुड का गिरगिटी रंग

मतदाता सूची में सुधार के लिए आई मात्र 10570 आपत्तियां

पर विपक्षी दलों की एक भी आपत्ति नहीं आई

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस और कुछ खास पिछलग्गू दलों का विरोध प्रदर्शन तो हो रहा है, लेकिन विपक्षी दलों की तरफ से एक भी औपचारिक शिकायत चुनाव आयोग तक नहीं पहुंची है। विपक्षी दल देश के लोगों को बिल्कुल मूर्ख ही समझते हैं। बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण पर अब तक मात्र 10570 लोगों ने दावा-आपत्ति के जरिए सुधार का आवेदन दिया है। इसमें राजनीतिक पार्टियों का एक भी दावा नहीं है।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग की ओर से राज्य में चल रहे मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया रोज आ रही है, लेकिन वह मौखिक ही रह जा रही है। यानि, कागज पर कोई राजनीतिक दल चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया को लेकर सवाल नहीं उठा रहा है। अब तक नाम हटाने या शामिल करने को लेकर आम मतदाताओं ने 10570 दावे-आपत्ति दर्ज कराई है। छह राष्ट्रीय और छह क्षेत्रीय दलों में से किसी एक ने एक भी दावा-आपत्ति दर्ज नहीं की है।

सड़क पर उछल-कूद रहे जनता को मूर्ख समझने वाले नेता

सोमवार 11 अगस्त को भारत निर्वाचन आयोग ने 1 अगस्त दोपहर 3:00 बजे से लेकर 11 अगस्त सुबह 10:00 बजे तक का आधिकारिक आंकड़ा जारी किया। चुनाव आयोग ने बताया की प्रारूप निर्वाचक नामावली के संबंध में निर्वाचकों से सीधे प्राप्त दावे और आपत्तियों की संख्या 10570 रही। 7 दिनों के अंदर इनमें से 127 का निस्तारण किया जा चुका है, बाकी प्रक्रियाधीन हैं। 18 साल पूरा करने वाले या उससे अधिक आयु के नए मतदाताओं से अब तक इस अवधि में 54432 फार्म 6 प्राप्त किए गए हैं। यानी इतने नए वाटर मतदाता सूची में नाम जोड़ने के इच्छुक हैं। प्रारूप निर्वाचक नामावली के संबंध में नाम जोड़ने और हटाने के लिए राजनीतिक दलों से ▶10पर

रूस से एसयू-57 लड़ाकू विमान खरीदने की हो रही डील

भारतीय वायुसेना ने मांगे 114 फाइटर जेट

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भारत सरकार एक तरफ रूस से पांचवीं जेनरेशन के एसयू-57 लड़ाकू विमान खरीदने की डील फाइनल कर रही है तो दूसरी तरफ भारतीय सेना एसयू-57 के साथ-साथ राफेल लड़ाकू विमानों की भी मांग कर रही है। ऑपरेशन सिंदूर में कारगर साबित होने के कारण भारतीय वायुसेना ने और राफेल लड़ाकू विमान खरीदे जाने की आवश्यकता जताई है। ऑपरेशन सिंदूर में राफेल ने स्काल्प क्रूज मिसाइलों और हैमर प्रेसिजन-गाइडेड हथियारों का इस्तेमाल करके आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया था।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के टैरिफ-दबाव के कारण भारत ने अमेरिका से एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदने का निर्णय टाल दिया और रूस से एसयू-57 लड़ाकू विमान खरीदने का निर्णय लिया। रूस ने इस विमान की तकनीकी जानकारियां भी भारत से साझा करने की सहमति दे दी है, जिससे भारत में ही भविष्य में विमान का निर्माण, उसकी मरम्मत और रखरखाव हो सकेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट यह बड़ी वजह है। एसयू-5 रूसी लड़ाकू विमानों की खरीद को मंजूरी ऐसे समय दी गई, जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसी वर्ष भारत का दौरा करने वाले हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद राफेल की भी बढ़ी मांग

भारत खुद भी स्वदेशी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) के रूप में पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान बना रहा है, लेकिन इसके बनने और भारतीय वायुसेना में शामिल होने में कम से कम 8 से 10 साल लगेंगे। रूस ने पांचवीं जेनरेशन के एसयू-57 लड़ाकू विमान का ऑफर भारत को पहले से दे रखा है। रूस भारत को एसयू-57 लड़ाकू विमान की टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करने के साथ साथ सोर्स-कोड भी सौंपने के लिए तैयार है। रूस ने भारत को यह ऑफर भी दिया है कि एसयू-57 खरीदने पर वो भारत के एएमसीए कार्यक्रम में तकनीकी मदद भी करेगा। ▶10पर

आनंद शर्मा ने कांग्रेस विदेश प्रकोष्ठ का अध्यक्ष पद छोड़ा

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के विदेश प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। शर्मा कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्लूसी) के सदस्य बने रहेंगे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता आनंद शर्मा उस सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे, जिसने भारत के बड़े कूटनीतिक अभियान ऑपरेशन सिंदूर के तहत कई देशों का दौरा किया था।

कांग्रेस नेता आनंद शर्मा एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। प्रतिनिधिमंडल में राजीव प्रताप रूड़ी (भाजपा), विक्रमजीत सिंह साहनी (आपा), मनीष तिवारी (कांग्रेस), अनुराग सिंह ठाकुर (भाजपा), लावु श्री कृष्ण देवरायलू (टीडीपी), बी मुरलीधरन (भाजपा) और कूटनीतिक विशेषज्ञ अकबरुद्दीन भी शामिल थे।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने आनंद शर्मा के प्रति गहरा सम्मान और उनकी प्रशंसा की तथा विदेश मामलों में उनकी असाधारण समझ की सराहना की। कांग्रेस सांसद ने कहा कि वह और आनंद शर्मा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल के एक ही समूह का हिस्सा थे, जहां समूह के सदस्यों को शर्मा की समझ से काफी लाभ हुआ। मनीष तिवारी ने कहा, चार दशकों से भी ज्यादा समय तक आनंद शर्मा के साथ काम करने का सौभाग्य और सम्मान मिला। विदेश मामलों में उनकी समझ अद्भुत है। ▶10पर

पाकिस्तानी सेना प्रमुख के बिगड़े बोल

भारत ने कहा, औकात में रहो

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुचकारे से असंतुलित हुए पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के बड़बोले बयान पर भारत ने फिर से उन्हें औकात में रहने की चेतावनी दी है और कहा है कि परमाणु हमले की घुड़की देने का घिसा-पिटा तरीके छोड़ दें। भारत ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख को जमकर लताड़ लगाई और अमेरिका को भी खूब खरी-खोटी सुनाई।

भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमारा ध्यान पाकिस्तानी सेना प्रमुख की ओर से अमेरिका की यात्रा के दौरान की गई टिप्पणियों की ओर गया है। परमाणु हथियार की धमकियां पाकिस्तान की घिसी-पिटी आदत है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ऐसी टिप्पणियों में निहित गैर-जिम्मेदारी पर अपने निष्कर्ष निकाल सकता है। मुनीर का बयान ऐसे देश में परमाणु कमान और नियंत्रण की अखंडता पर गहरी शंकाओं की इशारा करते हैं, जहां सेना आतंकवादी समूहों के साथ मिली हुई है। यह भी खेदजनक है कि ये टिप्पणियां अमेरिका जैसे मित्र देश की धरती से की गई हैं। भारत पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वह परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। हम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाते रहेंगे।

फिर दी थी परमाणु हमले की बंदरघुड़की

भारत सरकार ने साफ-साफ कहा है कि पाकिस्तान परमाणु हथियारों के मामले में एक गैर-जिम्मेदार देश है। पाकिस्तान में परमाणु हथियारों के गैर-सरकारी तत्वों के हाथों में पड़ने का वास्तविक खतरा है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख का बयान एक चलन का हिस्सा है। जब भी अमेरिका पाकिस्तानी सेना का समर्थन करता है तो वे हमेशा अपना असली रंग दिखाते हैं। यह इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान में लोकतंत्र नहीं है। यह उनकी सेना है, जो नियंत्रण करती है।

अमेरिका के स्वागत और आवभगत से उत्साहित होकर अगला कदम संभवतः पाकिस्तान में तख्तापलट हो सकता है, ताकि फील्ड मार्शल राष्ट्रपति बन जाएं।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने कहा था कि अगर भारत ने सिंधु नदी का पानी रोकने के लिए बांध बनाया तो हमारे 10 मिसाइल बांध को उड़ा देंगे। अमेरिका के दौरे पर गए मुनीर ने यह धमकी फ्लोरिडा के टैम्पा में पाकिस्तानी मूल के कारोबारी अदनान असद की तरफ से रखे गए डिनर कार्यक्रम में दी।

गोल्ड से इंपोर्ट ड्यूटी घटी केरल की ब्लैक इकॉनमी फटी

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

देश में सोने के आयात पर शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत करने के भारत सरकार के फैसले का सबसे अधिक असर केरल पर पड़ा। केरल में वर्षों से सोने के अवैध कारोबार के जरिए समानांतर अर्थव्यवस्था (पैरलल इकॉनमी) मजबूत हो रही थी। यानि, पैसों का लेन-देन तो हो रहा था, लेकिन वह सिस्टम में दर्ज नहीं हो रहा था और वह काले धन में शामिल हो रहा था। केरल के चार अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों तिरुवनंतपुरम, कोच्चि, कोझिकोड और कन्नूर खाड़ी देशों से सोने की तस्करी करने वाले मुख्य रास्ते रहे हैं। केरल को होने वाली सोने की तस्करी का सीधा कनेक्शन दुबई से था। खाड़ी देशों से संबंध बेहतर करने के चलते ही केरल तस्करों का स्वर्ग बनता गया। साल 2020 से 2023 तक केरल में 3,100 से अधिक सोना तस्करी के मामले सामने आए, इन सभी मामलों में करीब 200 से 400 टन अवैध सोना बरामद किया गया। लेकिन इससे भी हैरानी की बात यह है कि केरल में हर साल 1,31,586 करोड़ (15 अरब डॉलर) की कीमत के सोने की तस्करी होती थी। केरल में सोना तस्करी का कारोबार तब तक बढ़ता गया जब तक सोने के आयात में अच्छा शुल्क था। उस समय एक किलो सोने पर करीब 9 लाख का मुनाफा होता था, जिसमें से कुछ कैरियर शुल्क भी दिया जाता था। इस मुनाफे ने केवल तस्करों को अमीर बनाया बल्कि केरल की अनौपचारिक अर्थव्यवस्था ▶10पर

सरकार ने स्टारलिंक के सैटेलाइट इंटरनेट को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भारत सरकार ने एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को सैटेलाइट इंटरनेट शुरू करने की इजाजत दे दी है। सरकार ने राज्यसभा में बताया कि स्टारलिंक को जून 2025 में यूनिफाइड लाइसेंस मिला। इसके साथ ही इन-स्पेस को पांच साल की मंजूरी भी मिली है। इस मंजूरी के साथ कंपनी भारत में अपनी सेटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाएं शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है। हालांकि इसके लिए अभी कुछ जरूरी शर्तों और प्रक्रियाओं को ▶10पर

पाकिस्तान-अफगानिस्तान-बांग्लादेश में अल्पसंख्यक संकट में

पाकिस्तान में हिंदू बच्चों को जबरन बना रहे मुसलमान

इस्लामाबाद/ढाका, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान में हिंदू समेत अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के बच्चों को जबरन मुसलमान बनाया जा रहा है। मुसलमान बनाने के लिए अल्पसंख्यक सुमदाय के मासूमों का संस्थागत तरीके से शोषण किया जा रहा है और प्रताड़ित किया जा रहा है। पाकिस्तान के ही राष्ट्रीय बाल अधिकार आयोग (एनसीआरसी) की हालिया रिपोर्ट से यह उजागर हुआ हुआ है। दूसरी तरफ, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा की घटनाएं लगातार हो रही हैं। बांग्लादेश में पिछले चार साल में हिंदुओं पर हमले के 3582 मामले दर्ज हुए हैं। यह वे मामले हैं जिन्हें बड़ी जद्दोजहद के बाद दर्ज कराया जा सका है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की अधिकांश घटनाएं दर्ज ही नहीं की जाती।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के 3582 मामले

पाकिस्तान के ही राष्ट्रीय बाल अधिकार आयोग (एनसीअ-ारसी) की नई रिपोर्ट ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यक बच्चों, खासकर ईसाइयों व हिंदुओं के साथ व्याप्त गहरे तथा व्यापक भेदभाव को उजागर किया है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक धर्मों के बच्चों की स्थिति का विश्लेषण शीर्षक यह रिपोर्ट व्यवस्थागत पूर्वाग्रह, संस्थागत उपेक्षा और लक्षित दुर्व्यवहार की एक गंभीर तस्वीर पेश करती है। क्रिश्चियन डेली इंटरनेशनल के अनुसार, एनसीआरसी की यह रिपोर्ट हजारों हिंदू और ईसाई बच्चों के जबरन धर्मांतरण, बाल विवाह, बाल श्रम और बंधुआ मजदूरी के रोजमर्रा की घटनाओं पर आधारित है। एन-सीआरसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि अल्पसंख्यक समुदाय की बच्चियों का अपहरण करके उनका जबरन धर्म परिवर्तन कर दिया जाता है और उनकी बड़ी उम्र के मुस्लिम पुरुषों के साथ जबरन शादी करा दी जाती है। ऐसी घटनाएं एक-दो नहीं, बल्कि यह एक निरंतर प्रथा बन गई है। रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि संस्थागत पूर्वाग्रह, कानून प्रवर्तन की कमी और भारी जन दबाव के कारण पीड़ितों के पास कुछ ही कानूनी विकल्प मौजूद हैं।

अप्रैल 2023 से दिसंबर 2024 तक, एनसीआरसी को हत्या, अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन और नाबालिगों की शादी से जुड़ी 27 आधिकारिक शिकायतें मिलीं। ▶10पर

पीएम मोदी ने सांसदों के नए फ्लैट्स का उद्घाटन किया

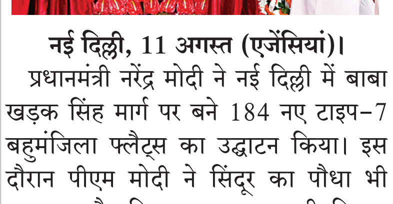

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में बाबा खड़क सिंह मार्ग पर बने 184 नए टाइप-7 बहुमंजिला फ्लैट्स का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने सिंदूर का पौधा भी लगाया और विपक्ष पर कटाक्ष भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ लोग सांसदों के लिए बने बहुमंजिला फ्लैटों के कोसी टावर को बिहार विधानसभा चुनावों के चश्मे से देखेंगे, क्योंकि बहुमंजिला फ्लैट्स के एक टावर का नाम बिहार की कोसी नदी के नाम पर है। ▶10पर

19 से 23 फरवरी तक होगा शांतिसूरि गुरु मंदिर का भव्य प्रतिष्ठा महोत्सव

प्रतिष्ठा संबंधी चढ़ावों में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विश्व विख्यात दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ के पूर्ण सहयोग से निर्माणाधीन दक्षिण शांतिसूरि धाम तीर्थ अरसीकेरे में नवनिर्मित योगिराज श्री शांतिसूरि गुरु भगवंत मंदिर का प्रतिष्ठा महोत्सव आगामी 19 फरवरी 2026 से 23 फरवरी 2026 तक मनाया जायेगा, जिसके निमित्त प्रतिष्ठा संबंधी प्रथम जाजम के चढ़ावे बोले जाने हेतु कार्यक्रम का आयोजन वीवी पुरम स्थित श्री संभवनाथ जैन भवन में संपन्न हुआ। आचार्य देवेंद्रसागरसूरीश्वर की निश्रा एवं प्रेरक सिरोही निवासी मनोजकुमार बाबुमल हरण के मार्गदर्शन में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में जाजम संबंधी चढ़ावे, योगीराज शांतिगुरुदेव

प्रतिमा, सरस्वतीदेवी प्रतिमा, पद्मवतीदेवी प्रतिमा एवं गुरुदेव की मंगल मूर्ति, प्रतिमा भराना के चढ़ावे, जय जिनेंद्र, फल चुंदड़ी, नाश्ते, नवकारसी, विभिन्न उद्घाटन एवं प्रतिष्ठा संबंधी अन्य चढ़ावे बोले गए। श्री सीमंधर शांतिसूरि जैन मंदिर वी वी पुरम से प्रातः 8.30 बजे गाजते बाजते जाजम लाभार्थी राठौड़ परिवार के साथ श्री संघ ने श्री संभवनाथ जैन भवन हेतु प्रस्थान किया। वहां गुरु वंदना के पश्चात चेयरमैन ताराचंद राठौड़ और अध्यक्ष सुरेशकुमार वेदमुथा ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया।

शुभ वेला में आचार्य देवेन्द्रसागरसूरिश्वरजी ने मंगलपाठ सुनाकर जाजम का विधि विधान प्रारंभ कराया। उन्होंने शांति गुरु के महान साधनामय जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सब बड़े भाग्यशाली हैं जो हमें गुरु मंदिर के निर्माण एवं प्रतिष्ठा में सहभागी

बनने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है।

लाभार्थी ताराचंद राठौड़ परिवार के साथ सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने विधिपूर्वक जाजम बिछाई।

धाम के ट्रस्टीगण द्वारा जाजम लाभार्थी राठौड़ परिवार का अभिनंदन किया गया। महासचिव विजयकुमार सुराणा ने प्रतिष्ठा संबंधी विभिन्न चढ़ावों की जानकारी दी।

तत्पश्चात सुर सम्राट दिलखुश बाफना ने भक्तिगीतों से सभी को भावविभोर करते हुए चढ़ावों की बोलियां लगाई, जिनमें शांति गुरु के भक्तों ने बढ़-चढ़कर लाभ लिया। परमात्मा के मुनीम बने सोहनलाल मेहता ने विभिन्न चढ़ावों के लाभार्थियों के नाम मंगल पुस्तिका में अंकित किये।

अंतरराष्ट्रीय जैन संगीतकार नरेंद्र वाणीगोता एवं विकास कोचर ने भी भक्ति गीतों से वातावरण को प्रभु भक्ति के आनंद से रंग दिया। इस अवसर पर प्रतिष्ठा महोत्सव के चेयरमैन धीरज कुमार बच्छावत दुबई, प्रधान संयोजक गोतमचंद गुगलिया हैदराबाद, दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ के संस्थापक अध्यक्ष एवं प्रतिष्ठा महोत्सव के परामर्शक अशोककुमार सुराणा, दक्षिण शांतिसूरि धाम तीर्थ के दोनों उपाध्यक्ष विनोद मुणोत एवं ललित चोरड़िया, कोषाध्यक्ष चेतन झारमुथा, ट्रस्टीगण महावीर चुत्तर, भरत सिंघवी, मांगीलाल मेहता, रमेश कटारिया एवं अनेक संघों के गणमान्यजनों की उपस्थिति रही।

नवग्रह शांति अनुष्ठान सानंद संपन्न

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणाश्री ने श्रीयंत्र महालक्ष्मी विषय पर समझाते हुए कहा कि महालक्ष्मी का जैन धर्म में स्थान - लोगों की ये भ्रामक मान्यता है कि जैन धर्म में लक्ष्मीजी को नहीं पूजा जाता। क्योंकि कुछ जैनी दिवाली के दिन सिर्फ महावीर भगवान की पूजा करते हैं और लक्ष्मीजी की पूजा नहीं करते। यह सही है कि जैन धर्म में तीर्थंकरों से ऊपर कोई भी देव नहीं है और ये तीर्थंकरदेव भी मनुष्य हैं, देवलोक में रहने वाले देव नहीं। प्रश्न उठता है कि जैनी लक्ष्मीजी की पूजा करें या नहीं? इसका उत्तर है कि हर तीर्थंकर की माता को च्यवन के समय चौथा स्वप्न लक्ष्मीजी का आता है और ये अनादि काल से चला आ रहा है। एक बार भी इसमें चूक नहीं हुई है और उन सपनों की बोली हम बड़े उल्लास से भगवान के जन्म वांचन के समय मनाते हैं। उस दिन प्राय: लक्ष्मीजी की बोली की ही बड़ी चर्चा रहती है। हम उस दिन को जन्म कल्याणक जैसा ही मनाते हैं। कारण है कि उस समय पर्यूषण के दिन होते हैं और सभी धर्म आराधना में डूबे हुए होते हैं। आप को जान कर आश्चर्य होगा की सूरिमंत्र की पांच पीठ में से तीसरा स्थान श्री महालक्ष्मी का होता है और इसकी आराधना भी आचार्य भगवंत करते हैं। आप शंका कर रहे होंगे की उन्हें लक्ष्मीजी प्रसन्न हों ऐसा क्यों चाहिए? इसका उत्तर ये है कि संघ में हर प्रकार से समृद्धि हो। किसी भी मंत्र में जब श्री का प्रयोग होता है तो वो लक्ष्मी प्राप्ति अर्थात सौभाग्य-ऐश्वर्य-समृद्धि के लिए ही होता है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि श्रीदेवी चंद्रप्रभ स्वामी के चरणों की उपासिका है। गौतम स्वामी के चरणों की चंचरिका है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद की निश्रा में नवग्रह शांति अनुष्ठान सानंद संपन्न हुआ। बेंगलूरु से पधारे विशेष अतिथि मनोज कुमार परमार एवं प्रकाश कुमार श्रीश्रीमाल का बहुमान संघ के ट्रस्टीगण द्वारा किया गया।

सरलता का मार्ग शिखर की ओर ले जाता है: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के प्रांगण में आयोजित मेरी भावना प्रवचन श्रृंखला के चौथे पद की व्याख्या करते हुए साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी नंदिनी ने कहा कि अहंकार का भाव कभी हमारे जीवन में नहीं आना चाहिए। अहंकार तोड़ता है, जोड़ता नहीं। अहंकार को कभी आने मत देना और स्वाभिमान को कभी जाने मत देना। अहंकार हमें उठने नहीं देगा और स्वाभिमान हमें गिरने नहीं देगा। जीवन में झुकना ऊँचाई का प्रतीक है और अकड़ना पतन का। जैसे पहाड़ पर चढ़ने वाला व्यक्ति झुककर चलता है और ऊतरने वाला अकड़ कर चलता है।

कोई अगर झुककर चल रहा है मतलब ऊँचाई पर जा रहा है और कोई अकड़ कर चल रहा है, मतलब नीचे जा रहा है। झुकने से ही जीवन का उत्थान होता है। साध्वीजी ने क्रोध के दुष्परिणामों पर भी प्रकाश डाला और कहा क्षण भर का क्रोध मानव को

पशु बना देता है और व्यक्ति को इसका आभास भी नहीं होता। क्रोध ही हमें विनाश की ओर ले जाता है। इसलिए हमारा व्यवहार सरलता और सहजता से परिपूर्ण होना चाहिए। उन्होंने कहा सरलता मार्ग है और सत्य शिखर।

सत्य तक पहुंचने का सबसे अच्छा रास्ता सरलता है। सरलता, यानी सहजता और ईमानदारी, हमें सत्य के मार्ग पर ले जाती है। सत्य को प्राप्त करना एक महान उपलब्धि है, जो शिखर के समान है, और सरलता उस शिखर तक पहुंचने का मार्ग है। सरलता का मार्ग ही हमे परमात्मा की ओर ले जाता है। हम अपना जीवन परोपकार और सेवा में लगाएँ, तभी जीवन सार्थक होगा। अंत में साध्वीजी ने बताया कि मेरी भावना का यह चौथा पद हमें आत्मा से परमात्मा बनने का संदेश देता है और अहंकार रहित जीवन ही आत्मकल्याण की ओर ले जाता है। कार्यक्रम में साध्वी ऋषिता ने भावपूर्ण स्तवन की प्रस्तुति दी, वहीं साध्वी उपासना ने रानी सोहन की रोचक श्रृंखला को आगे बढ़ाया। अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया ने आभार व्यक्त किया तथा संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

तप करने पर किया सम्मानित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री गुरु ज्येष्ठ जैन आराधना केंद्र में चातुर्मास हेतु विराजित तपस्वी राष्ट्रसंत उप प्रवर्तक श्री नरेशमुनि जी एवं श्री शालीभद्रमुनिजी के मंगल आशीर्वाद एवं देव गुरु धर्म की असीम अनुकंपा से समस्त क्रियाओं का शुद्धता से पालन करते हुए लुंकड़ परिवार की कुलदीपिका कविता राकेश लुंकड़ ने अपने जीवन का प्रथम महा-मुत्यंजय मासक्षमण तप चित की प्रसन्नता से पूर्ण करते हुए कर्मो की निर्जरा के साथ ही स्व- आत्मा को धन्य बनाया हैं।

श्री जैन हेल्प लाइन सोशल ऑर्गनाइजेशन परिवार द्वारा तप-स्विनी रत्न का अभिनंदन एवं रस- विजय की भूरी भूरी अनुमोदना कर सम्मानित किया गया।

इस शुभ अवसर पर कैलाश संखलेचा, जीतू भंडारी, सुरेश कांनुगा, पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, पदमराज लुंकड़, संतोष जैन, राजीव सालेचा, उत्तम वेदमूथा, कांतिलाल श्रीश्रीमाल आदि सदस्यगण एवं परिवार के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

मनुष्य की पहचान उसके नाम से नहीं बल्कि काम से होती है: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने अपने प्रवचन में फरमाया कि मांस का सेवन करने वाला नर्क में जाता है। माया करने वाला भी नर्क में जाता है। मनुष्य कितना भी बुद्धिमान हो, कितना भी सहयोग करता हो, लेकिन मांस का सेवन और माया रखने वाला नर्क में ही जाता है। जो मनुष्य कृतज्ञ नहीं होता है वह भी नर्क में ही जाता है। लोग सहायता तो ले लेते है लेकिन काम निकलने के बाद अहसान नहीं मानते है। सहायता देने वाले के प्रति कृतज्ञता नहीं दिखाते है। ऐसा करने से मनुष्य अपने नर्क के द्वार

को खोलता है। मनुष्य नाम से नहीं बल्कि अपने कामों से बड़ा होता है। नाम कुछ भी हो काम बड़ा होना चाहिए। आज तक कोई ऐसा नहीं हुआ जिसको उसके नाम से जाना जाता हो। दुनिया में अगर किसी को याद किया जाता है तो यह उसके काम से ही होगा। नाम कुछ भी रहे लेकिन दिलो में बसना है तो काम अच्छा करो। समाज में सभी को साथ लेकर चलना चाहिए। भले आज कोई गरीब है या अमीर हो। समय कभी भी बदल सकता है। समय का चक्र चलने पर गरीब गरीब नहीं रहता और अमीर अमीर नहीं रहता है। इसलिए समय अच्छा हो तो किसी के साथ गलत नहीं करना चाहिए। पहले के समय में लोग सेवा करते थे। लेकिन आज के समय में लोग थोड़ा सा भी करते हैं तो दिखाने लगते है। दिखाने के चक्कर में मनुष्य अपने स्वयं के कर्मों को बांध रहा है। गुरुदेव ने कहा कि जो किसी के उपकारों का अहसान मानता है वह हर समय आगे ही जाता है। उपकार छोटा हो या बड़ा हो अगर हम कृतज्ञता रखेंगे तो भगवान भी साथ देंगे। इस मौके पर मरुधर केसरी गुरु सेवा समिति कर्नाटक के महामंत्री अशोक कुमार धोखा, हुब्बल्ली से गौतमचंद भुरट और बबीता श्रीश्रीमाल आदि की विशेष उपस्थिति रही। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

तेरापंथ मेरा पंथ प्रतियोगिता का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर के निर्देशन में तेरापंथ किशोर मंडल द्वारा साध्वी श्री संयमलता जी के सान्निध्य में तेरापंथ इतिहास पर आधारित प्रतियोगिता तेरापंथ- मेरा पंथ का तेरापंथ भवन विजयनगर में आयोजन हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत साध्वी श्री द्वारा नमस्कार महामंत्र से हुई। अभिषेक कावड़िया ने सभी टीमों के नाम का परिचय दिया। जिसमे ताड़गढ़, श्री डूंगरगढ़, गंगाशहर, बगड़ी, सीरियारी, राजनगर, सरदारशहर शामिल थे। इस प्रतियोगिता में कुल 7 प्रतिभागी टीमों को तीन अलग अलग राउंड के द्वारा प्रश्न पूछे

गये जिसमे ऐतिहासिक धरोहर, तेरापंथ के भजन, तेरापंथ के इतिहास को समाहित किया गया था।

साध्वी ने ऐसी ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का निरंतर आयोजन करवाने की प्रेरणा दी। साथ ही सभी को जोड़ने का आह्वान किया। प्रथम स्थान पर राजनगर, द्वितीय बगड़ी, तृतीय पर ताड़गढ़ रही। सभी टीमों के सदस्यों को प्रायोजक मनो-हरलाल, राकेश, मुकेश बाबेल परिवार द्वारा पुरस्कार दिया गया। साथ ही सभी प्रतिभागी टीमों को भी पुरस्कार दिया गया।

इस अवसर पर तेयुप विजयनगर से अध्यक्ष विकास बाँठिया, प्रबंध मंडल से पवन बैद, योगेश पोरवाड़, अमित नाहटा, पीयूष ललवानी, प्रायोजक परिवार से सुनीता बाबेल एवं श्रावक समाज की उपस्थिति रही। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में प्रतियोगिता संयोजक हर्ष मांडोत का विशेष श्रम रहा। अंत में सभी का आभार ज्ञापन किशोर मंडल संयोजक दर्शन बाबेल ने व्यक्त किया। साध्वी श्री द्वारा मंगल पाठ से कार्यक्रम का समापन किया गया।

जो देह शाश्वत नहीं हैं, हम उसकी गुलामी कर रहे: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि जो देह शाश्वत नहीं हैं, हम उसकी गुलामी कर रहे हैं। देह का उपयोग तो तप में है।

इस शरीर को बहुत खिलाया पिलाया। परन्तु अंत में इसे मिट्टी होना है। इस शरीर का श्रृंगार तप है। आज भौतिकता की अंधी दौड़ में इस शरीर को नुमाइश का साधन बना रहे हैं। हम हमारी संस्कृति, विरासत, पहचान, लज्जा सभी को भूलते जा रहे हैं। शरीर को साधना का साधन बनाए और धर्म को ढंग से करें, ढोंग से नहीं। हर परिस्थिति में प्रसन्न रहें। प्रवचन को प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री ऋद्धिप्रभा जी ने कहा कि उत्त-ाराध्ययन सूत्र में मनुष्यत्व श्रुत श्रद्धा और संयम में पराक्रम को दुर्लभ बताया है। संयम को जीवन और असंयम को मृत्यु बताया है। हम में मुमुक्षु भाव रहने चाहिए। मुमुक्षु को मुक्ति की प्यास होती है और प्यासा अपनी मंजिल ढूंढ लेता है। हम संकल्प के धनी बने और मुमुक्षु भावों की प्रेरणा, अनुमोदना तथा दलाली करें। हमे अपना भविष्य सुधारना है तो वर्तमान के सुख में आसक्ति नहीं रखें। प्रवचन सभा में चेन्नई आदि स्थानों के दर्शनार्थी उपस्थित थे। अलसूर संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन करते हुए बताया कि अलसूर क्षेत्र में नित्य प्रति आयंबिल तप होने चाहिए। तरुणा सियाल ने 14, प्रफुल्ल ने 25 तथा सरोज देवी फूलफगर ने 35 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

राज्य सरकार के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के साथ मानसून सत्र शुरू

चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को लेनी चाहिए: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार को शुरू हुआ, लेकिन पहले ही दिन विपक्षी दलों भाजपा और जद(एस) ने राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। सत्र शुरू होने से पहले, एनडीए गठबंधन के विधायक विधान सौधा स्थित गांधी प्रतिमा के सामने एकत्रित हुए और प्रदर्शन किया। विपक्ष ने हाल ही में चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ की घटना की निंदा की, जिसमें 11 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी और इसके लिए कांग्रेस सरकार की कथित गैरजिम्मेदारी को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, भाजपा और जद(एस) के विधायकों और विधान पार्षदों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। प्रदर्शन के दौरान बोलते हुए, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि जेडीएस और भाजपा विधायक सत्र के पहले दिन सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हम सदन में भी लड़ेंगे। आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को लेनी चाहिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों पर अपनी जिम्मेदारी से बचने का आरोप लगाया। राज्य में खाद की कमी है और किसान विरोध और संघर्ष कर रहे हैं, उत्तरी कर्नाटक में सिंचाई की समस्या का समाधान नहीं हो रहा है, पुलिस उप-निरीक्षकों की भर्ती पूरी होने के बावजूद भर्ती आदेश जारी नहीं किए जा रहे हैं, राज्य में लाखों पद खाली हैं, फिर भी भर्ती नहीं हो रही है, हम सदन के अंदर और बाहर दोनों तरफ से राज्य की कांग्रेस सरकार के खिलाफ लड़ेंगे। आज हमने गांधी प्रतिमा के पास प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया है। विधानसभा में विपक्षी दल के नेता आर. अशोक ने कहा कि कांग्रेस सरकार को 60 प्रतिशत सरकार करार दिया गया है। निंदा के कारण सत्र 9 दिनों के लिए आयोजित किया जा रहा है। सत्र कम से कम 20 दिनों का होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि भाजपा और जेडीएस नेताओं ने बैठक की और सरकार के खिलाफ लड़ने का फैसला किया। आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान, वह एक पारिवारिक तस्वीर लेते समय व्यस्त रहे। लेकिन भगदड़ में 11 निर्दोष लोगों की मौत हो गई। उनके परिवारों को उनकी तस्वीरें रखने और पूजा करने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि आरसीबी की जीत के जश्न में हुई भगदड़ सरकार द्वारा प्रायोजित हत्या थी। भगदड़ के बावजूद, मुख्यमंत्री डोसा खाने गए थे। उपमुख्यमंत्री आरसीबी के कप को चूम रहे थे। क्या जो लोग विधान सौधा के सामने कानून-व्यवस्था नहीं बनाए रख सकते, वे राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखेंगे? भगदड़ में मारे गए 11 लोगों की मौत के लिए हम सदन में न्याय की लड़ाई लड़ेंगे। दलितों की जमीन बचानी होगी। किसानों को भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। विधान परिषद में जेडीएस नेता एस.एल. भोजेगौड़ा ने कहा कि जनता इस स्थिति पर चर्चा कर रही है, चाहे राज्य में कांग्रेस की सरकार हो या न हो। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को इस खबर की जानकारी थी कि आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान स्टेडियम के पास भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई। विधान सौधा के सामने कार्यक्रम निर्धारित समय से देर से शुरू हुआ। लेकिन मुख्यमंत्री का यह कहना अक्षम्य है कि विधान सौधा परिसर में कोई भगदड़ नहीं हुई थी। यह जवाब कि स्टेडियम में हुई त्रासदी से हमारा कोई लेना-देना नहीं है, सामान्य नहीं है। अधिकारियों को निलंबित करना ही पर्याप्त नहीं है, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को इसकी नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि त्रासदी के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिलनी चाहिए। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायण स्वामी ने कहा कि सरकार ने आरसीबी की जीत का श्रेय लिया और त्रासदी को जन्म दिया। वे जश्न मनाने गए और 11 लोगों की मौत का कारण बने। त्रासदी के बाद 5 अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। सरकार को इसका उचित जवाब देना चाहिए। 11 लोगों की मौत का न्याय होना चाहिए। जंगलों के नाम पर दलितों और किसानों को नुकसान हो रहा है। इससे बचना चाहिए। सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। उन्होंने सरकार पर 60 प्रतिशत कमीशन-खोरी का आरोप लगाया। राज्य में कानून-व्यवस्था बिगड़ गई है। मौतें और घायल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इन सभी मुद्दों को सदन में उठाएंगे।

बांदीपुर में हाथी के साथ पर्यटक का दुस्साहस कैमरे में कैद

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बांदीपुर में एक जंगली हाथी के खतरनाक करीब पहुँच गए एक पर्यटक की दुर्घटना का अंत हाथी के हमले से हुआ। गुस्साए हाथी से भागते समय वह व्यक्ति गिर पड़ा, लेकिन जैसे ही उसे लगा कि विशालकाय हाथी उसे कुचल देगा, संयोगवश हाथी ने उसका पीछा करना छोड़ दिया और वहाँ से भाग गया।

यह घटना वीडियो में कैद हो गई और सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इससे भी महत्व-पूर्ण बात यह है कि इस घटना ने जंगलों में जंगली जानवरों के करीब जाने के लिए सुरक्षा सलाह की अनदेखी करने वाले पर्यटकों की लगातार बढ़ती समस्या को उजागर किया है। यह घटना मेलकामनाहल्ली और बांदीपुर के बीच सड़क के एक हिस्से पर हुई। जब पर्यटक हाथी के पास आया, तो वह व्यस्त राजमार्ग पर था। वह वीडियो या सेल्फी लेने के लिए उसके पास आया, लेकिन उसने जंगली जानवर को भड़का दिया। पर्यटक मौके से भाग गया और हाथी उसका पीछा कर रहा था, लेकिन यह पीछा तब खत्म हुआ जब पर्यटक लड़खड़ाकर गिर पड़ा। हाथी सड़क पर पड़े व्यक्ति को कुचलने ही वाला था, लेकिन उसका ध्यान भटक गया और वह जंगल की ओर मुड़ गया। बांदीपुर टाइगर रिजर्व के निदेशक प्रभाकरण ने कहा कि पर्यटक की पहचान अभी पता नहीं चल पाई है, क्योंकि गश्ती दल के मौके पर पहुँचने से पहले ही वह एक वाहन में सवार होकर वहाँ से चला गया था। उन्होंने कहा कि मैसूरु और चामराजनगर के सभी अस्पतालों को निर्देश दिया गया था कि वे हाथी द्वारा कुचले जाने से संबंधित किसी भी मामले की सूचना अधिकारियों को दें, लेकिन ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई। इसलिए, हमने तमिलनाडु और केरल के वन विभाग से संपर्क किया। अस्पतालों और क्लीनिकों को सूचित कर दिया गया है कि वे हाथी द्वारा कुचले जाने के कारण घायल हुए किसी भी मरीज की सूचना दें।

अधिकारियों ने वीडियो अपलोड करने वाले व्यक्ति से संपर्क किया, लेकिन उन्हें पर्यटक की पहचान के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, हालाँकि उन्होंने पुष्टि की कि वह लगभग तुरंत ही एक वाहन में सवार होकर चला गया था। उन्होंने कहा हमें पर्यटक की पहचान की पुष्टि करनी होगी और उस पर मुकदमा भी चलाना होगा। पर्यटकों का ऐसा लापरवाह व्यवहार पूरे भारत के राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के लिए अभिशाप बन गया है।

विधान परिषद में छात्रों द्वारा स्कूल शौचालय साफ करने पर गंभीर बहस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। छात्रों द्वारा स्कूलों में शौचालय साफ करवाने के मुद्दे पर विधान परिषद में गंभीर बहस छिड़ गई। प्रश्नकाल के दौरान, सदस्य रामोजी राव और मधुमादे गौड़ा व अन्य ने स्कूल शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा से इस बारे में सवाल किया। इस पर जवाब देते हुए, मंत्री मधु बंगारप्पा ने कहा कि शिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे छात्रों से स्कूलों में शौचालय साफ न करवाएँ। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर अपनी लाचारी जताई कि कुछ जगहों पर ऐसी घटनाएँ फिर भी होती हैं। उन्होंने कहा कि इसी वजह से, जिला पंचायत और तालुक पंचायत को निर्देश दिया गया है कि वे स्कूलों को आवंटित कुल अनुदान का 10 प्रतिशत शौचालय साफ करवाने वाले कर्मचारियों को दें। स्कूलों को शौचालय साफ करवाने के लिए अलग से कर्मचारी नियुक्त करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वित्त विभाग ने इसकी अनुमति नहीं दी है। उस समय, सदस्यों ने सुझाव दिया कि कई स्कूलों में छात्र शौचालय साफ करवा रहे हैं। शिक्षकों को इस बारे में स्पष्ट निर्देश दिए जाने चाहिए।

धर्मस्थल और धार्मिक अधिकारियों के सम्मान को बदनाम करने वाले यूट्यूबर्स के खिलाफ क्या कार्रवाई हो रही?: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा नेता और विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने सरकार से सवाल किया किश्रीक्षेत्र धर्मस्थल और धर्माधिकारी के बारे में झूठी और अपमानजनक खबरें फैलाने वाले प्रभावशाली लोगों और यूट्यूबर्स के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है? अपनी आधिकारिक सोशल नेटवर्किंग साइट पर पोस्ट करते हुए, उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर से अपील की है कि वे श्रीक्षेत्र धर्मस्थल के पूज्य देवता श्री मंजूनाथ स्वामी के सैकड़ों धार्मिक बंधुओं और भक्तों के मन में उठ रहे उपरोक्त प्रश्नों का तुरंत समुचित उत्तर दें। यदि कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, तो झूठी खबरें फैलाने वाले इन तथाकथित यूट्यूबर्स के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है बताएं? आप खुद को भीम कहने वाले गुमनाम व्यक्ति की जाँच कब करेंगे?

यह एक अक्षम्य अपराध है कि कुछ निहित स्वार्थी और हिंदू विरोधी ताकतें व्यापक दुष्प्रचार करके धर्मस्थल निर्वाचन क्षेत्र के सम्मान और गरिमा को धूमिल करने की कोशिश कर रही हैं। इन सभी घटनाक्रमों को देखकर कई सवाल उठते हैं जो एक साजिश की तरह लगते हैं। मुख्यमंत्री जी, आपने एसटीआई का गठन न करने की बात कहने के अगले ही दिन इसका गठन क्यों कर दिया? एसटीआई के गठन के लिए आप

पर किसने दबाव डाला? वामपंथियों ने? कम्युनिस्टों ने? आपकी सरकार के भीतर जिहादियों या हिंदू-विरोधी ना-स्तिकों ने? अब, एक गुमनाम व्यक्ति द्वारा दिए गए बयान की सत्यता की जाँच किए बिना, सरकार ने एसआईटी का गठन क्यों किया, जबकि इसका कोई आधार नहीं है।

लोगों का विश्वास बचाने के लिए अंतरिम रिपोर्ट क्यों जारी नहीं की जा रही है? जाँच का असली उद्देश्य क्या है? क्या सच्चाई सामने आएगी? या श्रीक्षेत्र धर्मस्थल का नाम खराब होगा? क्या यह बिना किसी आधार के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समाचार चैनलों पर धर्मस्थल के बारे में मनगढ़ंत खबरें फैलाने की साजिश का हिस्सा नहीं है? धर्मस्थल के भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुँचाने से बचने के लिए आपने क्या कदम उठाए हैं? श्रीक्षेत्र के खिलाफ कौन आया और कहा, शिकायतें स्वीकार करने की खुले दरवाजे की नीति के पीछे राजनीतिक लाभ क्या है? आप शिकायतकर्ताओं की ईमानदारी और बयानों को बिना पहले सत्यापित किए कैसे स्वीकार कर रहे हैं? जो लोग अदालत में सबूत देने से डरते थे, वे सोशल मीडिया पर खुलेआम आरोप लगाने का साहस कैसे दिखा रहे हैं? भीम नाम का वह नकाबपोश कौन है? उन्होंने कहा कि इतने सालों तक वह कहाँ था? उसे कौन बचा रहा था? अगर उसने कहा था कि उसने तेरह जगहों की पहचान की है, तो अब वह एक दिन में एक जगह क्यों दिखा रहा है? दक्षिण कन्नड़ जिले के पुलिस प्रमुख ने खुद कहा था कि नकाबपोश व्यक्ति का परीक्षण किया जाना चाहिए, इसकी अनुमति न देने का क्या कारण है? किसने जोर दिया कि परीक्षण न किया जाए? केएचआई अधिकारियों द्वारा बिना दोबारा पूछताछ किए, उनके द्वारा बताई गई जगह की खुदाई करने के पीछे क्या रहस्य है, जबकि अभी तक कोई सबूत नहीं मिला है?

विधानसभा में दिवंगत गणमान्य व्यक्तियों और पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा के दोनों सदनों में दिग्गज अभिनेत्री बी. सरोजादेवी, वैज्ञानिक कस्तूरीरंगन, लेखक जी.एस. सिद्धलिंगैया, एच.एस. वेंकटेश मूर्ति और चिन्नास्वामी घटना को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिनकी स्टेडियम के पास भगदड़, पहलगाम आतंकवादी हमले और अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार सुबह विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही अध्यक्ष यू.टी. खादर ने हाल ही में दिवंगत हुए गणमान्य व्यक्तियों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए एक प्रस्ताव पेश किया। पूर्व राज्य मंत्री बेगाने रामैया, पूर्व विधानसभा सदस्य काकासो पांडुरंगा पाटिल, एन. राजन्ना, पूर्व मनोनीत विधानसभा सदस्य डेरिक एम.बी. लीना, विधान परिषद के पूर्व प्रोटेम स्पीकर डॉ. एन.

थिप्पन्ना, पूर्व उपसभापति और प्रोटेम स्पीकर डेविड शिमोन, पूर्व राज्यसभा सदस्य और इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. कस्तूरीरंगन, प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक पी. सुब्बान्ना अय्यप्पन, परमाणु वैज्ञानिक एम.आर. श्रीनिवासन, वरिष्ठ साहित्यकार पी.जी.एस. सिद्धलिंगैया, वरिष्ठ कवि डॉ. एच.एस. वेंकटेशमूर्ति, बहुभाषी दिग्गज अभिनेत्री बी. सरोजादेवी, ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के निधन और पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए सभी लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अध्यक्ष ने सदन में एक प्रस्ताव पेश किया। इसमें गोलीबारी में मारे गए कर्नाटक के नागरिक, आरसीबी टीम की जीत के लिए आयोजित सम्मान समारोह के दौरान भगदड़ में मारे गए 11 लोग और हाल ही में गुजरात में हुए एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए 265 लोग शामिल हैं। इसके बाद, दिवंगत के बारे में बताते हुए, अध्यक्ष ने कहा कि बेगाने रमैया का जन्म चिक्कमगलूरु जिले के बेगाने में हुआ था और उन्होंने एम.ए. और बी.एल. की उपाधियाँ प्राप्त की थीं। वे 1978 में श्रृंगेरी विधानसभा क्षेत्र से छठी विधानसभा के लिए चुने गए और ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण जल आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्यरत रहे। अपने कार्यकाल के दौरान, वे बोरवेल रमैया के नाम से प्रसिद्ध थे, जिन्होंने पेयजल के लिए गाँवों में बोरवेल खोदे थे। बेलगावी के काकासो पांडुरंग पाटिल 1999 में निप्पानी विधानसभा क्षेत्र से पहली बार 11वीं विधानसभा के लिए चुने गए और 12वीं और 13वीं विधानसभा के लिए पुनः निर्वाचित हुए। डेरिक एम.बी. लीना अखिल भारतीय प्रगतिशील एंग्लो-इंडियन एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रहे। उन्हें पहली बार 1990 में नौवीं विधान सभा की एंग्लो-इंडियन सीट के लिए मनोनीत किया गया था और 2008 में दूसरी बार तेरहवीं विधान सभा के लिए पुनः मनोनीत किया गया था। एन. राजन्ना पेशे से कृषक थे और डेयरी फार्मिंग से जुड़े थे। उन्होंने दांडू क्षेत्र के गोपालक संघ के अध्यक्ष और प्रणदाय संघ, एचडीयूई के प्रतिनिधि सहित कई संगठनों के संरक्षक के रूप में कार्य किया। उन्होंने बताया कि वे 1994 में भारतीनगर निर्वाचन क्षेत्र से दसवीं विधान सभा के लिए चुने गए थे। डेविड शिमोन 1996 से 2002 तक विधान परिषद के मनोनीत सदस्य रहे। डॉ. एन. थिप्पन्ना 1988-1994, 1994-2000 और 2006-2012 तक स्थानीय निकायों से विधान परिषद के लिए चुने गए। उन्होंने बताया कि वे 2008 में प्रोटेम स्पीकर थे। केरल के एर्नाकुलम में जन्मे डॉ. के. कस्तूरीरंगन ने अपना करियर इसरो से शुरू किया और भारत के पहले दो पृथ्वी अवलोकन उपग्रहों, भास्कर-वन और भास्कर-टू के परियोजना निदेशक और इसरो उपग्रह केंद्र के निदेशक के रूप में कार्य किया। इसी प्रकार उन्होंने अन्य लोगों के बारे में भी बताया।

रान्या राव मामला : डीजीपी रामचंद्र राव की फिर से नियुक्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अपनी सौतेली बेटी रान्या राव से जुड़े सोने की तस्करी मामले में फंसे पुलिस महानिदेशक के. रामचंद्र राव को राहत देते हुए, राज्य सरकार ने सोमवार को उन पर लगाई गई अनिवार्य छुट्टी वापस ले ली और उन्हें नागरिक अधिकार प्रवर्तन निदेशालय के पुलिस महानिदेशक के पद पर पद-ोन्नत कर रिक्त पद पर नियुक्त किया। जारी अधिसूचना में कहा गया है कि पुलिस महानिदेशक, डीसीआरई का पद आईपीएस (वेतन) नियम 2016 के नियम 12 के तहत

सीआईडी, विशेष इकाइयों और आर्थिक अपराध महानिदेशक के पद के समकक्ष है। राव से मार्च में अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा नियुक्त जाँच समिति ने पूछताछ की थी, जब उनकी सौतेली बेटी रान्या राव को हवाई अड्डे पर 14.2 किलोग्राम सोने की तस्करी करने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान, यह पता चला कि रान्या कथित तौर पर नियमों का उल्लंघन करते हुए, कस्टम जाँच और केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) पर चेकआउट से बचने के लिए, उसे प्रदान की गई पुलिस सुरक्षा का दुरुपयोग कर रही थी। राज्य सरकार ने पुलिस प्रोटोकॉल सेवाओं के दुरुपयोग और मामले में राव की संभावित भूमिका की जाँच के लिए गौरव गुप्ता समिति का गठन किया। उन्हें 15 मार्च को अनिवार्य अवकाश पर भेज दिया गया।

कांग्रेस के खिलाफ बयान देने वाले सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने दिया इस्तीफा!

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मतदान में धांधली के मामले में कांग्रेस के खिलाफ बयान देने वाले सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने इस्तीफा दे दिया है। लोकसभा चुनाव में जहाँ पूरी कांग्रेस पार्टी मतदान में धांधली के खिलाफ लड़ रही थी, वहीं मंत्री के.एन. राजन्ना ने विरोधाभासी बयान देते हुए सवाल किया कि क्या कांग्रेसी मतदाता सूची संशोधन की राज्य सरकार की जिम्मेदारी की मसौदा सूची जारी होने पर गधे का इंतजार कर रहे थे? जब 8 अगस्त को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में राहुल गांधी ने विरोध प्रदर्शन किया, तो मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री समेत कैबिनेट के सभी मंत्री शामिल हुए। लेकिन राजन्ना इस विरोध प्रदर्शन से दूर रहे। राजन्ना का बयान भाजपा के लिए एक हथियार बन गया था। कुछ प्रमुख कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने राजन्ना को कैबिनेट और पार्टी से निष्कासित करने की मांग करते हुए आलाकमान से शिकायत की थी। राजन्ना इससे पहले केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार समेत कई लोगों के खिलाफ

सार्वजनिक बयान दे चुके हैं। उपमुख्यमंत्री पद के सृजन के दौरान भी राजन्ना के नेतृत्व ने पार्टी को शर्मिंदा किया था। सिद्धरामैया के नेतृत्व के संबंध में आलाकमान के निर्देशों की अवहेलना करते हुए बयान देकर राजन्ना ने पार्टी अनुशासन का उल्लंघन किया। राजन्ना ने राहुल गांधी के भाषण के संबंध में विरोधाभासी बयान देकर कांग्रेस पार्टी को भी काफी शर्मिंदा किया था। कहा जा रहा है कि इस मामले में उन्हें दंडित किया जाएगा। राजन्ना विधानसभा सत्र की शुरुआत में उपस्थित नहीं हुए। राजन्ना आमतौर पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से विधानसभा कार्यालय में मिलते हैं। लेकिन मुख्यमंत्री के विधानसभा कार्यालय में होने के बावजूद, राजन्ना उनसे मिले बिना ही सदन से बाहर रहे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के करीबी मित्र राजन्ना को कई मौकों पर राजनीतिक संरक्षण प्राप्त था। लेकिन इस बार ऐसा होने की संभावना कम ही लग रही है। दोपहर में सत्र में उपस्थित होने से पहले, राजन्ना ने स्पष्ट किया कि वह मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से चर्चा करने के बाद अपने बयान पर स्पष्टीकरण देंगे। सूत्रों के अनुसार, आलाकमान ने राजन्ना को इस्तीफा देने का निर्देश दिया है। इसके बाद, राजन्ना ने दोपहर में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की और अपना त्यागपत्र सौंप दिया।

इससे पहले, बेल्लारी जिले के बी. नागेंद्र महर्षि वाल्मीकि विकास निगम घोटाले के प्रमुख थे, तो इस्तीफा दिया था। मतदाता सूची में अनियमितताओं का बचाव करने के कारण राजन्ना को अपना पद गंवाना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने के. एन. राजन्ना का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। सहकारिता मंत्री के. एन. राजन्ना के मंत्री पद से इस्तीफा देने की बात विधानसभा में भी गूंजी, जिसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया। भोजनावकाश के बाद जब सदन की कार्यवाही फिर शुरू हुई, तो विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि मीडिया में ऐसी खबरें हैं कि राजन्ना ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। इस बारे में जोरदार अफवाहें थीं और उन्होंने सरकार से स्पष्टीकरण देने की माँग की। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बहस के बावजूद चुपचाप सुन रहे राजन्ना ने विपक्षी विधायकों की जोरदार माँगों के आगे घुटने टेक दिए और अपनी बात रखी, लेकिन मंत्री पद से इस्तीफा देने की पुष्टि या खंडन नहीं किया। विपक्षी नेताओं ने पूछा कि आप कैसे बैठे हैं? तो उन्होंने कहा अध्यक्ष ने सदन में सीटें निर्धारित की हैं। मैं बैठा हूँ। कानून मंत्री पहले ही यह कह चुके हैं। मुख्यमंत्री सदन में इस बारे में बोलेंगे। उन्होंने कहा कि मैं इसके लिए प्रतिबद्ध हूँ। फिर अशोक बोले कि जो मंत्री नहीं हैं उन्हें वहाँ नहीं बैठना चाहिए। अगर मंत्री नहीं बोलेंगे, तो क्या यह लोकतंत्र है? शुरुआत में बोलते हुए, अशोक ने कहा कि राजन्ना ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है और ऐसी अफवाहें हैं कि उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। क्या उन पर भ्रष्टाचार के कोई आरोप हैं? मंत्री अभी भी यहाँ हैं। उन्होंने कहा कि वह हर दिन मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का पक्ष लेते हैं। भाजपा विधायक सुरेश कुमार ने बात की और मांग की कि सरकार इस संबंध में बयान दे।

आंतरिक आरक्षण निर्णय के बाद मेडिकल कॉलेजों में रिक्तियां भरी जाएंगी: शरण प्रकाश पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरणप्रकाश पाटिल ने विधान परिषद को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार द्वारा आंतरिक आरक्षण पर स्पष्ट निर्णय लेने के बाद मेडिकल कॉलेजों में रिक्त पदों को भरा जाएगा। प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान सदस्य मंजेगौड़ा द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एच.एन. नागमोहनदास ने आंतरिक आरक्षण के संबंध में सरकार को एक रिपोर्ट सौंपी है। उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट पर कैबिनेट बैठक में चर्चा हुई और अगली विशेष कैबिनेट बैठक में अंतिम निर्णय लिए जाने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि जब तक सरकार आंतरिक आरक्षण पर अंतिम निर्णय नहीं ले लेती, तब तक किसी भी विभाग में पद न भरे जाएँ। उन्होंने स्पष्ट किया कि तब तक हम कुछ नहीं कर पाएँगे। मेडिकल कॉलेजों में कुल 21,860 पद हैं। इनमें से 9,413 पद भरे जा चुके हैं। उन्होंने आँकड़ों का विवरण देते हुए बताया कि 12,447 पद रिक्त हैं। रिक्तियों के बावजूद, मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को पढ़ाने या अस्पतालों में मरीजों का इलाज करने में कोई समस्या नहीं है। मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने कहा कि सरकार ने सभी एहतियाती कदम उठाए हैं। मेडिकल कॉलेजों के निदेशकों और संबंधित अस्पतालों के प्रमुखों को निर्देश दिया गया है कि जहाँ भी आवश्यक हो, आउटसोर्स आधार पर कर्मचारियों की भर्ती की जाए। यादगीर, रायचूर, कलबुर्गी सहित कुछ अन्य मेडिकल कॉलेजों में कर्मचारियों की कमी थी। हमने इसे पहले ही पूरा कर लिया है। किसी भी कॉलेज या अस्पताल में कोई समस्या नहीं आई है। अगर कोई समस्या है, और वह हमारे ध्यान में लाई जाती है, तो मंत्री ने आश्वासन दिया कि उसका तुरंत समाधान किया जाएगा।

अपराध, नशे में गाड़ी चलाने और यातायात उल्लंघन पर अंकुश लगाने के लिए रात्रि गश्त शुरू

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। कानून-व्यवस्था बनाए रखने, दुर्घटनाओं को रोकने और लापरवाही से वाहन चलाने पर अंकुश लगाने के लिए, उडुपी शहर और मणिपाल सीमा क्षेत्र में पुलिस ने विशेष रात्रिकालीन अभियान सहित कई एहतियाती उपाय लागू किए हैं। उडुपी-मणिपाल में चोरी, रात में नशे में वाहन चलाने और जनता के साथ दुर्व्यवहार की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद यह कदम उठाया गया है।

स्कूल और कॉलेज फिर से खुलने के साथ, पुलिस ने छात्रों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए समय से पहले निगरानी भी शुरू कर दी है। मणिपाल पुलिस थाना क्षेत्र में, सभी दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान रात 10 बजे तक बंद होने चाहिए। उडुपी और आसपास के अन्य इलाकों में, दुकानें बंद होने का समय रात 10:30 बजे से 11 बजे के बीच निर्धारित किया गया है। निर्धारित समय से ज्यादा खुली रहने वाली दुकानों को एक या दो बार

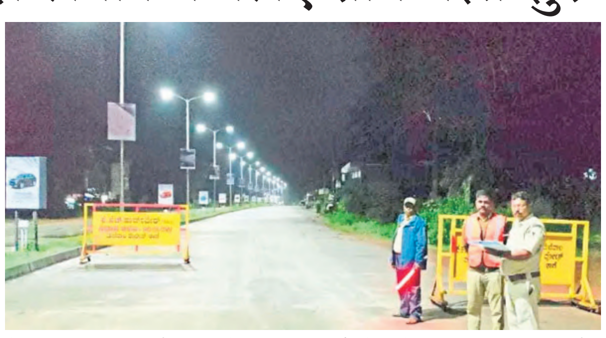

चेतावनी दी जाती है, जिसके बाद मामला दर्ज किया जाएगा। शराब की दुकानें रात 10:30 बजे तक, बार रात 11:30 बजे तक और क्लब, स्टार होटल और बोर्डिंग हाउस आधी रात तक बंद होने चाहिए।

पुलिस देर रात शराब खरीदने वालों और होटलों या छोटी-मोटी दुकानों से खाना खरीदने के बाद सड़क किनारे शराब पीने वालों पर भी नकेल कस रही है। जुआ खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और आवारागर्दी करने वालों से पूछताछ की जा रही है। सप्ताहांत में, पुलिस ने नशे में वाहन चलाने वालों को पकड़ने और तेज गति से वाहन चलाने वालों को दंडित करने के लिए कई चेकपोस्ट स्थापित किए हैं। मणिपाल में पेरमपल्ली और कोडन सर्कल, एमआईटी, ईश्वर नगर और अलेवूर रोड पर लगातार रात्रि गश्त की जा रही है। उडुपी शहर में, पुलिस घंटाघर, सिटी और सर्विस बस स्टैंड के पास लगातार निगरानी रख रही है। कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए, जिले में बीट सिस्टम और नियमों का सख्ती से पालन किया जा रहा है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि वे जनता की किसी भी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करेंगे। जिला पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर ने बताया कि शिकायतों के लिए पुलिस नियंत्रण कक्ष से संपर्क किया जा सकता है।

फर्जी ड्रग पार्सल 'डिजिटल गिरफ्तारी' घोटाले में सेवानिवृत्त महिला से 3.09 करोड़ की ठगी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साइबर धोखाधड़ी के एक चौंकाने वाले मामले में, मेंगलूरु की एक सेवानिवृत्त महिला ने ऑनलाइन स्कैमर्स के हाथों 3.09 करोड़ रुपये से ज्यादा गँवा दिए। स्कैमर्स ने एक परिष्कृत डिजिटल गिरफ्तारी रणनीति का इस्तेमाल किया। स्कैमर्स ने महिला पर चीन में नशीले पदार्थों से भरा एक पार्सल भेजने का झूठा आरोप लगाया और जेल भेजने की धमकी देकर उससे जबरन वसूली की। पीड़िता ने साइबर, आर्थिक और नारकोटिक्स (सीईएन) अपराध थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें बताया गया कि घटना 15 जनवरी, 2025 को शुरू हुई, जब उसे एक अनजान नंबर से मिस्ड कॉल आई। कॉल वापस करने पर, जनरल पोस्ट ऑफिस से होने का दावा करने वाली एक महिला ने उसे बताया कि उसके द्वारा कथित तौर पर चीन भेजा गया एक पार्सल वापस

आ गया है और उसमें 150 ग्राम एमडीएमए पाया गया है, जो एक प्रतिबंधित मादक पदार्थ है। हालाँकि पीड़िता ने ऐसा कोई पार्सल भेजने से साफ इनकार किया, लेकिन कॉल करने वाले ने जोर देकर कहा कि यह पार्सल उसके पहचान पत्र का इस्तेमाल करके उसके नाम से बुक किया गया था। महिला ने चेतावनी दी कि इस तरह के अपराध के लिए 75 साल से ज्यादा की जेल की सजा हो सकती है, जिससे बुजुर्ग सेवानिवृत्त महिला घबरा गई और असमंजस में पड़ गई। फिर धोखेबाज ने मदद की पेशकश की और दावा किया कि अगर पीड़िता अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) ले ले, तो वह कानूनी नतीजों से बच सकती है। हालाँकि, इसे हासिल करने के लिए, उसे अपनी पेंशन राशि का 93 प्रतिशत सत्यापन और मंजूरी के लिए विशिष्ट बैंक खातों में स्थानांतरित करने के लिए कहा गया। डर और दबाव में आकर, पीड़िता ने 17 जनवरी को 55 लाख रुपये का प्रारंभिक आरटीजीएस हस्तांतरण किया। अगले कई महीनों में, 17 जनवरी से 4 जुलाई के बीच, उसने धोखेबाजों के निर्देशानुसार कई बैंक खातों में चरणबद्ध तरीके से पैसे स्थानांतरित करना जारी रखा - जिससे उसे कुल 3,09,75,000 रुपये का नुकसान हुआ।

आरोपी ने उसे इस बारे में किसी को न बताने की चेतावनी दी, जिससे उसकी मानसिक स्थिति और बिगड़ गई। जब धोखेबाजों ने जवाब देना बंद कर दिया, तभी उसे एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। पुलिस के अनुसार, धोखेबाजों ने प्रचलित डिजिटल गिरफ्तारी पद्धति का इस्तेमाल किया - एक साइबर अपराध तकनीक जिसमें पीड़ितों को यह विश्वास दिलाया जाता है कि वे अधिकारियों द्वारा जाँच या गिरफ्तारी के अधीन हैं, जिसमें अक्सर नकली अधिकारी, छेड़छाड़ किए गए दस्तावेज और कारावास की धमकी शामिल होती है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा अज्ञात व्यक्तियों ने डर और छद्मवेश का इस्तेमाल करके पीड़ित से जबरन वसूली की। एक औपचारिक मामला दर्ज कर लिया गया है और इस व्यापक धोखाधड़ी के पीछे के लोगों का पता लगाने के लिए जाँच जारी है।

सदन के सदस्यों की सहमति से अपात्र बीपीएल लाभार्थियों को एपीएल में शामिल किया जाएगा: मुनियप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने विधान परिषद में कहा कि यदि सदन के सदस्य सर्वसम्मति से बीपीएल राशन कार्ड पर अपात्र लाभार्थियों को औसत गरीबी रेखा (एपीएल) में शामिल करने पर सहमत हो जाते हैं, तो यह कार्य जल्द ही शुरू हो जाएगा। सदस्य एन. नागराज के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, उन्होंने खेद व्यक्त किया कि जब विभाग ने पहले बीपीएल कार्ड पर मौजूद लाभार्थियों को एपीएल में स्थानांतरित करने का कदम उठाया था, तो एक बड़ा

विवाद खड़ा हो गया था। यदि सदन के सभी सदस्य सहमत हो जाते हैं, तो अपात्र लाभार्थियों को एपीएल से बीपीएल में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। एनएएमएम विभाग द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, ऐसे 15 लाख लाभार्थियों को बीपीएल में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि अनुमानतः 50 से 60 लाख लाभार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। अपात्र लाभार्थियों को राशन का अनाज मिल रहा है, जिससे सरकार के खजाने पर भी बोझ पड़ रहा है। ऐसा करते समय कुछ समस्याएँ आती हैं। कुछ लोग यह झूठा प्रचार करते हैं कि वे पात्र लाभार्थियों को हटा देंगे। सदस्यों को ऐसा नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि अगर आप सहमत हैं, तो सरकार अपात्र लोगों को हटाने के लिए तैयार है। दक्षिण भारत के राज्यों में, कर्नाटक में बीपीएल लाभार्थियों की संख्या सबसे ज्यादा है। तमिलनाडु में 50 प्रतिशत, केरल में 45 प्रतिशत, तेलंगाना में 50 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश में 50 प्रतिशत और अकेले हमारे यहाँ 70 से 75 प्रतिशत बीपीएल लाभार्थी हैं।

केंद्र सरकार ने बीपीएल लाभार्थी की पहचान के लिए 11 मानदंड और राज्य सरकार ने 5 मानदंड निर्धारित किए हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम इन मानदंडों का पालन करते हैं, तो बीपीएल लाभार्थियों की संख्या घटकर 35 रह जाएगी। विभाग ने राज्य में राशन का अनाज बेचने वालों के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए हैं। 2023-24 में 404 मामलों में 20 करोड़ रुपये का जुर्माना, 2024-25 में 505 मामलों में 10 करोड़ रुपये का जुर्माना और चालू वर्ष में 287 मामलों में 4 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया है।

राज्य में राशन का अनाज न बेचने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। जानकारी मिलते ही हमारे अधिकारियों ने भी तुरंत छापेमारी की और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की। बीपीएल राशन कार्ड के लिए आवेदन करने हेतु सॉफ्टवेयर की कमी थी। मंत्री मुनियप्पा ने स्पष्ट नहीं किया कि अब कोई समस्या नहीं है।

रहमान हत्याकांड में 13वां आरोपी गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस ने 27 मई को कुर्नियाल गाँव के इराकोड़ी में हुई कोलट्टामजालु निवासी अब्दुल रहमान की हत्या और कलंधर शफी पर हमले के सिलसिले में 13वें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान पुडु गाँव निवासी रंजीत उर्फ रंजू (35) के रूप में हुई है, जिसे 10 अगस्त को हिरासत में लिया गया था। उसे अदालत में पेश कर आगे की पूछताछ के लिए, पुलिस हिरासत में भेजा जा सकता है। इससे पहले, बंटवाल ग्रामीण पुलिस ने इस मामले में 12 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था, जिनसे न्यायिक हिरासत में भेजे जाने से पहले कई दिनों तक पुलिस हिरासत में पूछताछ की गई थी। पुलिस ने कहा कि जाँच जारी है और फरार अन्य आरोपियों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

भाजपा सरकार और चुनाव आयोग पूरी तरह भटक गए: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर चुनावी प्रणाली में सड़ांध को दूर करने के बजाय इंडिया ब्लॉक के सांसदों के खिलाफ पुलिस को हथियारबंद करने का आरोप लगाया, जैसा कि राहुल गांधी ने उजागर किया था। उन्होंने यह टिप्पणी दिल्ली पुलिस द्वारा इंडिया ब्लॉक के सांसदों को हिरासत में लिए जाने के बाद की, जो चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान ''मतदाता धोखाधड़ी'' के आरोप को लेकर चुनाव निकाय के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। सिद्धरामैया ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कायर नरेंद्र मोदी सरकार और समझौतावादी चुनाव आयोग पूरी तरह से अपना रास्ता खो चुके हैं। राहुल गांधी द्वारा बेंगलूरु में बड़े पैमाने पर मतदाता धोखाधड़ी का पर्दाफाश करने के बाद, हमारी चुनावी प्रणाली की सड़ांध को दूर करने के बजाय, भाजपा जवाबदेही की मांग करने वालों को हिरासत में लेने के लिए पुलिस को हथियार बना रही है। राहुल गांधी ने 7 अगस्त को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जहां उन्होंने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनावों को चुनाव आयोग द्वारा भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए कोरियोग्राफ किया गया था, जो उन्होंने कहा कि सत्ता-विरोधी लहर से अप्रभावित प्रतीत होता है। सिद्धरामैया ने कहा आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य वरिष्ठ नेताओं को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और चुनावी कदाचार के बढ़ते चलन के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव आयोग तक मार्च करने पर हिरासत में लिया गया। सरकार के कार्यों पर अपना हमला जारी रखते हुए सिद्धरामैया ने कहा जो सरकार ईसीआई को अपना संवैधानिक कर्तव्य निभाने देने के बजाय विपक्ष को चुप कराती है, वह सरकार सच्चाई से डरती है और लोगों से डरती है। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने राहुल गांधी, अखिलेश यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य विपक्षी सांसदों को संसद के मकर द्वार से विरोध मार्च शुरू करने के तुरंत बाद हिरासत में ले लिया। सांसद निर्वाचन सदन स्थित चुनाव कार्यालय की ओर मार्च करते हुए ''वोट चोर'' के नारे लगा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया। हिरासत में लिए गए सांसदों को बस में पुलिस थाने ले जाया गया। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष की लड़ाई राजनीतिक लड़ाई नहीं बल्कि संविधान बचाने की लड़ाई है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री कुबेर सिद्धि गणपति, श्री दुर्गा देवी, श्री सुब्रमण्यस्वामी, श्री कालभैरवेश्वरा स्वामी देवस्थाना मूडलपाल्या में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। साथ ही जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। विजय एवं अन्य युवाओं ने मुणोत को सम्मानित किया।

जम्मू कश्मीर की चार राज्यसभा सीटों पर चुनाव अधर में

फिर रोटेशन सिस्टम से नेता जाएंगे राज्यसभा!

सुरेश एस. डुग्गर
जम्मू, 11 अगस्त।

जम्मू-कश्मीर की चार राज्यसभा सीटों के लिए निकट भविष्य में चुनाव होने की संभावना नहीं दिख रही है, क्योंकि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 83 के तहत इन उच्च सदन सीटों के रोटेशन को फिर से शुरू करने पर विचार कर रहा है।

भारत का चुनाव आयोग फरवरी 2021 से खाली इन राज्यसभा सीटों को रोटेशन के सिद्धांत के बहाल होने से पहले भरने की जल्दी में नहीं है। चूंकि जम्मू कश्मीर के सभी चार राज्यसभा सदस्य अपना छह साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद एक साथ सेवानिवृत्त होते हैं, न कि रोटेशन के अनुसार, जैसा कि अनुच्छेद 83 में अनिवार्य है, सूत्रों ने कहा कि संवैधानिक प्रश्न पर राष्ट्रपति के पास संदर्भ जाने की संभावना है।

उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर में वर्षों से केंद्रीय शासन लागू होने से उसके उच्च सदन में प्रतिनिधित्व प्रभावित हुआ है और सभी राज्यसभा सदस्य हर दो साल के बजाय एक साथ सेवानिवृत्त होते हैं। पंजाब और दिल्ली की सीटों के साथ भी यही स्थिति है जहां सभी राज्यसभा सदस्य एक साथ सेवानिवृत्त होते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) इस स्थिति को लेकर दुविधा में है और अनुच्छेद 143 के तहत जल्द ही एक राष्ट्रपति संदर्भ (प्रेसिडेंशियल रेफरेंस) भेजा जा सकता है, जो भारत के राष्ट्रपति को कानून या सार्वजनिक महत्व के किसी महत्वपूर्ण प्रश्न को सर्वोच्च न्यायालय के पास उसकी राय के लिए भेजने की अनुमति देता है। जम्मू और कश्मीर के मामले में, रोटेशन प्रणाली से विचलन 1990 में राज्यपाल शासन लागू होने के कारण आया है, जो छह साल तक चला और इसके सभी राज्यसभा सदस्यों के समवर्ती कार्यकाल के साथ समाप्त हुआ। नवीनतम में, जम्मू कश्मीर का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी चार राज्यसभा सदस्यों ने फरवरी 2021 में अपना कार्यकाल पूरा किया। पूर्व सांसद गुलाम नबी आजाद और नजीर अहमद लावे ने 15 फरवरी, 2021 को अपना कार्यकाल पूरा किया, जबकि मीर मोहम्मद फैयाज और शमशेर सिंह मन्हास का कार्यकाल 10 फरवरी, 2021 को समाप्त हुआ।

हालांकि, इस प्रथा को अनुच्छेद 83 से विचलन के रूप में देखा जाता है, जो रोटेशन के सिद्धांत को प्रतिपादित करता है, जिसे उच्च सदन की पहचान माना जाता है, जो इसे एक स्थायी सदन बनाता है। संविधान के अनुच्छेद 83 में कहा गया है कि राज्यसभा हर पांच साल में लोकसभा की तरह भंग नहीं होगी, लेकिन उच्च सदन के एक-तिहाई सदस्य हर दो साल में सेवानिवृत्त होंगे। रोटेशन के पीछे तर्क यह सुनिश्चित करना था कि संसदीय प्रणाली में किसी कारण से लोकसभा भंग होने की स्थिति में विधायी निरंतरता का सदन होना चाहिए। यह घूर्णी सेवानिवृत्ति सिद्धांत यह भी सुनिश्चित करता है कि विभिन्न राज्यों से नई प्रतिभाएं देश के उच्च सदन में आती रहें। हालांकि, विभिन्न आवश्यकताओं के कारण राज्यसभा सदस्यों की सेवानिवृत्ति का फार्मूला प्रभावित हुआ और चुनाव आयोग रिक्त सीटों को भरने के लिए एक साथ चुनाव करा रहा था जिसके कारण यह विचलन हुआ जो अब सवालों के घेरे में है। चूंकि उच्च सदन की सीटों के अनिवार्य रोटेशन पर संवैधानिक प्रश्न अनुच्छेद 143 के तहत राष्ट्रपति के पास विचारार्थ आने की संभावना है, सूत्रों ने कहा कि चार रिक्त राज्यसभा सीटों के लिए निकट भविष्य में, कम से कम इस वर्ष, चुनाव होने की संभावना नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने सेना में जज एडवोकेट जनरल पद पर पुरुषों का आरक्षण किया रद्द

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने भारतीय सेना में जज एडवोकेट जनरल (जेएजी) के छह पद पुरुषों के लिए आरक्षित करने के प्रस्ताव को रद्द करते हुए सोमवार को कहा कि सभी अभ्यर्थियों के लिए एक संयुक्त योग्यता सूची तैयार की जाए।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने अर्शनूर कौर की याचिका पर यह आदेश पारित किया।

पीठ ने पुरुषों के लिए छह और महिलाओं के लिए तीन पद आरक्षित करने के प्रस्ताव को मनमाना करार देते हुए कहा, कार्यपालिका पुरुषों के लिए यह पद आरक्षित नहीं कर सकती। भर्ती की आड़ में इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती।

अदालत ने आगे कहा, लैंगिक तटस्थता और 2023 के नियमों का सही अर्थ यह है कि सरकार सबसे योग्य उम्मीदवारों का चयन करेगी। महिलाओं के लिए संबंधित पद को सीमित करना समानता के अधिकार का उल्लंघन है।

शीर्ष अदालत ने सरकार को निर्देश दिया कि वह सभी अभ्यार्थियों के लिए एक संयुक्त योग्यता सूची प्रकाशित करे, जिसमें पुरुष और महिला बिना किसी भेद भाव के शामिल किए जाएं।

चुनाव आयोग और 476 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों का पंजीकरण कर सकता है रद्द

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव प्रक्रिया को स्वच्छ बनाने के लिए उठाये जा रहे कदमों के तहत दूसरे चरण में ऐसे और 476 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीति दलों (आरयूपीपी) का पंजीकरण समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू की है जो नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं।

आयोग ने पहले चरण में ऐसे 334 दलों का पंजीकरण निरस्त किया है। इस कदम के बाद आरयूपीपी की सूची में पार्टियों की संख्या 2854 से घट कर 2520 रह गयी है।

आयोग ने सोमवार को एक विज्ञप्ति में कहा, दूसरे चरण में विभिन्न राज्यों के 476 आरयूपीपी की पहचान की गयी है। ऐसे किसी दल के साथ कोई अनुचित निर्णय न हो, इसके लिए आयोग ने संबंधित राज्यों एवं केंद्र शासित क्षेत्रों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) को इन दलों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये हैं। इन दलों को सीईओ को सुनवायी में अपनी बात रखने का मौका दिया जाएगा।

सीईओ की सिफारिश पर दलों के पंजीकरण समाप्त करने का फैसला आयोग लेगा।

देश में राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय और गैर-मान्यता प्राप्त (आरयूपीपी) श्रेणी में राजनीतिक दलों का पंजीकरण जन प्रनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29क के तहत किया जाता है। उन्होंने चुनाव चिह्न और कर में छुट जैसे विशेष लाभ मिलते हैं। नियमानुसार यदि कोई दल छह साल तक चुनाव न लड़े तो उसे पंजीकृत दलों की सूची से हटाया जा सकता है। पार्टियों को चुनाव आयोग के समक्ष नियमित विवरण भी प्रस्तुत करने होते है।

आयोग की ओर से दूसरे चरण में छंटनी के लिए जिन 476 दलों की पहचान की गयी है उनमें सबसे अधिक 121 दल उत्तर प्रदेश, 44 महाराष्ट्र, 42 तमिलनाडु और 41 दिल्ली के हैं।

एसबीआई ने कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत ग्रामीण शिक्षा के लिए 50 लाख का दान दिया

हैदराबाद, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत ग्रामीण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। 10 अगस्त, 2025 को एसबीआई के अध्यक्ष चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने एकलव्य ग्रामीण विकास फाउंडेशन (ईजीवीएफ) को 50 लाख का शैक्षणिक बुनियादी ढाँचा दान किया। इस सहयोग में कंप्यूटर, फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी की प्रयोगशालाओं की स्थापना शामिल है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और सशक्तिकरण को बल मिलेगा।

वर्ष 2015 में स्थापित, एकलव्य ग्रामीण विकास फाउंडेशन कृषि, जैविक खेती, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामुदायिक सशक्तिकरण के माध्यम से स्थायी ग्रामीण विकास के लिए काम करने वाला एक अग्रणी गैर-लाभकारी संगठन है।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री शेट्टी ने बताया कि जहाँ भारतीय रिजर्व बैंक बैंकों को अपने शुद्ध लाभ का 1% सीएसआर के लिए आवंटित करने का निर्देश देता है, वहीं एसबीआई इन

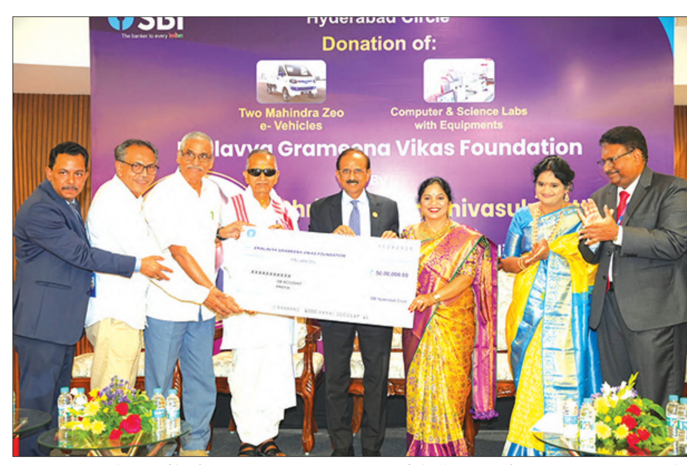

दिशानिर्देशों के आने से बहुत पहले से ही इस क्षेत्र में एक अग्रणी रहा है। उन्होंने बताया कि एसबीआई की सीए-सआर रणनीति दो-आयामी दृष्टिकोण पर काम करती है: एसबीआई फाउंडेशन और इसके 17 सर्किलों के माध्यम से।

एसबीआई फाउंडेशन के तहत, 'युवा फॉर इंडिया फेलोशिप' (वाईएफआई) जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम चलाए जाते हैं, जिसके 11वें वर्ष में प्रतिवर्ष 80 से 100 युवाओं को ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक उद्यमी के रूप में सेवा देने के लिए चुना जाता है। 'ग्राम सेवा' कार्यक्रम समग्र ग्राम विकास को बढ़ावा देता है, जबकि 'दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र' कौशल-निर्माण के माध्यम से रोजगारशुदा और बेरोजगार दोनों व्यक्तियों को सशक्त बनाता है।

अपनी सर्किलों के माध्यम से, एसबीआई स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, पर्यावरण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अखिल भारतीय सीएसआर पहल करता है।

बैंक ने कई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को गोद लिया है, स्कूलों के बुनियादी ढांचे को उन्नत किया है और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों में निवेश किया है। ये प्रयास समावेशी और स्थायी विकास के प्रति एसबीआई की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

प्रयोगशाला उपकरणों के अलावा, श्री शेट्टी ने क्षेत्र प्रशिक्षण और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए दो ई-वाहन प्रदान करने की घोषणा भी की, ताकि जैविक खेती और ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित किया जा सके। मूल्य-आधारित शिक्षा का केंद्र, सांदीपनी गुरुकुल, गिंगुर्थी (विकाराबाद) को भी विज्ञान प्रयोगशालाएं और एक -ख-सक्षम कंप्यूटर लैब स्थापित करने के लिए सहायता मिली, जिससे प्रायोगिक शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

एक भावपूर्ण पहल में, एसबीआई लेडीज क्लब की अध्यक्ष श्रीमती श्रीदेवी सूर्या ने मेदक और विकाराबाद जिलों के स्वयं सहायता समूहों को आवश्यक किराना सामान, सिलाई मशीनें और घरेलू उपकरण दान किए। ये समूह, जो ग्रामीण परिवारों और कमजोर समुदायों से बने हैं, जैविक खेती और हस्तनिर्मित साबुन, डिटर्जेंट, हर्बल उत्पादों और औषधीय वस्तुओं के उत्पादन के माध्यम से स्थायी आजीविका चला रहे हैं।

यह सीएसआर पहल भारत के सबसे बड़े बैंक और इसके सबसे प्रभावशाली जमीनी स्तर के संगठनों में से एक के बीच एक सार्थक सहयोग को चिह्नित करती है, जो एक आत्मनिर्भर और प्रबुद्ध ग्रामीण भारत की दृष्टि से एकजुट हैं।

एयर इंडिया का ऐलान : 01 सितंबर से दिल्ली वॉशिंगटन डीसी के लिए उड़ान सेवाएं बंद

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

एयर इंडिया ने सोमवार को घोषणा की है कि वह 1 सितंबर से दिल्ली और वॉशिंगटन डीसी के बीच सीधी उड़ानें अस्थायी रूप से बंद कर रहा है।

यह फैसला कुछ संचालन से जुड़ी वजहों के चलते लिया गया है ताकि एयर इंडिया अपने पूरे रूट नेटवर्क की विश्वसनीयता बनाए रख सके। यह सेवा रोकने का मुख्य कारण एयर इंडिया के बेड़े में विमान की अस्थायी कमी है। एयर इंडिया ने पिछले महीने 26 बोइंग 787-8 विमानों का रीफिटिंग (नई सजावट और सुविधाएं) कार्यक्रम शुरू किया है। इस बड़े बदलाव का मकसद यात्रियों को बेहतर अनुभव देना है, लेकिन इसके कारण कई

विमान लंबे समय तक सेवा से बाहर रहेंगे। यह प्रक्रिया 2026 के अंत तक जारी रहेगी।

इसके अलावा, पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के अब भी बंद होने से लंबी दूरी की उड़ानों का रूट लंबा और जटिल हो गया है, जिससे संचालन में और दिक्कतें आ रही हैं। जिन यात्रियों ने 1 सितंबर 2025 के बाद वॉशिंगटन डीसी के लिए एयर इंडिया से टिकट बुक किए हैं, उन्हें एयर इंडिया की तरफ से संपर्क किया जाएगा। उन्हें अन्य विकल्प दिए जाएंगे, जिसमें दूसरी उड़ानों पर बुकिंग या पूरा रिफंड जैसा ऑप्शन शामिल है।

एयर इंडिया वॉशिंगटन डीसी के लिए सीधी उड़ान बंद कर रही है, लेकिन यात्री अब भी एयर इंडिया के चार अमेरिकी गेटवे (न्यूयॉर्क, नेवार्क, शिकागो और सैन फ्रांसिस्को) से एक स्टॉप के साथ यात्रा कर सकते हैं। इन रूट्स पर एयर इंडिया की साझेदारी अलास्का एयरलाइंस, यूनाइटेड एयरलाइंस और डेल्टा एयर लाइंस के साथ है, जिससे यात्रियों को एक ही टिकट और सीधे गंतव्य तक चेक-इन बैगेज की सुविधा मिलेगी।

एयर इंडिया अब भी भारत और उत्तरी अमेरिका के छह शहरों के बीच सीधी उड़ानें जारी रखेगी, जिनमें कनाडा के टोरंटो और वैंकूवर भी शामिल हैं। एयर इंडिया ग्रुप में एयर इंडिया (फुल-सर्विस इंटरनेशनल एयरलाइन) और एयर इंडिया एक्सप्रेस (लो-कॉस्ट रीजनल एयरलाइन) शामिल हैं। इसकी शुरुआत 1932 में जेआरडी टाटा ने की थी।

लोकसभा में नया आयकर विधेयक पास

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

लोकसभा में सोमवार को विपक्षी सदस्यों द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ नारेबाजी के बीच दो प्रमुख वित्तीय विधेयक- आयकर विधेयक, 2025 और कराधान कानून (संशोधन) विधेयक, 2025- को पारित किया गया।

इन विधेयकों को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया, जिन्होंने सदन से आयकर अधिनियम, 1961 और वित्त अधिनियम, 2025 में संशोधनों पर विचार करने का आग्रह किया।

सोमवार शाम 4 बजे लोकसभा की कार्यवाही के दौरान विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच दोनों विधेयकों को ध्वनिमत से पारित किया गया।

आयकर विधेयक, 2025 छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेगा और इसमें भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली संसदीय चयन समिति की 285 से अधिक सिफारिशों को शामिल किया गया है।

संशोधित मसौदा कर भाषा को सरल करता है, कटौतियों को स्पष्ट करता है और प्रावधानों के बीच क्रॉस-रेफरेंसिंग को मजबूत करता है। खासकर यह मकान संपत्ति से आय के आसपास की अस्पष्टताओं को स्पष्ट करता है, जिसमें मानक कटौती और होम लोन पर प्री-कंस्ट्रक्शन ब्याज शामिल हैं।

विधेयक में 'पूंजीगत संपत्ति', 'लघु और छोटे उद्यम' और 'लाभार्थी स्वामी' जैसे शब्दों की स्पष्ट परिभाषाएं दी गई हैं। साथ ही पेंशन योगदान और वैज्ञानिक अनुसंधान व्यय के लिए कर उपचार को संरेखित किया गया है। यह 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगा।

साथ ही, कराधान कानून (संशोधन) विधेयक, 2025 लक्षित सुधारों को प्रस्तुत करता है। यह एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के ग्राहकों को कर छूट का विस्तार करता है, इसे राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के लाभों के साथ संरेखित करता है।

यह भारत में निवेश करने वाले सऊदी अरब के पब्लिक इनवेस्टमेंट फंड और इसकी सहायक कंपनियों को आयकर अधिनियम की धारा 10 (23एफई) के तहत प्रत्यक्ष कर राहत भी प्रदान करता है।

इसके अलावा, विधेयक में आयकर खोज मामलों में ब्लॉक असेसमेंट से जुड़ी प्रक्रियाओं को और स्पष्ट किया गया है। इसका मकसद यह है कि जब तलाशी अभियान चल रहा हो, उस समय चल रहे असेसमेंट और री-असेसमेंट (पुनर्मूल्यांकन) के मामलों को ठीक तरीके से और आसान तरीके से निपटाया जा सके। इन विधायी महत्व के बावजूद सत्र विपक्ष के उन विरोध प्रदर्शनों से प्रभावित रहा (जो एसआईआर प्रक्रिया को वापस लेने की मांग कर रहे थे)। उनका दावा है कि यह मतदाता अखंडता से समझौता करता है।

अध्यक्ष ने सदन को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया। इन विधेयकों का पारित होना सरकार की भारत के कर ढांचे को आधुनिक बनाने की मंशा को दर्शाता है, जो एक राजनीतिक रूप से तनावपूर्ण मॉनसून सत्र के बीच हो रहा है।

नेपाल से पानी छोड़े जाने के बाद सीतामढ़ी में हाहाकार, सड़क टूटी, गांवों में कैद लोग

सीतामढ़ी, 11 अगस्त (एजेंसियां)। सीतामढ़ी जिले के सुरसंड प्रखंड के भिट्ठा गांव के पास सोमवार शाम बाढ़ का कहर टूट पड़ा। नेपाल से छोड़े गए पानी और रातों नदी के तेज बहाव के कारण दिवारी मतौना मुख्य सड़क का सीमियाही गांव के समीप लगभग 25 फीट लंबा हिस्सा बह गया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी यह सड़क भिट्ठा, सीमियाही, दिवारी मतौना समेत आसपास के कई गांवों को जोड़ती थी। सड़क टूटने से चार से पांच गांवों का संपर्क पूरी तरह कट गया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, सोमवार शाम करीब 5 बजे नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। तेज बहाव ने सड़क किनारे की मिट्टी काटनी शुरू की और कुछ ही घंटों में सड़क का बड़ा हिस्सा नदी में समा गया। इससे न केवल संपर्क मार्ग बाधित हुआ, बल्कि आसपास के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी भरने लगा।

करीब 200 घर पानी से घिर गए हैं, जबकि दर्जनों घरों में पानी घुस चुका है। लोग ऊंचे स्थानों पर शरण लेने को मजबूर हैं। कई ग्रामीण नाव और ट्रैक्टर की मदद से सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं। बाढ़ में डूबने से खेतों की फसलें भी बर्बाद हो रही हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि नेपाल से अचानक पानी छोड़े जाने की कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई। यदि समय पर चेतावनी मिलती तो लोग पहले ही सुरक्षित स्थानों पर चले जाते।

इस बीच, प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा ले रही है और राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

सड़क टूटने से न केवल आम लोगों की आवाजाही बंद हो गई है, बल्कि आवश्यक सेवाएं, राशन और दवाइयों की आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है।

ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द से जल्द अस्थायी पुल या वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जाए, ताकि संपर्क बहाल हो और राहत सामग्री पहुंच सके।

6 लाख से अधिक बाढ़ पीड़ितों को योगी सरकार ने दी राहत

बारिश से प्रभावित हैं 36 जिलों के 1,877 गांव

लखनऊ, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर लगातार मंत्री बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं। सीएम योगी के आधा दर्जन मंत्रियों ने विभिन्न जिलों में बाढ़ प्रभावित इलाकों को दौरा किया। इन्होंने उन्होंने राहत सामग्री वितरित करने के साथ पीड़ितों को कुशलक्षेम भी जाना।

राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 36 जिलों की 92 तहसीलें और 1877 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इन इलाकों में बाढ़ से 6,42,913 लोग प्रभावित हैं, जिन्हें राहत पहुंचायी गयी।

वहीं बाढ़ की वजह से 84,700 मवेशियों को सुरक्षा स्थान पर शिफ्ट किया गया है। बाढ़ की चपेट में आने से अब तक 573 लोगों के मकानों

को क्षति पहुंची है, जिनमें से 465 लोगों को सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है।

वहीं प्रदेश में 61,852 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल बाढ़ की चपेट में आया है। इन प्रभावित क्षेत्रों में 2,610 नावों और मोटरबोट्स की सहायता से राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। इन इलाकों में अब तक 67,169 खाद्यान्न पैकेट और 7,99,734 लंच पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। वर्तमान में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ... लंगर के जरिये पीड़ितों को भोजन की सुविधा दी जा रही है।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में पीड़ितों के साथ मवेशियों की सुरक्षा और उनके खाने-पीने का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। अब तक मवेशियों के लिए 11,640 कुंतल भूसा वितरित जा चुका है।

इसके अलावा 5,83,758 क्लोरीन टेबलेट और 2,88,860 ओआरएस पैकेट भी वितरित किए जा चुके हैं ताकि जलजनित बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सके। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कुल 475 बाढ़ शरणालय सक्रिय हैं, जहां 65,437 लोग अस्थायी रूप से निवास कर रहे हैं।

इन सभी का 1,124 मेडिकल टीमों द्वारा मेडिकल चेकअप किया जा रहा है। इसके साथ ही 1,517 बाढ़ चौकियों की स्थापना की गई है, जो प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर निगरानी रख रही हैं।

वर्तमान में प्रदेश के 36 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें अयोध्या, बहराइच, बाराबंकी, बस्ती, कासगंज, हरदोई, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, शा-हजहांपुर, भदोही, श्रावस्ती, उन्नाव, फर्रुखाबाद, मेरठ, हापुड़, गोरखपुर, गोंडा, बिजनौर, बदायूं, कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, आगरा, औरैया, चित्रकूट, बलिया, बांदा, गाजीपुर, मिर्जापुर, प्रयागराज, वाराणसी, चंदौली, जालौन, कानपुर देहात, हमीरपुर, इटावा और फतेहपुर शामिल हैं। इन सभी जिलों में राहत कार्य तेजी से चल रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बाढ़ प्रभावित इलाकों में मंत्री लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। प्रदेश सरकार के मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने वाराणसी के कोटवां कपिलधारा में बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री वितरित की। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने सिकरौल वार्ड में बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री उपलब्ध कराई। इसी तरह मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने गोंडा और बहराइच के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

गोंडा में दौरे के दौरान विधायक तरबगंज प्रेम नारायण पांडेय मौजूद थे। मंत्री ने तहसील तरबगंज के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र ऐलीपरसौली में बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों को बाढ़ राहत सामग्री किट का वितरण किया। मंत्री रामकेश निषाद ने फतेहपुर में ललौली इंटर कॉलेज के बाढ़ राहत शिविर का दौरा किया और लोगों को बाढ़ राहत सामग्री का वितरण किया।

प्रयागराज में मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी ने ब्वॉयज हाईस्कूल पहुंचकर बाढ़ प्रभावित लोगों को बाढ़ राहत किट का वितरण किया। मंत्री दयाशंकर सिंह ने बलिया के टाउन हॉल परिसर में बाढ़ से प्रभावित लोगों को राशन किट वितरित किया।

संदिग्ध तरीके से भारत में प्रवेश कर रहा चीनी नागरिक गिरफ्तार

महराजगंज, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भारत नेपाल सीमा सोनौली बॉर्डर के दो नम्बर गली के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर रहे चीन के नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। सोनौली सीमा की पगडंडियों पर एसएसबी 22वीं वाहिनी के जवान रुटीन गश्त पर थे। इस दौरान चीन के नागरिक ने दो नम्बर गली के रास्ते भारत में अवैध रूप से घुसपैठ की कोशिश की।

संदेह होने पर जवानों ने रोक कर आईडी की मांग की तो उसने चाइना का पासपोर्ट दिखाया। चीनी नागरिक की पुष्टि होने के बाद जवानों ने उसे पकड़ लिया और पूछताछ शुरू कर दी। पूछताछ में उसने अपना नाम जहांग योंग, उम्र 62 वर्ष, निवासी शांक्सी चीन बताया। जब अधिकारियों ने उसके पासपोर्ट की जांच की तो उसका पासपोर्ट 15 नवंबर2024 को जारी हुआ था। समाप्ति 14 नवंबर 2034 को है। नेपाली टूरिस्ट वीजा 25 जुलाई 2025 को समाप्त हो गया है। भारतीय वीजा नहीं मिला। पता चला कि वह तीन चार दिनों से लुम्बिनी मंदिर में रुका था और गलत तरीके से भारत में प्रवेश कर रहा था। कोतवाल अजित प्रताप सिंह ने बताया कि पकड़े गए चीन के नागरिक के खिलाफ केस दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है ।

रक्षाबंधन पर बना रिकॉर्ड, 2 दिन में 50 लाख यात्रियों ने की बस यात्रा

लाखों बहनों ने उठाया निशुल्क यात्रा का लाभ

लखनऊ, 11 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं के लिए शुरू की गई निःशुल्क बस यात्रा योजना ने इस बार यात्री संख्या के नए कीर्तिमान बनाए। तीन दिनों तक चलने वाली इस सुविधा को देखते हुए रात 12 बजे तक इसके 75 लाख यात्रियों का रिकॉर्ड बनाने की संभावना है। परिवहन निगम के अनुसार इसमें 70 प्रतिशत तक वह यात्री हो सकते हैं, जिन्हें सरकार की ओर से निशुल्क यात्रा का लाभ दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार ने रक्षाबंधन के पर्व पर प्रदेश की माताओं और बहनों को बड़ी सौगात देते हुए 8 से 10 अगस्त

तक परिवहन निगम की बसों में निशुल्क यात्रा का तोहफा दिया है। इसमें महिलाओं के साथ एक सहयात्री को भी यह सुविधा दी जा रही है।

परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर के अनुसार सामान्य दिनों में निगम की बसों में प्रतिदिन 14-15 लाख यात्री सफर करते हैं, लेकिन इस बार रक्षाबंधन पर्व के शुरुआती दो दिनों में ही यह आंकड़ा 50 लाख से अधिक पहुंच गया। इनमें लगभग 70 प्रतिशत महिला यात्री थीं, जिन्होंने मुख्यमंत्री योगी की ओर से दिए गए 66 घंटे के सम्मान के तोहफे का लाभ लिया। एमडी सरवर ने बताया कि 8 अगस्त की सुबह 6 बजे से ही बस अड्डों पर यात्रियों की भारी भीड़ रही। पहले दिन यानी 8 अगस्त को 19.5 लाख से ज्यादा लोगों ने यात्रा की, जो सामान्य दिनों की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक था। रक्षाबंधन के दिन 9 अगस्त को तो यह संख्या 31.7 लाख के पार पहुंच गई, जो सामान्य दिनों की तुलना में 210 प्रतिशत से अधिक रही। तीसरे दिन 10 अगस्त को दोपहर 12.50 बजे तक ही 13 लाख यात्री सफर कर चुके थे और रात 12 बजे तक यह संख्या 25 लाख तक पहुंचने का अनुमान है। इस तरह तीन दिनों में 75 लाख से अधिक लोग बसों में यात्रा करेंगे, जो परिवहन निगम के इतिहास में अभूतपूर्व संख्या है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस बार 8 अगस्त सुबह 6 बजे से 10 अगस्त मध्य रात्रि 12 बजे तक महिलाओं और बेटियों के लिए सभी श्रेणी की रोडवेज बसों में निःशुल्क यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस अवधि में जरूरत के अनुसार अतिरिक्त बसें चलाई गईं और समस्त अनुबंधित बसों को भी संचालन में लगाया गया। प्रमुख बस स्टेशनों गाजियाबाद, मुरादाबाद, मेरठ, बरेली, लखनऊ, सहारनपुर, आगरा, अलीगढ़, कानपुर एवं इटावा में यात्रियों की अधिक संख्या को देखते हुए विशेष ड्यूटी और अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की गई। उन्होंने यह भी बताया कि चालक-परिचालकों को प्रोत्साहन राशि देने की योजना लागू की गई है, जिसमें 1800 किलोमीटर संचालन पूर्ण करने पर 1200 का भुगतान और 6 दिनों तक लगातार कार्य करने पर अतिरिक्त 0.55 प्रति किलोमीटर दिया जाएगा। वहीं तकनीकी कर्मचारियों को भी प्रतिदिन उपस्थित रहने पर एकमुश्त 500 की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। संचालन व्यवस्था बेहतर बनाए रखने वाले कार्मिकों और पर्यवेक्षकों को भी 5000 प्रति स्टेशन के हिसाब से सम्मानित किया जाएगा।

आठ जिलों में सूखा, 21 जिलों में सामान्य से कम बारिश

लखनऊ, 11 अगस्त (एजेंसियां)। पूरे प्रदेश में मानसूनी बारिश हो रही है लेकिन प्रदेश के आठ जिले ऐसे हैं जहां सूखे जैसे हालात हैं।

वहीं 21 जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है। प्रदेश के 30 जिलों में भरपूर बारिश हुई, लेकिन 21 जिलों में सामान्य से कम बारिश है। इसमें आठ जिलों की स्थिति बेहद खराब हैं। यहां 40 फीसदी से कम बारिश हुई है। यहां खेती को लेकर अलग से कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश में सप्ताह भर से बारिश का दौर चल रहा है। ज्यादातर नदियां उफान पर हैं। कई जिलों में जलभराव मुसीबत बनी हुई, लेकिन 21में अभी भी सामान्य से कम बारिश हुई है। इसमें आठ जिलों की स्थिति खेती के लिहाज से संवेदनशील मानी गई है।

इसमें देवरिया में सामान्य 443 मिलीमीटर की अपेक्षा अभी तक सिर्फ 51.7 मिलीमीटर बारिश हुई है।

इसी तरह गौतमबुद्ध नगर में 67.2, गाजियाबाद में 92.6, शामली में 102.7, कुशीनगर में 194, पीलीभीत में 223.6, संत कबीर नगर में 279.5 और मऊ में 237.5 मिलीमीटर बारिश हुई है।

इन आठों अत्यधिक कम और अल्प बारिश वाले जिलों में कृषि विभाग को आकस्मिक प्लान बनाकर फसलों के क्षेत्र आच्छादन (खेती) के लिए योजना बनाने का निर्देश दिया गया है।

इसके तहत इन जिलों में धान, मक्का के बजाय बिना बारिश वाली फसलें उठाने की सलाह दी गई है। कृषि विभाग यहां निशुल्क बीज वितरण का कोटा बढ़ा दिया है।

तोरिया का बीज निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

सामान्य से ज्यादा बारिश वाले 30 जिलों में महोबा, ललितपुर, बाँदा. हमीरपुर, एटा, फिरोजाबाद, चित्रकूट, सम्भल मुजफ्फर नगर, जालौन, आगरा, औरैया, मेरठ, झांसी, कासगंज, सोनभद्र, हाथरस, इटावा, मथुरा, सहारनपुर, वाराणसी, कानपुर नगर, प्रयागराज, कन्नौज प्रतापगढ़, बिजनौर, मुरादाबाद, अयोध्या, बाराबंकी, और बलरामपुर शामिल हैं।

सामान्य बारिश वाले 24 जिलों में अलीगढ़, मैनपुरी, मिर्जापुर, कौशाम्बी बुलंदशहर, रामपुर, उन्नाव, सुल्तानपुर, बरेली, बागपत, गाजीपुर, फर्रुखाबाद, लखीमपुर खीरी, लखनऊ, हरदोई, बदायूं, अमरोहा, फतेहपुर, रायबरेली, अमेठी, भदोही, गोंडा, बहराइच और शाहजहांपुर हैं।

सामान्य से कम बारिश वाले 13 जिलों में कानपुर देहात, बलिया, श्रावस्ती चंदौली, बस्ती, सिद्धार्थ नगर, हापुड़, महराजगंज, सीतापुर, आजमगढ़, जौनपुर, अंबेडकर नगर और गोरखपुर शामिल हैं। अत्यधिक कम बारिश वाले चार जिलों में मऊ, संत कबीर नगर, कुशीनगर और पीलीभीत शामिल हैं। अल्प बारिश वाले चार जिलों में गाजियाबाद, शामली, गौतमबुद्ध नगर और देवरिया शामिल हैं।

बाढ़ से प्रभावित जिलों में अयोध्या, बहराइच, बाराबंकी, बस्ती, कासगंज, हरदोई, मुरादाबाद, मुजफ्फनगर, शा-हजहांपुर, भदोही, श्रावस्ती, उन्नाव, फर्रुखाबाद, मेरठ, हापुड़, गोरखपुर, गोंडा, बिजनौर, बदायूं, कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, आगरा, औरैया, चित्रकूट, बलिया, बांदा, ग़ाज़ीपुर, मीरजापुर, प्रयागराज, वाराणसी, चंदौली, जालौन, कानपुर देहात, हमीरपुर, इटावा और फतेहपुर शामिल हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य को थप्पड़ मारने वाले को मिला 11 लाख का चेक

रायबरेली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। सारस तिराहे पर बीते बुधवार को स्वागत के दौरान पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य को थप्पड़ रसीद करने वाले युवक रोहित द्विवेदी को जमानत मिल गई है। समाजसेवी आशीष तिवारी ने रोहित द्विवेदी को 11 लाख रुपए का चेक दिया गया। रोहित ने बताया था कि स्वामी प्रसाद मौर्य निजी हित के लिए सनातन पर अभद्र टिप्पणी कर रहे थे और उन्होंने रामचरित मानस भी फाड़ा। इससे नाराज होकर उसने पूर्व मंत्री को थप्पड़ जड़ा था।

नोएडा में फर्जी पुलिस दफ्तर का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

नोएडा, 11 अगस्त (एजेंसियां)। नोएडा के सेक्टर-70 में फर्जी पुलिस का कार्यालय पकड़ा गया। इसमें हूबहू पुलिस दफ्तरों की तरह बोर्ड लगा था। उस पर इंटरनेशनल पुलिस एंड क्राइम इंवेस्टीगेशन ब्यूरो लिखा था। पुलिस ने मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पकड़े गए लोग बताते हैं कि उनका ऑफिस यूके में भी है। वे लोकसेवक की तरह व्यवहार करते थे। वेबसाइट के जरिए लोगों से डोनेशन के रूप में पैसा ले रहे थे। पुलिस के मुताबिक, यह कार्यालय आम जनता को गुमराह कर ठगी के लिए खोला गया था। ठगी का जाल बिछा पाते इससे पहले पुलिस ने इन्हें पकड़ लिया। आरोपी खुद को इंटरपोल और आईबी से जुड़ा भी बताते थे। सेंट्रल जोन पुलिस ने इनके नेटवर्क और वित्तीय लेनदेन की जांच शुरू कर दी है।

डीसीपी सेंट्रल शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि सभी आरोपी पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। वीरभूम के विभाष, अराग्य अधिकारी, समापदमल, पिंटूपाल, 24 परगना के बाबुल चंद्र मंडल और कोलकाता के अशीष कुमार ने चार जून को यहां जगह किराए पर लेकर रेंट एग्रीमेंट कराया था। ये 8-10 दिन से बोर्ड

लगाकर कार्यालय चला रहे थे। पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पुलिस का काम कराने और खुद को पुलिस के समकक्ष संस्था में लोकसेवक होने की भ्रामक जानकारी रहे थे। इनमें से एक एलएलबी, एक स्नातक, चार 12वीं पास हैं। जनजातीय कार्य मंत्रालय, मिनिस्ट्री ऑफ आयुष एंड मिनिस्ट्री ऑफ सोशल जस्टिस एंड एंपावरमेंट के दस्तावेज मिले।

फेज-3 पुलिस की कार्रवाई में आरोपियों से जनजातीय कार्य मंत्रालय, मिनिस्ट्री ऑफ आयुष एंड मिनिस्ट्री ऑफ सोशल जस्टिस एंड एंपावरमेंट समेत कई मंत्रालय के फर्जी दस्तावेज, प्रेस, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग समेत कई संस्थाओं के नौ आईडी कार्ड, नौ मोबाइल, 17 स्टांप मोहर, छह चेकबुक, पैन कार्ड, वोटर कार्ड, 6 डेबिट कार्ड, तीन प्रकार के विजिटिंग कार्ड, चार इंटरनेशनल पुलिस एंड क्राइम इंवेस्टीगेशन ब्यूरो लिखे बोर्ड, 42,300 रुपए और अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी पहले पश्चिम बंगाल में भी ऐसा ऑफिस चला चुके हैं। इनका क्राइम रिकॉर्ड भी पुलिस खंगाल रही है। संदिग्ध कार्यशैली को लेकर कमिश्नरेट पुलिस के साथ एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। आरोपियों के चार बैंक खातों का विवरण निकाला जा रहा है। पुलिस का दावा है कि आरोपी अपनी संस्था को अंतरराष्ट्रीय श्रेणी का बताने के लिए इंटरपोल, इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन और इयूरेसिया पोल से संबंध बताते थे। अपनी वेबसाइट के जरिए लोगों से डोनेशन के रूप में पैसा भी लेते थे। इस वेबसाइट पर कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रमाण पत्र भी दिखाई देते हैं।

संपादकीय

किसान, कृषि 'सुप्रीम' है

प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा है कि भारत अपने किसानों, डेयरीवालों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों से कभी भी समझौता नहीं करेगा। टैरिफ वॉर के दौरान प्रधानमंत्री का अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप को यह स्पष्ट संदेश है। बेशक टैरिफ के इस मजाक के कारण भारत के निर्यातकों को नुकसान हो सकता है। उनके लिए भी सरकार पैकेज देने और नये देशों के रास्ते तलाशने का काम कर रही है। दरअसल अमरीका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों पर शुल्क कम करने के साथ-साथ अपने डेयरी उत्पादों को भारतीय बाजार में बेचने की मांग कर रहा है, लेकिन भारत ने लगातार इंकार किया है, क्योंकि इनका सीधा असर किसानों पर पड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी इस कड़े रुख के लिए व्यक्तिगत रूप से भी भारी कीमत चुकाने को तैयार हैं। वह 'कीमत' क्या हो सकती है? क्या वह अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं? जो नया प्रधानमंत्री आएगा, क्या वह इन अमरीकी मांगों पर समझौता कर सकता है?

> भारत की 42 फीसदी आबादी खेती पर आश्रित है और 46 फीसदी कामगारों को रोजगार हासिल है। कुछ अंचल ऐसे हैं, जहां यह औसत 60 फीसदी से अधिक है। हालांकि जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान 20 फीसदी से भी कम है। भारत में ज्यादातर किसान छोटे और गरीब हैं। नाबार्ड की हालिया रपट बताती है कि खेतिहार परिवार की औसत आय 13,661 रुपए प्रति माह है। खेती से असल आय 4476 रुपए है। शेष आय मजदूरी जैसे अन्य कामों से ही नसीब हो पाती है। अमरीका की अत्यधिक और उच्च स्तर की मशीनीकृत खेती के सामने हमारे छोटे, गरीब किसान कहां ठहर सकते हैं। मोदी सरकार की यही सोच और दृष्टि रही है और हमारे वाणिज्य–उद्योग मंत्रालयों के वार्ताकार साफ इंकार करते रहे हैं कि कृषि को अमरीका के लिए बिलकुल भी नहीं खोला जा सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने भी बार–बार कहा है कि हमारे लिए हमारे किसानों का कल्याण ही 'सुप्रीम' है। हम इस मुद्दे पर सहमत नहीं हो सकते। दरअसल यह ऐसा समय है, जब भारत में किसानों का कल्याण 'संरक्षणवाद' के परे भी होना चाहिए। सवाल उठाए जा सकते हैं कि प्रधानमंत्री किसानों की आय दोगुनी नहीं कर सके। अधिकतर किसान कर्जदार हैं।

बेशक भारत ने उचित और तार्किक कदम उठाया है कि अमरीका के लिए कृषि, डेयरी, मछली आदि उद्योगों के बाजार नहीं खोले। भारत लगातार इंकार करता रहा है। यही बुनियादी कारण है कि दोनों देशों के बीच व्यापार-समझौते की बात भी रुक गई है। अमरीका से जिस वार्ताकार टीम का 25 अगस्त को भारत आना तय था, अब वह भी नहीं आएगी। भारत की 42 फीसदी आबादी खेती पर आश्रित है और 46 फीसदी कामगारों को रोजगार हासिल है। कुछ अंचल ऐसे हैं, जहां यह औसत 60 फीसदी से अधिक है। हालांकि जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान 20 फीसदी से भी कम है। भारत में ज्यादातर किसान छोटे और गरीब हैं। नाबार्ड की हालिया रपट बताती है कि खेतिहार परिवार की औसत आय 13,661 रुपए प्रति माह है। खेती से असल आय 4476 रुपए है। शेष आय मजदूरी जैसे अन्य कामों से ही नसीब हो पाती है। अमरीका की अत्यधिक और उच्च स्तर की मशीनीकृत खेती के सामने हमारे छोटे, गरीब किसान कहां ठहर सकते हैं। मोदी सरकार की यही सोच और दृष्टि रही है और हमारे वाणिज्य-उद्योग मंत्रालयों के वार्ताकार साफ इंकार करते रहे हैं कि कृषि को अमरीका के लिए बिलकुल भी नहीं खोला जा सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने भी बार-बार कहा है कि हमारे लिए हमारे किसानों का कल्याण ही 'सुप्रीम' है। हम इस मुद्दे पर सहमत नहीं हो सकते। दरअसल यह ऐसा समय है, जब भारत में किसानों का कल्याण 'संरक्षणवाद' के परे भी होना चाहिए। सवाल उठाए जा सकते हैं कि प्रधानमंत्री किसानों की आय दोगुनी नहीं कर सके। अधिकतर किसान कर्जदार हैं। यह बेहद संवेदनशील और गंभीर सवाल है कि भारत सरकार और कई राज्य सरकारों ने किसानों के कर्ज माफ करने की घोषणाएं की हैं। यदि कर्ज माफ किए जाते रहे हैं, तो किसान कर्जदार क्यों है? बेशक अमरीका के साथ हमारा व्यापारिक मुद्दा है, लिहाजा उनका पक्ष मजबूती से लिया जाना चाहिए। अमरीका की मात्र 2 फीसदी आबादी ही खेतिहर है। जर्मनी, ब्रिटेन में मात्र 1 फीसदी और जापान में मात्र 3 फीसदी आबादी ही कृषि के भरोसे है। 1991 में चीन की 60 फीसदी और भारत की 63 फीसदी आबादी कृषि पर आश्रित थी, लेकिन चीन इसे नीचे ले आया और अब 22 फीसदी आबादी खेतिहर है, लेकिन भारत अब भी अफगानिस्तान (45 फीसदी), उत्तरी कोरिया (47 फीसदी) और म्यांमार (45 फीसदी) की जमात में शामिल है। भारत में खेती करना अब गरिमा का पेशा कम होता जा रहा है, खेती से ही गुजर-बसर होना कठिन है। चूंकि जनसंख्या बढ़ती जा रही है, लिहाजा प्रति व्यक्ति खंडित ज़मीन ही हिस्से में आती है। 1971 में खेत का साइज औसतन 2.28 हेक्टेयर होता था, लेकिन 2021 तक वह घटकर 0.74 हेक्टेयर हो गया है। फिर भी भारत के हिस्से के कारोबार और हितों को बचाना जरूरी है। फिलहाल भारत सरकार उसी पर अडिग है।

अमृत कलश

व्यक्तित्व

व्यक्तित्व का परिष्कार ही प्रतिभा परिष्कार है। धातुओं की खदानें जहां भी होती हैं उस क्षेत्र के वही धातु कण मिट्टी में दबे होते हुए भी उसी दिशा में रेंगते और खदान के चुम्बकीय आकर्षणों से आकषत होकर पूर्व संचित खदान का भार कलेवर और गौरव बढ़ाने लगते हैं। व्यक्तित्ववान अनेकों का स्नेह सहयोग परामर्श एवं उपयोगी सान्निध्य प्राप्त करते चले जाते हैं। कहा जा सकता है कि यह निजी पुरु षार्थ है। अन्य सुविधा–साधन तो दूसरों की अनुकम्पा भी उपलब्ध करा सकती है; किन्तु प्रतिभा का परिष्कार करने में अपना संकल्प अपना समय और अपना पुरु षार्थ ही काम आता है। और ऐसे पौरुष के धनी ऐसे विरले कार्य कर गुजरते हैं जिन्हें देख कर तमाम लोग चकित रह जाते हैं। इसलिए जरूरी है कि इस प्रकार के पौरुष में कोई लापरवाही न बरती जाए। गीताकार ने भी अनेक प्रसंगों पर विचारशीलों को प्रोत्साहित किया है। एक स्थान पर कहा गया है कि मनुष्य स्वयं ही अपना शत्रु और स्वयं ही अपना मित्र है। इसलिए अपने को उठाओ गिराओ मत। पानी में बबूले अपने भीतर हवा भरने पर उभरते और उछलते हैं; पर जब उनका अन्तर खोखला ही हो जाता है तो उनके विलीन होने में भी देर नहीं लगती। अन्दर जीवट का बाहुल्य हो तो बाहर का लिफाफा आकर्षक या अनाकर्षक कैसा भी हो सकता है।

किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ भारत कभी समझौता नहीं करेगा

अमेरिकी दादागिरी पर मोदी की ललकार

ललित गर्ग

> भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोलने के दबाव कभी नहीं आयेगा क्योंकि भारत के लिये यह एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा है। इस समारोह में मोदी ने जो शब्द कहे, वे केवल एक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि नये भारत, सशक्त भारत की एक स्पष्ट नीति का घोषणा पत्र है, भारत की नई कृषि रणनीति, आत्मनिर्भरता की भावना और अमेरिकी टैरिफ की दादागिरी को खुली चुनौती है। भारत अब पीछे हटने वाला नहीं है और दुनिया की कोई भी ताकत उसे नुकसान नहीं पहुंचा सकती।

देश के अग्रणी कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि-क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ललकारभरे शब्दों में अमेरिकी टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा, भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत का द्योतक है। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ को भारत ने अनुचित एवं दुर्भावनापूर्ण बताया है। भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोलने के दबाव कभी नहीं आयेगा क्योंकि भारत के लिये यह एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा है। इस समारोह में मोदी ने जो शब्द कहे, वे केवल एक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि नये भारत, सशक्त भारत की एक स्पष्ट नीति का घोषणा पत्र है, भारत की नई कृषि रणनीति, आत्मनिर्भरता की भावना और अमेरिकी टैरिफ की दादागिरी को खुली चुनौती है। भारत अब पीछे हटने वाला नहीं है और दुनिया की कोई भी ताकत उसे नुकसान नहीं पहुंचा सकती। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी टैरिफ पर पहली बार प्रतिक्रिया दी, और अमेरिका या डॉनल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर कहा कि किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ भारत कभी समझौता नहीं करेगा। भारत ने इससे पहले ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को अनुचित, अन्यायपूर्ण और तर्कहीन बताया था। यह विडम्बनापूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण है कि ट्रंप बातें रूस की कर रहे हैं, लेकिन यह समझना आसान है कि उनकी निराशा के मूल में भारत के साथ अटकी कृषि ट्रेड डील भी है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेयरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपना बाजार खोले। लेकिन देश की बड़ी आबादी खेती पर आश्रित है और किसान आर्थिक रूप से सशक्त नहीं हैं। इसलिये वे सब्सिडाइज्ड अमेरिकी प्रॉडक्ट्स से होड़ नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण के जरिये भारत का यही पक्ष एवं किसानों की चिन्ता को रखा है। लेकिन ट्रंप इस चिंता को शायद ही समझें, क्योंकि अब ऐसा लग रहा है कि अपनी हर नाकामी का ठीकरा फोड़ने के लिए उन्हें कोई देश चाहिए। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी का दबाव व यूक्रेन युद्ध न रुकवा पाने

की हताशा ट्रंप के फैसलों में बौखलाहट के रूप में झलक रही है। पहले उन्होंने चीन पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जब वहां से 'रेयर अर्थ मिनरल्स' के रूप में झटका लगा, तो भारत और रूस से अपनी बात मनवाना चाहते हैं। हाल ही में अमेरिका द्वारा भारतीय कृषि उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा को प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल अनुचित और एकतरफा करार दिया, बल्कि यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब वैश्विक मंच पर दबाव में आने वाला नहीं है। अमेरिका की यह टैरिफ नीति, डब्ल्यूटीओ के सिद्धांतों के विरुद्ध और विकासशील देशों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार का प्रतीक है। भारत पर विशेषकर चावल, गेहूं, दलहन, और मसालों के निर्यात में टैरिफ लगाना सीधे-सीधे भारतीय किसानों की आय पर प्रहार है। ऐसे समय में जब भारत कृषि निर्यात को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहा है, अमेरिका की यह नीति दादागिरीपूर्ण व्यापारवाद का उदाहरण है। भले ही ट्रंप की टैरिफ पैंतरों ने दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी हो, लेकिन भारत ऐसी चुनौतियों के सामने झुकने वाला नहीं है। भारत अब केवल अमेरिका या यूरोप पर निर्भर नहीं रहना चाहता। अफ्रीका, खाड़ी देशों, दक्षिण एशिया और पूर्वी एशियाई देशों के साथ द्विपक्षीय कृषि व्यापार समझौते तेजी से किए जा रहे हैं। स्थानीय उत्पादन का प्रोत्साहन, 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' के तहत कृषि प्रसंस्करण इकाइयों को बल दिया जा रहा है, जिससे निर्यात योग्य उत्पादों का मूल्यवर्धन हो सके। डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन, तकनीक के माध्यम से किसानों को वैश्विक बाजार की जानकारी, टैरिफ डाटा और निर्यात संभावनाओं से जोड़कर किसानों की ताकत को बढ़ाया जा रहा है। भारत टैरिफ के जवाब में टैरिफ की राह पर बढ़ते हुए यदि आवश्यकता पड़ी, तो प्रतिस्पर्धी टैरिफ नीति के तहत अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने से नहीं हिचकिचाएगा। भारत डब्ल्यूटीओ और जी20 आदि मंचों पर आक्रामक कूटनीति का सहारे लेकर अब विकासशील देशों की आवाज बनकर, अमेरिका की एकतरफा नीतियों का जवाब दे रहा है। देश को धीरे-धीरे समझ आने लगा है कि भारतीय कृषि व डेरी क्षेत्र में अमेरिकी उत्पाद खपाने के लिये ही डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ आंतक फैला रहे हैं। यही वजह है कि पहले संयम दिखाने के बाद भारत ने निरंकुश ट्रंप सरकार को चेता दिया है कि भारतीय किसानों व दुग्ध उत्पादकों के हितों की बलि नहीं दी जा सकती। हमारे लिये यह देश की एक बड़ी कृषि व डेरी उद्योग से जुड़ी आबादी के जीवन-यापन का भी प्रश्न है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि भारत वाशिंगटन के उन मंसूबों पर पानी फेरने के लिये खड़ा हो गया है, जिनके तहत अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों से कम टैरिफ के साथ भारत के बाजार को पाटना चाहता है। निस्संदेह, भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, डेरी फार्मिंग और मत्स्य पालन से जुड़े करोड़ों लोगों की अजीविका की रक्षा करने के लिये प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता सराहनीय है। एम.एस. स्वामीनाथन का नाम आते ही भारतीय कृषि का वह स्वर्णिम अध्याय सामने आता है, जब देश अन्न के लिए विदेशों पर आश्रित था और अकाल एक आम त्रासदी हुआ करती थी। 1960 के दशक में स्वामीनाथन ने नॉर्मन बोरलॉग के साथ मिलकर उच्च उपज वाली किस्मों (एचवाईवी), उर्वरकों और सिंचाई तकनीक का ऐसा संगम किया जिसने भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना दिया। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शुरू हुई हरित क्रांति ने न केवल खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि भारत की कृषि पहचान को वैश्विक पटल पर स्थापित किया। उनकी रिपोर्टें, विशेष रूप से स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें, आज भी किसानों की आय दोगुनी करने और उन्हें बाजार से न्याय दिलाने की कुंजी मानी जाती हैं। उन्होंने 'किसान केंद्रित कृषि नीति' का विचार दिया, जिसमें किसानों को केवल उत्पादनकर्ता नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माता माना गया। मोदी इसी नीति को आगे बढ़ाते हुए न केवल किसानों के हितों के साथ रहे हैं, बल्कि भारतीय कृषि को नये भारत का आधार बनाने के लिये संकल्पबद्ध है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय राजनीति में किसान उत्पादक व उपभोक्ता से इतर बड़ा राजनीतिक घटक भी है। ऐसे में जाहिर है कि प्रधानमंत्री मोदी कृषक समुदाय को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी का जोर अब 'अन्नदाता को ऊर्जादाता' बनाने पर है। इसके लिए कृषि के तीन प्रमुख मोर्चों पर काम हो रहा है- न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को अधिक न्यायसंगत और पारदर्शी बनाना। कृषि निर्यात को 50 बिलियन डॉलर से ऊपर ले जाना। स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को चरणबद्ध लागू करना, जिससे किसानों को लागत से 50 प्रतिशत अधिक लाभ मिल सके। आज जब हम एम.एस. स्वामीनाथन की वैज्ञानिक दृष्टि को याद करते हैं, तो स्पष्ट होता है कि उनकी सोच सिर्फ उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि किसान को सशक्त करने, आत्मनिर्भर बनाने और वैश्विक ताकतों के सामने टिके रहने योग्य बनाने की थी। मोदी की यह नई नीति उसी दर्शन की राजनीतिक अभिव्यक्ति है। सही मायनों में भारतीय कृषि में उन आमूल-चूल परिवर्तनों की आवश्यकता है जो न केवल किसान की आय बढ़ाएं बल्कि कृषि उत्पादों को विश्व बाजार की चुनौतियों से मुकाबला करने में भी सक्षम बनायें। एक सौ चालीस करोड़ आबादी वाला देश भारत दुनिया में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है।

देश दुनिया से

बढ़ता खाद्य प्रसंस्करण बाजार

इस समय देश में लोगों की बढ़ती हुई आमदनी, शहरीकरण के कारण बदलती जीवनशैली और खान-पान की आदतों में बड़े परिवर्तन के कारण भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का बाजार आकार तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही में डेलायट और फिक्की के द्वारा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग पर एक रिपोर्ट जारी की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक देश में परिवारों के खाद्य बजट का वर्ष 2000-01 में अनाज और दालों पर 40 फीसदी खर्च किया जाता था, वह वर्ष 2023-24 में घटकर महज 14 फीसदी पर पहुंच गया है। देश में खान-पान तो लगभग हर आय वर्ग का बदला है, लेकिन शहरी संपन्न वर्ग अब अपने मासिक खाद्य बजट का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा पैकेज्ड फूड, बाहर खाने और डिलीवरी पर खर्च कर रहा है। ग्रामीण भारत में भी इसी तरह का बदलाव दिख रहा है। ग्रामीण खपत अनाज से पेय पदार्थों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की ओर बढ़ रही है। निश्चित रूप से लगातार तेजी से बढ़ते खाद्यान्न उत्पादन और लोगों की खान-पान शैली में बड़े बदलाव के कारण देश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार कृषि उत्पाद जब तैयार भोजन का रूप लेता है तो उसके मूल्य में लगभग 30 फीसदी की वृद्धि होती है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) की खाद्य प्रसंस्करण पर प्रकाशित शोध अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत के खाद्य प्रसंस्करण का क्षेत्र वर्ष 2023 में करीब 307 अरब डॉलर का था, इसके तेजी से बढक़र वर्ष 2030 तक करीब 700 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचने की उम्मीद है। साथ ही कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से निर्यात लगातार बढ़ते हुए वर्ष 2030 तक 125 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचते हुए दिखाई दे सकेगा। निसंदेह इस समय भारत खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता और सुरक्षा के वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है। पिछले 10 वर्षों के दौरान, भारत ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए व्यापक सुधार शुरु किए हैं। भारत खाद्य प्रसंस्करण में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकरण, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना जैसी बहुआयामी पहलों के माध्यम से पौष्टिक दुनिया के निर्माण के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के तहत पिछले दस वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक का एफडीआई प्राप्त हुआ है और भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 15 गुना से अधिक बढक़र दो सौ लाख टन से अधिक हो गई है। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र कई अन्य पूंजी आधारित उद्योगों की तुलना में ज्यादा रोजगार प्रदान करता है। उल्लेखनीय है कि भारत में खाद्य प्रसंस्करण के तहत पांच क्षेत्र हैं। एक डेयरी क्षेत्र, दो फल एवं सब्जी प्रसंस्करण, तीन, अनाज का प्रसंस्करण, चार, मांस मछली एवं पोल्ट्री प्रसंस्करण तथा पांच, उपभोक्ता वस्तुएं पैकेट बंद खाद्य और पेय पदार्थ। इसमें कोई दो मत नहीं है कि सरकार के द्वारा देश में खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर के तहत इन पांचों क्षेत्रों की व्यापक संभावनाओं को मु_ियों में करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। केंद्र सरकार ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए पीएलआई योजना लागू की है उससे मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों को बढ़ावा मिल रहा है। सितंबर 2020 में कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के लिए सुनिश्चित किए गए एक लाख करोड़ रुपए की वित्त पोषण सुविधा से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग लाभान्वित होते हुए दिखाई दे रहा है। खाद्य प्रसंस्करण को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा दे चुकी है। साथ ही देश में वर्ष 2020 से शुरू की गई किसान ट्रेनें भी खाद्य प्रसंस्करण बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रही हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के अंतर्गत विभिन्न फलों, खाद्यान्नों और फूलों की खेती के लिए ईपीएफ का गठन किया गया है। मौजूदा 'कृषि-क्लस्टरों' को मजबूत करने और अधिक उत्पाद-विशेष वाले क्लस्टर बनाने पर भी जोर दिया गया है। एपीडा को श्रीअन्न के प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी है और उसके संसाधन बढ़ाए हैं। छोटे फूड प्रोसेसिंग उद्योगों को वित्त, तकनीक और अन्य तरह की मदद पहुंचाने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की 'केंद्रीय प्रायोजित पीएम फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोससिंग एंटरप्राइज योजना' सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है। इस योजना के तहत राज्यों की जिम्मेदारी है कि वे कच्चे माल की उपलब्धता का ध्यान रखते हुए हर जिले के लिए एक खाद्य उत्पाद की पहचान करें। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के आधार पर चुने गए उत्पादों का प्रोडक्शन करने वाले उद्योगों को प्राथमिकता के आधार पर मदद दी जा रही है। वस्तुतः खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र कृषि और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों का महत्वपूर्ण घटक है। जहां खाद्य प्रसंस्करण कृषि क्षेत्र में किसानों की आय बढ़ाने में मदद करता है। लेकिन निश्चित रूप से भारत खाद्य प्रसंस्करण की ऊंची संभावनाओं को पर्याप्त रूप से मु_ी में नहीं ले पा रहा है। यही कारण है कि खाद्य प्रसंस्करण के मामले में भारत बहुत पीछे है।

आप का नजरिया

कितने जंगल, कितने लोग

हिमाचल को अकसर नसीहतों ने विवश कर दिया, वरना रास्ते तो यहां भी मंजिल तक थे। हम एक आपदा को बारूद की बारिश मानें ये हमारी मजबूरी, लेकिन सच यह भी है कि हमने आदतें नहीं बदलीं। अदालतें कहें, पर्यावरणविद बनें या पहाड़ को आपदा की दहशत से जोड़ें, हमारे फर्ज केवल सरकार से उसके कदमों की निशानी पूछते हैं, जबकि समूची जनता ने अपने स्वार्थी आचरण या जीवनशैली की बदलती अनिवार्यता को निरंकुश बना लिया। हमारे आचरण में शहरीकरण आ चुका है, लेकिन हिमाचल खुद को ग्रामीण जनता के हक में देखता है। हम वास्तविक शहरीकरण को ठुकराते हुए नदी-नालों के करीब पहुंच गए, हमने सोलन के पहाड़ खरीद लिए, मकलोडगंज और मनाली की हरियाली को छिन्न-भिन्न कर दिया और सत्ता एवं राजनीति के घालमेल में टीसीपी की आत्मा को कुचल दिया। हमने और हमारे जन प्रतिनिधियों ने शहरी योजनाओं को दफन करते हुए 'ग्रीन बेल्ट' को आजाद करके बर्बाद किया। टीसीपी ने धर्मशाला की विकास योजना में 'गमरू क्षेत्र' को ग्रीन बेल्ट मान कर प्रतिबंध लगाए, लेकिन सियासत के सदके आज वहां तंग गलियों के बीच घिनौना निर्माण, पूरी तरह विनाश का सूत्रधार बना हुआ है। बीड़-बिलिंग को पर्यटन से आती संपन्नता तो मंजूर है, लेकिन नगर निकाय के तहत व्यवस्थित विकास मंजूर नहीं। हमने सडक़ें संकरी कर दीं ताकि हमारे वोट के आश्वासन से एमएलए साहब डरे रहें और ये जनप्रतिनिधि कर क्या रहे। बस एक यही गणित है कि कहीं इलाके के कर्मचारी घर-परिवार नाराज न हो जाएं। लोगों का चूल्हा तो जले, लेकिन चूल्हा कर न लगे। आश्चर्य यह कि एडीबी की मदद से सियासत के मदरसे खुल गए। अधूरे भवनों की नुमाइश में कल अगर बारिश शैतान हुई तो फिर प्रायश्चित कौन करेगा। हम सराज की त्रासदी में गमगीन हो कर भी यह विचार नहीं कर रहे कि वहां के विकास में कुछ गलतियां रहीं या हमने सामुदायिक भावना को तिलांजलि देकर, घर से घर की दीवार को लड़ा दिया। हम न्यू शिमला को राजधानी के विस्तार की व्याख्या में देखें, तो वहां लड़ती हुई दीवारें, टीसीपी कानून की धज्जियां, भविष्य की अनदेखी और शिमला को लांछित करती तस्वीर ही तो बना पाए। हमारी राजनीति में न तो बौद्धिक कौशल है और न ही बुद्धिजीवियों में प्रदेश के प्रति सरोकार दिखाई देते। सत्तर के दशक से ही सरकारी नौकरी ने भवन निर्माण का हुनर सिखाया कि कर्मचारी से अधिकारी तक सीमेंट-सरिया से खेलते-खेलते भूल गए कि हम न गांव के रहे और न ही शहर के बने। यह दीगर है कि अब हिमाचल में 74 शहरी निकाय हो गए और शिखर पर आठ नगर निगम भी दिखाई दे रहे हैं, लेकिन नक्शे पर न नगर पंचायत, परिषद और न ही नगर निगम मुकम्मल हुए। आखिर नगर निगम के संचालन को जितनी जमीन चाहिए, क्या उतना लैंड बैंक हम बना पाए। शहरी विकास योजना के मजमून में हम अभी तक न सुविधाएं, न सुकून और न ही भविष्य का परिदृश्य बना पाए। अब एक जंगल तो पर्यावरण का ढोंगी बाबा और वन विभाग की कसरतों का खामियाजा है और दूसरा हिमाचल का विकास नहीं, मानव प्रदर्शन का रिवाज है। क्या हमने गांव या शहर की व्याख्या में जल, जमीन और जंगल को जोड़ा। क्या हमने शहरी विकास योजना के तहत यह प्लानिंग की कि अगले पचास सालों में हमें अपने लैंड बैंक के हिस्से में कितना जंगल चाहिए। क्या चीड़ के

> अदालतें कहें, पर्यावरणविद बनें या पहाड़ को आपदा की दहशत से जोड़ें, हमारे फर्ज केवल सरकार से उसके कदमों की निशानी पूछते हैं, जबकि समूची जनता ने अपने स्वार्थी आचरण या जीवनशैली की बदलती अनिवार्यता को निरंकुश बना लिया। हमारे आचरण में शहरीकरण आ चुका है, लेकिन हिमाचल खुद को ग्रामीण जनता के हक में देखता है।

जलते जंगलों से शहर को निजात दिलाने के लिए कभी वन विभाग के साथ समन्वय कायम हुआ। हमीरपुर को नगर निगम बनाने की परिपाटी में कितना जंगल चाहिए और कितनी वन भूमि वापस चाहिए। शहर को सार्वजनिक मैदानों की जरूरत पूरी करनी है, तो उसके लिए अर्जियां कब तक घूमती रहेंगी। राजस्व की दृष्टि से भूमि के छोटे-छोटे टुकड़ों, सार्वजनिक तथा वनभूमि के बीच पूलिंग की जरूरत है। आपदा के बाद सराज पुनर्वास योजना को एक विस्तृत शहरी एवं ग्रामीण विकास योजना के तहत ही संबल मिलेगा। सराज आपदा को टीसीपी, ग्रामीण एवं शहरी विकास, कृषि एवं बागबानी, पर्यावरण एवं वन तथा समस्त विभागों की देखरेख में ऐसे विकास को चुनना होगा, जो हिमाचल के लिए एक मॉडल बना सके।

दृष्टि कोण

हिमाचल में प्राकृतिक आपदाएं गंभीर चुनौती

हिमाचल प्रदेश, जिसे देवभूमि के नाम से भी जाना जाता है, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में, यह राज्य प्राकृतिक आपदाओं के बढ़ते खतरे का सामना कर रहा है, जिससे व्यापक जनहानि, संपत्ति का नुकसान और बुनियादी ढांचे का विनाश हो रहा है।

आपदाओं का बढ़ता ग्राफ : हालिया रिपोर्टों के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में बादल् रफटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। 2018 से अब तक. राज्य में बादल फटने की 148 घटनाएं, 294 बार अचानक बाढ़ और पांच हजार से अधिक भूस्खलन की घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन आपदाओं के कारण राज्य में भारी नुकसान हुआ है, 179 लोगों की मौत हो चुकी है, 36 लोग लापता हैं और 289 लोग घायल हुए हैं। 1600 से अधिक घर पूरी तरह से टूट गए हैं और 403 सडक़ें बंद हैं।

कारणों की पड़ताल : इन आपदाओं के बढ़ते आवृत्ति और तीव्रता के पीछे कई कारण हैं, जिनमें से जलवायु परिवर्तन एक प्रमुख कारक है। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं और तापमान में वृद्धि हो रही है, जिससे अचानक बाढ़, बादल फटना और भूस्खलन जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। इसके अलावा अवैज्ञानिक निर्माण और बुनियादी ढांचे का अत्यधिक विस्तार भी इस समस्या को बढ़ा रहा है। पहाड़ी ढलानों को बिना वैज्ञानिक तरीके से काटा जा रहा है और प्राकृतिक जलमार्गों को बाधित किया जा रहा है, जिससे भूस्खलन और बाढ़ का खतरा बढ़ रहा है,

आपदा प्रबंधन और समाधान : इन आपदाओं से निपटने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार दोनों ही गंभीर प्रयास कर रही हैं।

केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं के कारण उत्पन्न स्थिति का आकलन करने के लिए एक केंद्रीय टीम का गठन किया है, जिसमें विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल हैं। इसके अलावा, हिमाचल की आपदा पर 2388 करोड़ का डिजास्टर रिकवरी प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, जिसमें विश्व बैंक 2150 करोड़ रुपए का योगदान देगा। इस परियोजना के तहत आपदा से हुए ढांचागत नुकसान का पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने आपदा पुनर्वास के लिए भूमि आवंटन, वन नियमों में ढील और नदियों में ड्रेजिंग (गाद निकालने) जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की है। इन प्रयासों के साथ-साथ, वैज्ञानिक तरीके से निर्माण, सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी इन आपदाओं के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह महत्वपूर्ण है कि हिमाचल प्रदेश इन आपदाओं से निपटने के लिए एक समग्र रणनीति अपनाए, जिसमें पूर्व-चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना, आपदा-रोधी निर्माण को बढ़ावा देना और आपदा प्रबंधन में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करना शामिल है। इस तरह के उपायों से ही हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखते हुए भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकता है।

पाक में 22 दिन से खुंजेराब दर्रे के रास्ते चीन के बीच व्यापार और यात्रा बाधित

इस्लामाबाद,11 अगस्त (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के गिलगित-बाल्तिस्तान के काराकोरम राजमार्ग (केकेएच) पर चल रहे धरने के कारण रविवार को लगातार 22वें दिन खुंजेराब दर्रे के रास्ते पाकिस्तान और चीन के बीच यात्रा और व्यापार बाधित रहा। सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच गतिरोध जारी है। नींद से जागी संघीय सरकार ने समस्या के समाधान के लिए आनन-फानन में सोमवार को बैठक आहूत की है। खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संघीय समिति का गठन किया है। समिति इस मुद्दे के समाधान के लिए बैठक करेगी। गिलगित-बाल्तिस्तान के मुख्यमंत्री हाजी गुलबर खान, मुख्य सचिव अबरार अहमद मिर्जा, पीपीपी अध्यक्ष अमजद हुसैन एडवोकेट, पूर्व मुख्यमंत्री और पीएमएल-एन अध्यक्ष हफीजुर रहमान को भी समिति में शामिल किया गया है। ताजिर इत्तेहाद एक्शन कमेटी के विरोध प्रदर्शन की वजह से पाकिस्तान और चीन के बीच व्यापार और यात्रा, साथ ही सोस्ट ड्राई पोर्ट पर व्यावसायिक गतिविधियां पिछले 22 दिनों से बंद हैं। ताजिर इत्तेहाद एक्शन कमेटी आहूत विरोध प्रदर्शन को व्यापारिक संगठनों, स्थानीय सरकार, विपक्षी दलों और क्षेत्र के धार्मिक समूहों का समर्थन प्राप्त है। इस मामले को सुलझाने के लिए मुख्यमंत्री हाजी गुलबर खान के प्रसास से गठित एक समिति के सदस्यों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन के आयोजकों से मुलाकात की। उन्होंने मुद्दों पर चर्चा की और प्रधानमंत्री की समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए सिफारिशें तैयार कीं। प्रदर्शनकारियों ने समिति को दो सूत्री एजेंडा दिया है। उन्होंने खुंजेरब दर्रे के माध्यम से चीन से आयातित वस्तुओं पर राज्य के निवासियों को आयकर, बिक्री कर और अन्य संघीय करों से छूट और एकमुश्त माफी योजना की मांग की है।

यूके में गंदगी के बाद अब चूहों का आतंक, घरों की टॉयलेट सीट्स में भी घुसे

लंदन। यूके के नॉर्दन टाउन में लोगों ने शहर से गंदगी कम करने के लिए जैसे ही कचरा उठाने के सिस्टम में बदलाव किया, वैसे ही दूसरी समस्या खड़ी हो गई। वहां चूहों को आतंक बढ़ गया। चूहे इतने हो गए कि घरों के आस-पास मर के सड़ने लगे हैं। चूहे घरों में टॉयलेट सीट्स के अन्दर तक घुस गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक शहर के एक कीट नियंत्रक ने बताया कि स्थानीय प्रशासन की ओर से रेडकार और क्लीवलैंड क्षेत्रों में जो कीटों के नियंत्रण में कमी की गई, उस वजह से चूहों की परेशानियां बढ़ गई हैं। उनका कहना है कि चूहे अक्सर दिन में इधर-उधर भागते नजर आ रहे हें। इसकी वजह कीट नियंत्रण में की गई कमी, कूड़ेदानों की कमी और लोगों की ओर से कूड़े को इधर-उधर फेंकना बताया है। हालात इतने खराब हैं कि कुछ चूहे तो बिल्ली के आकार के हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में फ्रंटियर कोर की गोलीबारी में मारे गए युवक के रिश्तेदारों पर मुकदमा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थानीय पुलिस ने 18 जुलाई को फ्रंटियर कोर (एफसी) की कथित गोलीबारी में मारे गए युवक की हत्या के विरोध में हुए प्रदर्शन के सिलसिले में अब पीड़ित रिश्तेदारों और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। रिश्तेदारों ने चगाई में विरोध प्रदर्शन कर अंतिम संस्कार वाहन के चालक शाह डार की हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की थी। खबर में दावा किया गया है कि 18 जुलाई को शाह डार पुत्र अमानुल्लाह की चगाई जिले के नोकुंडी इलाके में एफसी की गोलीबारी में मौत हो गई थी। घटना के बाद स्थानीय लोगों और शाह डार के के परिवार व रिश्तेदारों ने विरोध प्रदर्शन किया था। शव को बाब उमर चौक पर रख कर जाम लगा दिया था। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि युवक की हत्या में शामिल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। लेकिन पुलिस ने बल के अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की और अब प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस और एफसी पर हमले के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मामले में कई लोगों को नामजद किया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 18 जुलाई को शाह डार की मौत के बाद एफसी ने उसके शव को अपने कब्जे में ले लिया था। परिजनों को शव के पास जाने की अनुमति नहीं दी गई। यह विरोध प्रदर्शन इसी वजह से हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों और सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो के अनुसार, विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर हवा में गोलियां भी चलाईं, जिससे स्थिति और बिगड़ गई थी।

पाकिस्तान के वजीरिस्तान में सैनिकों पर हमला, एक जवान की मौत, जवाबी कार्रवाई में दो आतंकी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के वजीरिस्तान में सैनिकों की टुकड़ी पर घात लगाकर किए गए हमले में एक

जवान की मौत हो गई। इस दौरान सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, सैनिकों की टुकड़ी उत्तरी वजीरिस्तान के शावल मर्राह इलाके से ऊपरी दक्षिणी वजीरिस्तान के सिरनाराई इलाके में आगे बढ़ रही थी। तभी घात लगाकर बैठे आतंकवादियों ने अचानक गोलियां बरसानी शुरू कर दी। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इस गोलीबारी में जवान नवीद की मौत हो गई। नायक अमजद, सिपाही अबू बकर, सिपाही सियाम, सिपाही नासिर और सिपाही शौकत घायल हो गए। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादियों को मार गिराया। पाकिस्तान की सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने अभी तक इस घटना पर कोई बयान जारी नहीं किया है। घायल जवानों को इलाज के लिए रजमाक स्थित एक सैन्य केंद्र में पहुंचाया गया। अधिकारियों के अनुसार, इलाके में सक्रिय आतंकवादियों के खिलाफ अभियान जारी है।

गाजा सिटी पर सैन्य नियंत्रण ही युद्ध खत्म करने का सबसे तेज तरीका : नेतन्याहू

तेल अवीव,11 अगस्त । इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी सरकार की उस योजना का बचाव किया, जिसमें गाजा सिटी पर पूर्ण सैन्य नियंत्रण लेने की बात कही गई है। उन्होंने इसे 'युद्ध को खत्म करने का सबसे तेज और असरदार तरीकाळ बताया।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेतन्याहू ने कहा कि हमास द्वारा हथियार डालने से लगातार इनकार करने के कारण इजरायल के पास अपने सैन्य अभियान को आगे बढ़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने कहा, हमास द्वारा हथियार डालने से इनकार करने के कारण, इजरायल के पास काम पूरा करने और हमास को पूरी तरह से पराजित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि इजरायली सेना का गाजा के 70-75 प्रतिशत हिस्से पर पहले से ही नियंत्रण है।

इस सैन्य कार्रवाई को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर इजरायल के कुछ करीबी पश्चिमी सहयोगियों की तरफ से भारी आलोचना हुई है, जिसमें मानवीय संकट की आशंका जताई गई है। नेतन्याहू ने इस आलोचना को 'झूठा प्रचारळ बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल हमास को तेजी से हराने के लिए नहीं है, बल्कि नागरिकों को कम से कम नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

यूक्रेन की किस्मत का फैसला ट्रंप के हाथ में, जेलेंस्की को क्या मिलेगा ठेंगा

वाशिंगटन,11 अगस्त (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात में यूक्रेन को नहीं बुलाया गया है, जो पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि व्हाइट हाउस यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्कीको भी इस बड़ी मुलाकात में बुलाने पर विचार कर रहा है। व्हाइट हाउस अधिकारी ने बताया कि इसे लेकर चर्चा जोरों पर है। हालांकि जेलेंस्की का अलास्का जाना अभी पक्का नहीं है, लेकिन अधिकारी ने इसे बिल्कुल मुमकिन बताया और कहा कि हर कोई चाहता है ऐसा हो। आठ अगस्त को ट्रंप ने एक बयान में कहा था कि वह पुतिन से मिलने वाले हैं। इस दौरान उन्होंने कहा था कि यूक्रेन को भी कई चीजों के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने जमीन की अदला-बदली का प्रस्ताव भी दिया है। हालांकि यूक्रेन किसी भी तरह से तैयार नहीं है। शनिवार सुबह एक वीडियो संदेश में जेलेंस्की ने गुस्से में कहा, 'यूक्रेन का संविधान हमारी जमीन की रक्षा करता है। एक इंच भी जमीन रूस को नहीं देंगे।' इस मीटिंग को लेकर सबसे हैरानी वाली बात है कि यूक्रेन के भविष्य का फैसला लिया जाना है और इसमें यूक्रेन को ही नहीं बुलाया गया है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच 15 अगस्त को मीटिंग होने वाली है। यह मीटिंग अलास्का में होने वाली है। इस मीटिंग में रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने पर बात होगी।

अमेरिका इस मीटिंग में यूक्रेन को भी शामिल करने पर विचार कर रहा है। हालांकि मुलाकात से पहले ही एक कथित शांति योजना को लेकर बवाल मच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस प्लान में यूक्रेन के कुछ इलाकों को रूस को सौंपने के बदले युद्ध को खत्म किया जाएगा। रूस चाहता है कि यूक्रेन अपनी दो बड़ी जमीनें डोनेट्स्क और लुहांस्क खाली कर दे। बदले में रूस खारकीव और सूमी जैसे छोटे इलाकों से अपनी सेना हटाएगा। पुतिन ने ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ को इसके बारे में बताया था। इस प्रस्ताव को यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सिरे से ठुकरा दिया है।

रूस ने कहा कि वह जापोरिज्झिया और खेरसॉन में मौजूदा लड़ाई की लाइन पर रुक जाएगा, जहां वह पहले से 70 प्रतिशत से ज्यादा इलाके पर कब्जा किए हुए है। लेकिन यूक्रेन के एक बड़े अधिकारी ने गुस्से में कहा, 'हमारी सेना को अपनी जमीन छोड़ने का आदेश कौन देगा' उसने यह भी खुलासा किया कि रूस पूरी दुनिया को बताना चाह रहा है कि यूक्रेन 'ट्रंप के शानदार प्लान' को रिजेक्ट कर रहा है। ऐसा करके रूस दुनिया को गुमराह कर रहा है, जबकि जमीन के बदले शांति पूरी तरह रूस का दांव है। एक अधिकारी ने कहा कि इतनी जल्दी पुतिन से बातचीत की घोषणा करना इस बात का संकेत है कि अमेरिका ने रूस के इस प्लान को मान लिया है।

ईरान बिना जांच किए अफगान शरणार्थियों को निकाल रहा

तेहरान। ईरान अफगान शरणार्थियों को उनके कानूनी दर्जे की जांच किए बिना देश से निकाल रहा है। यह आरोप ईरान के सोशल वर्कर्स ने स्थानीय प्रशासन पर लगाया है। इससे कई मामलों में गलत पहचान, परिवार बिछड़ने और डिपोर्टेशन के दौरान दुर्व्यवहार की घटनाएं सामने आई हैं। बच्चों को परिवार से अलग किया, यातना देने के आरोप; 100 दिन में 10 लाख लोग निकाले तेहरान के गवर्नर मोहम्मद सादिक मोतमेदीयान ने बताया कि पिछले 100 दिनों में 10 लाख से ज्यादा अफगानों को निकाला गया है। इनमें से 4 लाख सिर्फ तेहरान प्रांत से हैं। ईरान के सोशल वर्कर्स एसोसिएशन के प्रमुख हसन मूसेवी चेलिक ने बताया कि हाल के दिनों में अफगान शरणार्थियों को निकालते वक्त अधिकारियों ने कानूनी और गैरकानूनी प्रवासियों में फर्क नहीं किया। ईरान ने मार्च 2025 में ऐलान किया था कि अवैध रूप से रह रहे अफगान प्रवासी 6 जुलाई तक देश छोड़ दें, नहीं तो उन्हें जबरन निकला जाएगा। ईरानी अधिकारियों ने दावा किया कि अफगानी इजराइल और अमेरिका के लिए जासूसी, आतंकी हमले और ड्रोन बनाने में शामिल हैं। हमें कूड़े की तरह फेंक दिया गया लोगों ने बताया कि उनके पास न तो पर्याप्त सामान है और न ही भविष्य की कोई उम्मीद। 42 साल तक ईरान में मजदूरी करने वाले मोहम्मद अखुंदजादा ने कहा कि मैंने 42 साल तक ईरान में मेहनत की, मेरे घुटने टूट गए और अब मुझे क्या मिला ईरान से निर्वासित हुए एक अफगान शरणार्थी बशीर ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि अधिकारियों ने उससे 17 हजार रुपए मांगे। फिर दो दिन डिटेंशन सेंटर में रखा। इस दौरान न खाना दिया गया और न ही पानी। बशीर के मुताबिक अधिकारी उसे गालियां देते थे। एक दूसरे युवक ने बताया कि उसके पिता को जासूसी के आरोप में पकडक़र कैद कर दिया गया।

144 करोड़ की रकम यूनुस सरकार के लिए बढ़ा रही दिक्कत, बीएनपी ने लताड़ा

ढाका,11 अगस्त (एजेंसियां) ।

बीएनपी की अध्यक्ष खालिदा जिया के निजी सचिव ए बी एम अब्दुस सत्तार ने अंतरिम सरकार के कई सलाहकारों पर व्यापक भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि देश में किसी भी महत्वपूर्ण नियुक्ति या तबादले में इन सलाहकारों की संलिप्तता के बिना कुछ नहीं होता। सत्तार ने कहा कि यूनुस-नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार पहले से भी ज्यादा बढ़ गया है।

पिछले महीने बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा था कि देश में न तो सुशासन है और न ही कोई ठोस सुधार, जिससे वसूली के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है। उनके मुताबिक, पहले एक व्यापारी को एक लाख टका वसूली देनी पड़ती थी, अब पांच लाख टका देनी पड़ रही है। पुलिस व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं आया। सत्तार ने ये आरोप ढाका के बीआईएएम ऑडिटोरियम में बांग्लादेश एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'जुलाई जनविद्रोह की अपेक्षाएं और भविष्य का लोक प्रशासन' विषयक सेमिनार में लगाए। स्थानीय मीडिया के अनुसार, सत्तार ने बिना नाम लिए दावा किया कि उनके पास कम से कम आठ सलाहकारों के 'असीमित भ्रष्टाचार' के सबूत हैं। उन्होंने कहा कि खुफिया एजेंसी के पास भी इन सलाहकारों के भ्रष्टाचार के प्रमाण मौजूद हैं, लेकिन किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय सरकार और युवा एवं खेल मंत्रालय में एक अनुभवहीन व्यक्ति की नियुक्ति की गई है और अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को इस बात की जानकारी होने के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया जा रहा। गौरतलब है कि बीएनपी और कट्टरपंथी इस्लामी ताकतों ने पहले छात्र नेताओं और यूनुस के साथ मिलकर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अगुवाई वाली अवामी लीग सरकार को सत्ता से बेदखल किया था। हसीना का सत्ता से अचानक बाहर होना विश्व स्तर पर देश के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए एक बड़ा झटका माना गया।

भूकंप से फिर दहला तुर्किए, 6.1 तीव्रता के झटके से भारी नुकसान की आशंका

अंकारा। तुर्किए एकबार फिर भूकंप के झटकों से हिल गया है। तुर्किए के उत्तर-पश्चिमी प्रांत बालिकेसिर में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया जिसमें काफी तबाही हुई है। कई बहुमंजिली इमारतें ढह गई हैं और काफी संख्या में लोग घायल हुए हैं। प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। तुर्किए टुडे के मुताबिक रविवार शाम 07.53 बजे (स्थानीय समयानुसार) आए भूकंप का केंद्र सिंदिरगी शहर में जमीन से 11 किलोमीटर नीचे रहा और रिएक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.1 मापी गई। तुर्किए की आपदा प्रबंधन एजेंसी के मुताबिक इसके झटके इस्तांबुल तक महसूस किए गए। नागरिकों से क्षतिग्रस्त इमारतों से दूर रहने की अपील की गई है। गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि भूकंप के झटकों के बाद इमरजेंसी मैनेजमेंट अथॉरिटी (एएफएडी) और संबंधित संस्थाओं की टीमें राहत और बचाव अभियान में जुट गई हैं और अभीतक कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। उल्लेखनीय है कि साल 2023 में भी तुर्किये में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जिससे 53,000 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। भूकंप से 11 दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी प्रांतों में बड़ी संख्या में इमारतें ध्वस्त हो गई थी। कई दिनों तक लगातार आए इस विनाशकारी भूकंप के झटकों का असर पड़ोसी देश सीरिया पर भी पड़ा जहां छह हजार लोगों की मौत हो गई।

बंधकों की रिहाई के लिए इजराइल में रविवार को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान

यरूशलम,11 अगस्त (एजेंसियां) ।

गाजा में बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों के परिजनों ने अगले रविवार को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। यह कदम इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट द्वारा युद्ध को और तेज करने तथा गाजा सिटी पर कब्जा करने के हालिया निर्णय के विरोध में उठाया गया है।

तेल अवीव में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में परिजनों ने कहा, हम सैनिकों और बंधकों को बचाने के लिए देश को ठप कर देंगे। इस अभियान में '7 अक्टूबर परिषद' भी शामिल हो गई है, जो युद्ध की शुरुआत में मारे गए सैनिकों के परिजनों का प्रतिनिधित्व करती है।

आयोजकों के अनुसार, यह पहल एक जमीनी आंदोलन के रूप में शुरू होगी, जिसमें निजी कंपनियां और आम नागरिक स्वेच्छा से भाग लेंगे। कुछ ही घंटों में '7 अक्टूबर परिषद' ने दावा किया कि सैकड़ों कंपनियां और हजारों लोग रविवार को काम बंद करने का ऐलान कर चुके हैं।

हालांकि, देश के सबसे बड़े श्रमिक संगठन 'हिस्टाड्रुत' ने अभी तक हड़ताल में शामिल होने की घोषणा नहीं की है। परिजन सोमवार को संगठन के अध्यक्ष अर्नोन बार-डेविड से मुलाकात कर समर्थन जुटाने की कोशिश करेंगे।

बंधकों में से एक, मातान की मां अनात आंग्रेस ने उद्योग और श्रम क्षेत्र के प्रमुखों से भावुक अपील करते हुए कहा, आपकी चुप्पी हमारे बच्चों की जान ले रही है। दिल से साथ होना काफी नहीं है, अब आवाज उठाने का समय है। आपके पास बदलाव लाने की ताकत है।

गाजा पर इजराइली हमले में 4 पत्रकारों के मारे जाने का दावा

आईडीएफ की सफाई-जान गंवाने वाला अल जजीरा का कथित पत्रकार हमास आतंकी

गाजा पट्टी,11 अगस्त (एजेंसियां) ।

ईरान की अर्धसरकारी मेहर न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि गाजा शहर पर इजराइल के हवाई हमले में अल जजीरा के चार पत्रकार मारे गए। मेहर ने कतर के एक टीवी चैनल के हवाले से मारे गए पत्रकारों में से एक का नाम अनस अल-शरीफ बताया है। अल जजीरा ने अपने पत्रकारों के मारे जाने की निंदा की है। इजराइल रक्षा बल ने दावा किया है कि अनस अल-शरीफ हमास का आतंकी था। मेहर की खबर के अनुसार, चारों पत्रकार अल-शिफा अस्पताल के बाहर मीडियाकर्मियों के लिए बने एक तंबू में थे। स्थानीय समयानुसार आधी रात (जीएमटी +3) से कुछ मिनट पहले ड्रोन से हमला किया गया। इस हमले में सात लोग मारे गए। टीवी चैनल के अनुसार, पिछले दिनों गाजा पट्टी पर इजराइली हमलों में मारे गए 48 फिलिस्तीनियों में उसके पत्रकार भी शामिल हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने 10 अगस्त को कहा कि अक्टूबर 2023 में गाजा में संघर्ष के बढ़ने के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 61,430 हो गई है। अल जजीरा ने कहा कि गाजा में इजराइली हमले में उसके संवाददाता अनस अल-शरीफ, मोहम्मद करीकेह, फोटोग्राफर इब्राहिम अल थाहर जहीर और मोहम्मद नौफल की हत्या कर दी गई।

पानी और हवा में भी लंबी दूरी तक ग्लाइड करती है ये मछली

बारबाडोस। क्या आपने ऐसी मछली देखी है जो सिर्फ पानी में नहीं बल्कि हवा में भी लंबी दूरी तक ग्लाइड करती है। इस मछली को देखकर लगता है जैसे कोई चिड़िया आसमान में उड़ रही हो। यह एक मछली है, जो पानी और हवा दोनों की दुनिया में सहजता से विचरण करती है। यह मछली एक्सोकोएटिडे परिवार की होती है, जिसे आमतौर पर फ्लाइंग फिश कहा जाता है। इन मछलियों की सबसे खास बात है इनका पेक्टोरल फिन, जो पंखों की तरह फैलकर इन्हें उड़ने में मदद करता है। इनका शरीर टॉरपीडो के आकार का होता है, जिससे ये पानी में तेज गति से आगे बढ़ती हैं और सतह पर आते ही हवा में उठ जाती हैं। उड़ते समय ये अपनी पूंछ को प्रति सेकंड 70 बार तक हिला सकती हैं और पंखों को इस तरह फैलाती हैं कि हवा में उन्हें लिफ्ट मिल सके। आमतौर पर ये मछलियां 50 मीटर तक ग्लाइड कर सकती हैं, लेकिन कुछ प्रजातियां 200 से 400 मीटर तक की उड़ान भी भर सकती हैं। इनकी यह अनोखी क्षमता केवल दिखावे के लिए नहीं है, बल्कि यह इनके जीवित रहने का तरीका भी है। शिकारियों से बचने के लिए इन्हें हवा में उड़ने की कला आ गई है। टूना, मैकरेल, स्वोर्डफिश जैसी बड़ी मछलियों से बचने के लिए ये पानी से बाहर निकलकर उड़ती हैं। लेकिन इंसान, जो धरती का सबसे बड़ा शिकारी है, उनसे बच पाना इनके लिए आसान नहीं है। जापान, चीन, वियतनाम और कैरिबियन जैसे देशों में फ्लाइंग फिश को बड़े स्तर पर पकड़ा जाता है। सुशी और अन्य व्यंजनों में इसका खूब उपयोग होता है। बारबाडोस जैसे इलाकों में प्रदूषण और अत्यधिक मछली पकड़ने की वजह से इनकी संख्या में भारी गिरावट आई है। यहां तक कि यह मछली एक बार बारबाडोस और त्रिनिदाद और टोबैगो के बीच विवाद की वजह भी बन चुकी है।

ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने रोमांचक मुकाबले में वेस्ट दिल्ली लायंस को 2 रन से हराया

नई दिल्ली,11 अगस्त (एजेंसियां) ।

अरुण जेटली स्टेडियम में रविवार रात खेले गए दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) सीजन-2 के रोमांचक मुकाबले में ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने वेस्ट दिल्ली लायंस को आखिरी गेंद पर 2 रन से पराजित कर दिया। अर्पित राणा की बेहतरीन बल्लेबाजी और कप्तान अनुज रावत की शानदार रणनीति इस जीत के केंद्र में रही।

159 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्ट दिल्ली लायंस 20 ओवर में 7 विकेट पर 156 रन ही बना सके। टीम के लिए कृष्ण यादव ने 39 गेंदों पर 44 रन की धैर्यपूर्ण पारी खेली, जबकि अंकित कुमार ने मात्र 16 गेंदों पर 42 रन (2 चौके, 5 छक्के) की तूफानी पारी खेलकर मुकाबले को आखिरी ओवर तक पहुंचाया। हालांकि, ईस्ट दिल्ली के गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा। मयंक रावत ने 4 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट झटके, जबकि रौनक वाघेला ने 23 रन देकर 2 विकेट हासिल किए।

इस जीत के साथ ईस्ट दिल्ली राइडर्स अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है। टीम के 6 मैचों में अब 9 अंक हो गए हैं।

इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 158 रन बनाए। टीम की शुरुआत खराब रही और पहला विकेट मात्र 10 रन पर गिरा, लेकिन अर्पित राणा ने 47 गेंदों पर 71 रन (7 चौके, 3 छक्के) और हार्दिक शर्मा ने 37 गेंदों पर 50 रन (2 चौके, 4 छक्के) बनाकर पारी को संभाला। दोनों के बीच 102 रनों की साझेदारी हुई, जो मैच की सबसे बड़ी पार्टनरशिप रही। अंतिम ओवरों में टीम लय खो बैठी, लेकिन रौनक वाघेला ने 6 गेंदों पर नाबाद 12 रन जोड़े।

वेस्ट दिल्ली लायंस के गेंदबाजों में मनन भारद्वाज सबसे सफल रहे, जिन्होंने 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट लिए। कप्तान नितीश राणा (2/31), ऋतिक शोकीन (1/27), अनिरुद्ध चौधरी (1/22) और तिशांत डाबला (1/3) ने भी योगदान दिया।

संक्षिप्त स्कोरः

ईस्ट दिल्ली राइडर्स - 158/8 (20 ओवर) - अर्पित राणा 71 (47), हार्दिक शर्मा 50 (37), मनन भारद्वाज 3/26

वेस्ट दिल्ली लायंस - 156/7 (20 ओवर) - कृष्ण यादव 44 (39), अंकित कुमार 42 (16), मयंक रावत 2/18

न्यूज ब्रीफ

फिटनेस टेस्ट के लिए एनसीए पहुंचे पंड्या सेंटर, पास होने पर ही एशिया कप खेल पाएंगे

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीए) पहुंचे। जहां अगले दो दिनों तक उनका फिटनेस टेस्ट होगा। इसमें पास होने पर ही वह अगले माह होने वाले एशिया कप में खेल पायेंगे। पंड्या ने 2024 टी-20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। एशिया कप 9 सितंबर से शुरु होगा। पंड्या से पहले बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने 27 से 29 जुलाई के बीच अपना फिटनेस टेस्ट पूरा किया था। श्रेयस ने दिसंबर 2023 से ही भारतीय टीम की ओर से कोई भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। ऐसे में देखना है कि क्या चयनकर्ता उन्हें शामिल करते हैं या नहीं। वहीं भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव भी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। सूर्यकुमार की जून में म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हुई थी। वह भी अगले एक सप्ताह तक एनसीए में ही रहेंगे और फिजियो-मेडिकल टीम की निगरानी में फिटनेस हासिल करने का प्रयास करेंगे। भारत की मेजबानी में यूएई में 9 से 28 सितंबर तक होने वाले टूर्नामेंट में भारतीय टीम को पाकिस्तान से भी 14 अक्टूबर को खेलना है। इस मैच का हालांकि काफी विरोध हो रहा और प्रशंसकों का कहना है कि टीम को पाक से नहीं खेलना चाहिये। दोनों टीमें टूर्नामेंट में तीन बार तक आमने-सामने आ सकती हैं एशिया कप में भारतीय टीम का पहला मुकाबला 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से होगा।

क्रिस्टल पैलेस ने लिवरपूल को पेनल्टी शूटआउट में हराकर जीता कम्युनिटी शील्ड का खिताब

लंदन। लंदन के वेम्बली स्टेडियम में रविवार को खेले गए कम्युनिटी शील्ड मुकाबले में क्रिस्टल पैलेस ने प्रीमियर लीग चैम्पियन लिवरपूल को 3-2 से पेनल्टी शूटआउट में हराकर खिताब अपने नाम किया। निर्धारित समय में मैच 2-2 से ड्रॉ रहा। गोलकीपर डीन हेंडरसन ने एक बार फिर अपनी पेनल्टी बचाने की शानदार क्षमता दिखाई, जैसा उन्होंने एफए कप फाइनल में भी किया था। सब्स्टीट्यूट जस्टिन डेवेनी ने निर्णायक पेनल्टी गोल कर पैलेस को जीत दिलाई। लिवरपूल की ओर से मोहम्मद सालाह ने पहली पेनल्टी बार के ऊपर मार दी, जबकि हेंडरसन ने एलेक्सिस मैक एलिस्टर और हार्वे एलियट के शॉट रोक दिए। मैच की शुरुआत में ही लिवरपूल ने बढ़त बनाई। चौथे मिनट में नए खिलाड़ी ह्यूगो एकीटीके ने फ्लोरियन विर्ट्ज़ के साथ बेहतरीन तालमेल के बाद गोल किया। 17वें मिनट में वर्जिल वान डाइक के फाउल पर मिले पेनल्टी को जीन-फिलिप माटेटा ने गोल में बदलकर पैलेस को बराबरी दिलाई। 20वें मिनट में जेरमी फ्रिमपोंग ने लिवरपूल के लिए दूसरा गोल किया, जो क्रॉस की कोशिश के दौरान पोस्ट से टकराकर गोल में चला गया। इसके बाद एकीटीके ने दूसरे हाफ में लिवरपूल की बढ़त बढ़ाने के दो मौके गंवाए। 77वें मिनट में इस्माइला सार ने पैलेस के लिए दूसरा गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। अंतिम मिनटों में पैलेस ने जीत का गोल करने की कोशिश की, लेकिन मैच पेनल्टी शूटआउट में चला गया, जहां डेवेनी ने विजयी शॉट लगाया।

अब सलामी बल्लेबाज के तौर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह बनाना चाहते हैं लाबुशेन

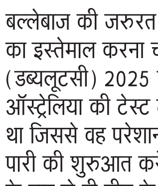

मेलबर्न। हाल में खराब फार्म के कारण ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम से बाहर हुए बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन का कहना है कि वह टीम में वापसी के लिए बतौर सलामी बल्लेबाज भी खेलने के लिए तैयार हैं। लाबुशेन ने ये बात इसलिए कही हैं क्योंकि टीम को आगामी एशेज सीरीज के लिए एक अच्छे सलामी बल्लेबाज की जरुरत है। ऐसे में लाबुशेन इस अवसर का इस्तेमाल करना चाहते हैं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्यलूटसी) 2025 के फाइनल के बाद से ही ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम से उन्हें बाहर कर दिया गया था जिससे वह परेशान हैं। अब लाबुशेन चाहते हैं कि वह पारी की शुरुआत करें क्योंकि डेविड वार्नर के संन्यास के बाद से ही टीम के पास कोई अच्छा सलामी बल्लेबाज नहीं है। अब तक स्टीव स्मिथ सहित जिसे भी अवसर दिया गया है वह असफल रहा है। लंबे समय से तीसरे नंबर पर खेल रहे इस खिलाड़ी को लगातार खराब प्रदर्शन के बाद जून और जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट दौरे से बाहर कर दिया गया था। 31 वर्षीय बल्लेबाज ने कहा, मेरे लिए बाहर होने का समय मुश्किल था, क्योंकि आप कभी भी टीम से बाहर नहीं होना चाहते, लेकिन जैसे ही चयनकर्ताओं की बातें सुनी मेरा दिमाग तुरंत इस ओर चला गया। इससे मुझे सोचने का मौका मिला और मीडिया के दबाव से भी मुक्ति मिली, जो कह रहा था, मार्नस को जाना होगा। एक निर्णायक मोड़ जरूर आता है, लेकिन यही वह चीज है जिससे मैं आगे बढ़ता हूं।

विराट , रोहित के संन्यास को लेकर अभी जल्दबाजी में फैसला नहीं करना चाहता बीसीसीआई, अभी टी20 विश्वकप पर है ध्यान

मुम्बई,11 अगस्त (एजेंसियां) ।

पिछले कुछ समय से एकदिवसीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के करियर को लेकर कई सवाल उठे हैं। जिसमें एक ये भी है कि क्या ये दोनो 2027 विश्व कप खेल पायेंगे वहीं इस मामले में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक कोई संकेत नहीं दिये हैं। एकदिवसीय विश्वकप को अभी दो साल हैं ऐसे में बीसीसीआई का ध्यान अभी अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप पर है। माना जा रहा है कि बीसीसीआई विराट और रोहित के एकदिवसीय करियर को लेकर अभी कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता है। ये दोनो ने ही टी20 और टेस्ट क्रिकेट को से संन्यास ले लिया है और अभी ये दोनो एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। विराट और रोहित की मैदान पर वापसी इसी माह बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज होनी थी पर इस दौरे को ही रद्द कर दिया गया जिससे मैदान पर उतरकर खेलने का इनका इंतजार बढ़ गया है। भारतीय टीम को अब अपनी अगली एकदिवसीय सीरीज 19 से 25 अक्टूबर के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी के मैदान पर खेलनी है। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद दोनों ही एक दिवसीय क्रिकेट खेलते या नहीं। बीसीसीआई के कुछ सदस्यों का ये भी मानना है कि ऑस्ट्रेलिया सीरीज की तैयारी के लिए दोनों खिलाड़ी पहले इंडिया-ए के लिए कुछ मैच खेलें। इंडिया ए को ऑस्ट्रेलिया-ए टीम से खेलना है। ऑस्ट्रेलिया-ए टीम भारत दौरे पर तीन लिस्ट-ए मैच खेलेगी। ये मुकाबले 30 सितंबर, 3 और 5 अक्टूबर को कानपुर में खेले जाएंगे। विराट और रोहित का एकदिवसीय में जबरदस्त रिकार्ड रहा है। इसके बाद भी उम्र इनके खिलाफ जा रही है। 2027 विश्वकप तक रोहित की उम्र 40 के करीब जबकि विराट की 39 के पास होगी। ऐसे में इन्हें अवसर अवसर मिलना बेहद कठिन हैं। ये भी कहा जा रहा है कि ये दोनो स्वयं बोर्ड को अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में बतायेंगे। अभी टीम का ध्यान फरवरी-मार्च में होने वाले टी20 विश्व कप और उससे पहले की तैयारियों पर है। विराट ने हाल ही में लंदन में अभ्यास शुरु कर दिया है। उन्होंने इससे जुड़ी अपनी तस्वीरें भी सोशल मीडिया में जारी की हैं। वहीं रोहित भी कुछ ही समय में अभ्यास करने जा रहे हैं।

अर्शदीप एशिया कप के पहले ही मैच में पूरे कर सकते हैं अपने 100 विकेट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह एशिया कप के पहले ही मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। एशिया कप 9 से 28 सितंबर तक यूएई में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम लीग स्तर पर दूसरे मैच में पाकिस्तान से खेलेगी। अर्शदीप के पास अपने पहले ही मैच में अपने 100 विकेट पूरे करने का अवसर है। अर्शदीप ने अबतक भारतीय टीम की ओर से 63 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 99 विकेट लिए हैं। ऐसे में अगर अर्शदीप एशिया कप में एक भी विकेट ले लेते हैं, तो वह इस प्रारुप में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। अर्शदीप सिंह के अलावा स्पिनर युजवेंद्र चहल टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय हैं, चहल ने 80 मुकाबलों में 96 विकेट लिए हैं जबकि हार्दिक पांड्या ने 114 मैचों में 94 विकेट अपने नाम किये हैं। अर्शदीप ने अब तक 63 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं। एशिया कप का पहला मुकाबला अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच होगा। इसमें भारतीय टीम के सभी मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। इसमें भाग ले रही आठ टीमों को चार-चार के दो समूहों में बांटा गया है। ग्रुप-ए में भारत, पाकिस्तान, यूएई और ओमान की टीमें हैं जबकि ग्रुप-बी में श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और हांगकांग हैं। प्रत्येक ग्रुप से दो-दो टीमें सुपर-4 में पहुंचेंगी, जिसमें शीर्ष पर रहने वाली टॉप-2 टीमों के बीच खिताबी मुकाबला होगा।

सैमसन के जाने पर पराग सहित ये तीन होंगे रॉयल्स में कप्तानी के दावेदार

मुम्बई,11 अगस्त (एजेंसियां) ।

विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के अपनी आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स को छोड़कर चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) जाने कीं संभावनाएं हैं। सैमसन जैसे अनुभवी खिलाड़ी की कमी पूरी करना रॉयल्स के लिए आसान नहीं होगा क्योंकि वह कप्तानी के साथ ही बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभालते हैं। वह टीम के सबसे बेहतर खिलाड़ियों में से एक हैं। उनके जाने के बाद रॉयल्स को नये कप्तान की तलाश करनी होगी और इसके लिए रियान पराण , यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल प्रबल दावेदार हैं।

रियान पराग

पराग ने आईपीएल 2025 में भी सैमसन के चोटिल होने के कारण कई मैचों में कप्तानी की थी। रियान एक अच्छे बल्लेबाज हैं और यवा हैं ऐसे में वह एक कप्तान के तौर पर एक बेहतर विकल्प हैं। रियान ने टीम के लिए 2024 में सबसे ज्यादा रन बनाए थे। वह बल्लेबाजी के साथ ही स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। इसके अलावा उनका क्षेत्ररक्षण भी अच्छा है।

यशस्वी जायसवाल

यशस्वी जायसवाल एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। वह भरतीय टेस्ट टीम में भी शामिल हैं। वह तीनों ही प्रारुपों में खेलते हैं। ऐसे में भविष्य को देखते हुए उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

ध्रुव जुरेल

जुरेल एक विकेटकीपर बल्लेबाज हैं और उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड दौरे में भी ऋषभ पंत के चोटिल होने के कारण विकेटकीपिंग की थी। जुरेल एक अच्छे विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं जो हार प्रकार के हालातों में खेल सकते हैं। उन्हें घरेलू मैचों में भी कप्तानी का अनुभव है। उन्होंने अकेले ही राजस्थान को कई मैचों में जीत दिलायी है। विकेटकीपर बल्लेबाज होने के कारण वह सैमसन के स्वाभाविक विकल्प हो सकते हैं।

ऋषभ तोड़ सकते हैं धोनी के रनों का रिकार्ड : चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आने वाले समय में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को रनों के मामले में पीछे छोड़ देंगे। ऋषभ ने अभी तक 47 टेस्ट मैचों में 44.50 की औसत से 3427 रन बनाए हैं। इसमें आठ शतक शामिल हैं। वहीं धोनी के नाम छह शतक है। धोनी ने अपने करियर में 90 टेस्ट मैच खेले हैं। चोपड़ा ने कहा, खेलों और रनों की संख्या के मामले में धोनी शीर्ष पर हैं। उन्होंने 90 मैच, 144 पारियां खेली हैं जिनमें 38.09 की औसत से 4876 रन बनाए हैं और उनके नाम छह शतक हैं। वहीं ऋषभ ने पिछले पांच सालों में छह शतक लगाए हैं। चोपड़ा ने कहा, अगर हम कुल मिलाकर देखें, तो ऋषभ पंत आठ शतक लगा चुके हैं और धोनी छह शतक लगा चुके हैं। ऋषभ रनों की संख्या के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। वह एमएस धोनी से 1400 रन पीछे हैं और लगभग आधे मैच खेल चुके हैं। अगर वह और खेलेंगे, तो तय है कि वह धोनी से आगे निकल जाएंगे। इंग्लैंड के हाल के टेस्ट दौरे की 7 पारियों में इस बल्लेबजा ने 68.42 की शानदार औसत से 479 रन बनाए जिसमें लीड्स के हेडिंग्ले में सीरीज के पहले मैच में लगाए गए दो शतक भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, अगर हम इंग्लैंड में किसी विकेटकीपर द्वारा बनाए गए सबसे ज़्यादा रनों पर नजर डालें, तो ऋषभ इंग्लैंड में 1000 रन बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर की

तरौबा,11 अगस्त (एजेंसियां) ।

रॉस्टन चेज़ और जस्टिन ग्रीव्स की शानदार साझेदारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने सोमवार को (भारतीय समयानुसार) वर्षा बाधित दूसरे वनडे में पाकिस्तान को 10 गेंद शेष रहते पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। चेज़ ने 47 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाए, जिसमें दो छक्के और विजयी चौका शामिल था। वेस्टइंडीज ने 33.2 ओवर में पांच विकेट पर 184 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया। मेज़बान टीम को बारिश के कारण डीएलएस पद्धति से 35 ओवर में 181 रन का संशोधित लक्ष्य मिला था। पाकिस्तान की पारी 37 ओवर में सात विकेट पर 171 रन पर सिमटी। तेज़ गेंदबाज़ जेडन सील्स ने सात ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने 18वें ओवर तक तीन विकेट पर 101 रन बनाए थे, लेकिन 24वें ओवर तक स्कोर 111/5 हो गया। इस दौरान शेरफेन रदरफोर्ड 33 गेंदों पर 45 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें तीन छक्के और चार चौके शामिल थे। चेज़ और ग्रीव्स (31 गेंदों पर नाबाद 26) ने छठे विकेट के लिए 77 रनों की नाबाद साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर गेंदबाज़ी चुनी। पाकिस्तान के लिए हसन नवाज़ ने 30 गेंदों पर नाबाद 36 रन बनाए, जिसमें तीन छक्के शामिल थे — दो छक्के आखिरी ओवर में आए, जिसके बाद बारिश ने खेल रोक दिया। हुसैन तलत ने 32 गेंदों पर 31 रन जोड़े। कप्तान मोहम्मद रिज़वान 38 गेंदों पर 16 रन बनाकर गुडकैश मोटी की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए।

गौरतलब है कि शुक्रवार को खेले गए पहले वनडे में पाकिस्तान ने भी वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया था। सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला मंगलवार को इसी मैदान पर खेला जाएगा। इससे पहले फ्लोरिडा में खेली गई टी20 सीरीज पाकिस्तान ने 2-1 से जीती थी।

रोनाल्डो के दो गोल बेकार, प्री-सीजन फ्रेंडली में अलमेरिया ने अल नास्र को 3-2 से हराया

नई दिल्ली,11 अगस्त (एजेंसियां) ।

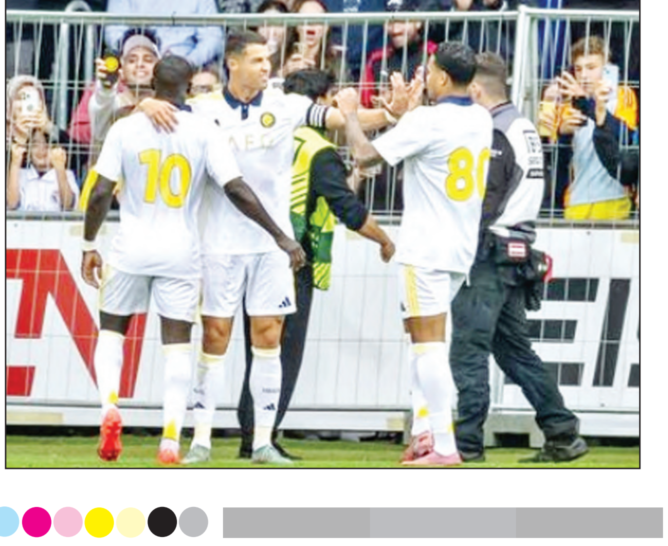

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के शानदार दो गोल भी अल नास्र को हार से नहीं बचा सके। सऊदी प्रो लीग क्लब अल नास्र को रविवार को ला लीगा 2 की टीम यूडी अलमेरिया के खिलाफ प्री-सीजन फ्रेंडली मुकाबले में 2-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी। मैच की शुरुआत में ही 6वें मिनट में सर्जियो अरीबास ने लियो बैप्टिस्टाओ के पास पर गोल कर अलमेरिया को बढ़त दिला दी। हालांकि, 11वें मिनट में आयमन यह्या और सादियो माने के बेहतरीन वन-टच पासिंग मूव पर रोनाल्डो ने पेनल्टी बॉक्स के भीतर से गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। पहले हाफ में ही रोनाल्डो ने अपना दूसरा गोल भी किया। गोलकीपर अल्वारो फर्नांडीज द्वारा बॉक्स में फाउल करने पर मिली पेनल्टी को उन्होंने आसानी से गोल में बदल दिया। इस तरह रोनाल्डो ने दो मैचों में कुल पांच गोल पूरे किए। लेकिन अल नास्र के गोलकीपर नवाफ अल-अकीदी की एक बड़ी गलती ने टीम को मुश्किल में डाल दिया। बॉक्स से बाहर निकलकर पास काटने के प्रयास में उन्होंने गेंद सीधे एड्रियन एम्बार्बा को दे दी, जिसने खाली गोल में गेंद डालकर स्कोर बराबर कर दिया। दूसरे हाफ में रोनाल्डो को सब्स्टीट्यूट करने के बाद अल नास्र का आक्रमण कमजोर पड़ गया। अलमेरिया के एम्बार्बा ने अरीबास के पास पर शानदार शॉट लगाकर टीम को निर्णायक बढ़त दिलाई। मैच के अंतिम मिनटों में जोआओ फेलिक्स को बराबरी का मौका मिला, लेकिन वह दाईं ओर से आए लो क्रॉस पर अंतिम टच नहीं दे सके और अल नास्र को हार का सामना करना पड़ा।

बार्सिलोना ने कोमो को 5-0 से हराकर जीती जोआन गैम्पर ट्रॉफी

बार्सिलोना। मौजूदा स्पेनिश चैंपियन बार्सिलोना ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) इटली की टीम कोमो को 5-0 से मात देकर अपने प्री-सीज़न की तैयारी पूरी की और जोआन गैम्पर ट्रॉफी अपने नाम की। इस मैच ने गोलकीपर मार्क-आंद्रे टेर स्टेगन और क्लब के बीच रिश्तों में आई तल्खी को भी कम करने का संकेत दिया। मैच में फ़रमिन लोपेज़ और लामिन यामाल ने दो-दो गोल दागे, जबकि ब्राज़ीली राफिन्हा ने पहला गोल किया। यह मुकाबला जोहान क्रूइफ़ स्टेडियम में खेला गया, क्योंकि कैम्प नोउ के आधुनिकीकरण का काम अभी जारी है। हांसी फ़्लिक की टीम ने लीग खिताब बचाने की तैयारी में जबरदस्त लय दिखाई। मैच से पहले टेर स्टेगन ने पारंपरिक कप्तानी संबोधन किया। हाल ही में उनकी पीठ की चोट को लेकर क्लब से विवाद सामने आया था, लेकिन 33 वर्षीय जर्मन गोलकीपर ने कहा, क्लब और मेरे बीच मुद्दा सुलझाना ज़रूरी था, अब आगे देखने का समय है। हम सभी ट्रॉफियों के लिए फिर से लड़ेंगे और उम्मीद है आपकी मदद से सभी खिताब जीतेंगे। दो दिन पहले ही उन्हें कप्तानी वापस सौंपी गई थी।

ओप्पो के 13 टर्बो 5जी और ओप्पो के 13 टर्बो प्रो जल्द होंगे लांच

नई दिल्ली,11 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत में चाइनीज कंपनी ओप्पो जल्द ही अपना पहला इन-बिल्ट फैन वाला स्मार्टफोन लॉन्च करेगी। ओप्पो कंपनी ओप्पो के 13 टर्बो 5जी और ओप्पो के 13 टर्बो प्रो को 11 अगस्त को पेश करेगी। ओप्पो के 13 टर्बोसीरीज की खासियत इसका पावरफुल परफॉर्मेंस, लंबी बैटरी लाइफ और कूलिंग फीचर है, जो खासतौर पर गेमिंग यूजर्स के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। ओप्पोके 13 टर्बो में 7000एमएएच की बड़ी बैटरी दी गई है, जिससे यह फोन पूरे दिन आराम से चल सकता है, चाहे आप गेम खेलें या वीडियो देखें। इस फोन में खास इन-बिल्ट फैन भी मौजूद है जो डिवाइस को ओवरहीट होने से बचाता है।

भारत में यह फीचर पहली बार किसी स्मार्टफोन में देखने को मिलेगा। फोन में 6.8 इंच की बड़ी अमोलेड डिस्प्ले दी गई है, जो 1.5के रेजोल्यूशन और 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ आती है। इससे गेमिंग और स्क्रॉलिंग का अनुभव और भी स्मूद बनता है। कैमरे की बात करें तो इसमें 50एमपी का प्राइमरी सेंसर, 2एमपी का सेकेंडरी सेंसर और 16एमपी का फ्रंट कैमरा मिलेगा। ओप्पो की एआई टेक्नोलॉजी से फोटोज को और भी बेहतर बनाया गया है।

नया स्मार्टफोन पोको एम7 प्लस 5जी जल्द होगा लॉन्च

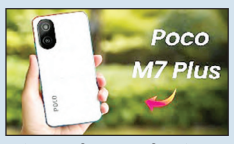

नई दिल्ली। स्मार्टफोन निर्माण करने वाली कंपनी पोको अपनी लोकप्रिय एम7 सीरीज में नया स्मार्टफोन पोको एम7 प्लस 5जी जल्द लॉन्च करने जा रहा है। इस फोन की माइक्रोसाइट पहले ही फलीपकार्ट पर लाइव हो चुकी है, जिससे इसके डिजाइन की झलक मिल चुकी है। फोन में सफेद बॉडी के साथ नीले और लाल एजेज़ वाला ग्रेडिएंट लुक देखने को मिला है, जो इसे एक प्रीमियम फील देता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फोन में क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 6एस जेन 3 प्रोसेसर होगा, जो 6एनएम टेक्नोलॉजी पर आधारित है। इसके साथ ही इसमें 6.9-इंच की एफएचडी प्लस आईपीएस एलसीडी डिस्प्ले मिलेगी, जो 144एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करती है, जिससे यूजर्स को स्मूद एक्सपीरियंस मिलेगा। फोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी 7000एमएएच एसआई-कार्बन बैटरी मानी जा रही है, जो 33 वॉट फास्ट चार्जिंग और 18 वॉट रिवर्स वायर्ड चार्जिंग को सपोर्ट करती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

डॉलर का कॉलर...

शक्तिशाली दिखाने का भ्रम फैलाती हैं। जबकि वियतनामी, रूसी या अफगानी कैरेक्टर्स को हिंसक और बर्बर दिखाया जाता है। इस तरह की फिल्मों के जरिए अमेरिका न सिर्फ अपने युद्ध और नरसंहारों को नैतिक रूप से सही और जायज ठहराता है, बल्कि दुश्मन देशों को असभ्य और खतरनाक भी साबित करने की कोशिश करता है।

जब साल 1988 में रैम्बो फिल्म का थर्ड पार्ट रिलीज हुआ, तब हॉलीवुड ने अफगान मुजाहिदीन को सोवियत सेना के खिलाफ बहादुर और हीरो के रूप में पेश किया। क्योंकि उस समय अमेरिका, अफगान मुजाहिदीन का सोवियत संघ के खिलाफ समर्थन कर रहा था। लेकिन 9/11 के आतंकी हमले के बाद ओसामा बिन लादेन और अल-कायदा के लिए हॉलीवुड की कहानी में ट्विस्ट आ गया। इसी हॉलीवुड ने साल 2012 में जीरो डार्क थर्टी जैसी फिल्में बनाईं, जहां उन्हीं मुजाहिदीनों को आतंकवादी और विलेन के रूप में दिखाया गया।

यह कहानी सिर्फ एक भू-राजनीतिक विश्लेषण नहीं है। बल्कि, यह कहानी उस गठजोड़ की है, जो रीगनॉमिक्स से शुरू हुआ और अब आरआईसी यानी, रूस, इंडिया और चीन के एकजुट होने तक पहुंच रहा है। इसमें गलवान की चोट भी है, चाइमेरिका का मोहभंग भी है और डी-डॉलराइजेशन की दस्तक भी है। ये सभी मिलकर पश्चिमी साम्राज्य को ध्वस्त करने जा रहे हैं।

हम 1949 के फ्लैशबैक में चलें जब माओत्से तुंग की कम्युनिस्ट क्रांति के बाद अमेरिका ने चीन की नई सत्ता को मान्यता देने से इन्कार कर दिया था और ताइवान का समर्थन शुरू किया था। फिर कोरिया युद्ध में दोनों आमने-सामने आ गए, जिससे रिश्तों में गहरी खामोशी छा गई और यह खामोशी 25 साल तक चली। इस बीच 1960 के दशक में दुनिया शीत युद्ध (कोल्ड वार) की दो ध्रुवीय गुटों में बंटी हुई थी, जहां अमेरिका और यूएसएसआर यानि, सोवियत संघ आमने-सामने थे। लेकिन यहां पर चीन के रूप में एक तीसरा खिलाड़ी भी जगह बना रहा था। 1970 के दशक की शुरुआत में समीकरण बदले। चीन और सोवियत संघ के बीच भी तनाव बढ़ने लगा और अमेरिका ने इस दूरी को अपने हित में भुनाने का फैसला किया। इसी दौरान अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिंजर अपनी शटल डिप्लोमेसी के लिए बहुत चर्चित हुए थे। उन्होंने पाकिस्तान के रास्ते गुप्त रूप से बीजिंग की यात्रा की। किसिंजर की शटल डिप्लोमेसी के बाद साल 1972 आया जब शीत युद्ध की गर्मागर्मी के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन चीन पहुंचे। और इसी के साथ दोनों देशों की 25 साल पुरानी खामोशी टूटी। निक्सन का चीन जाना केवल एक कूटनीतिक यात्रा नहीं थी, बल्कि यह सोवियत संघ के खिलाफ एक रणनीतिक समीकरण की शुरुआत थी। इसका मकसद सिर्फ एक ही था, सोवियत संघ के खिलाफ चीन के रूप में दूसरा धड़ा तैयार करना।इसके बाद शंघाई कम्युनिक लाया गया। अमेरिका-चीन, दोनों देशों के रिश्तों की शुरुआत हुई, लेकिन कोई ठोस आर्थिक समझौता नहीं हुआ। असली फायदा कम्युनिस्ट राष्ट्र चीन को हुआ, जो अब तक बाजार में अलग-थलग पड़ा हुआ था लेकिन अब अमेरिका के पूंजीवादी सिस्टम का दोहन कर अपने आर्थिक ढांचे की जमीन तैयार कर रहा था।1978-80 के दौरान आधुनिक चीन का निर्माता कहे जाने वाले देंग शियाओपिंग ने सुधार और खुले मार्केट की गैइग काइफांग की नीति शुरू की। और इसका मतलब होता है सुधार और खुलापन। देंग ने चीन की बंद इकॉनमी को मार्केट इकॉनमी में बदल दिया, जिसे समाजवाद का चोला पहनाया गया। पहली बार चीन में स्पेशल इकोनॉमिक जोन्स बने और विदेशी पूंजी का स्वागत किया गया। चीन में पश्चिमी निवेशकों की लाइन लगने लगी जिसके परिणामस्वरूप आईबीएम, एचपी और मोटोरोला जैसी कंपनियां चीन में फैक्ट्रियां लगाने लगीं।चीन को लुभाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति रॉनल्ड रेगन ने चीन को मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा दिया। 1980 के दशक में अमेरिका को सस्ते मैनुफैक्चरिंग की जरूरत थी और चीन को डॉलर एवं तकनीक की। रीगनॉमिक्स की नीतियों ने बाजार को और खोल दिया। अमेरिकी कंपनियां चीन में सेटअप लगाने लगीं। वालमार्ट, एप्पल, नाइकी जैसी कंपनियों ने चीन को 21वीं सदी आते-आते फैक्ट्री ऑफ द वर्ल्ड बना दिया। इसी बीच 1991 में सोवियत संघ का विखंडन हो गया। सोवियत संघ के बिखरने के बाद चीन और अमेरिका के बीच एक किस्म का परस्पर लाभ लेने वाली दोस्ती का क्रम चलता रहा। साल 2001 में चीन को डब्लूटीओ की सदस्यता मिली। यह अमेरिका का एक बड़ा दांव था और उसे उम्मीद थी कि ग्लोबल इकोनॉमी में आने से चीन उदारवादी बनेगा। लेकिन हुआ इसका उल्टा। चीन ने अमेरिकी बाजार में सस्ती वस्तुओं की बाढ़ लगा दी, जिससे अमेरिका की घरेलू इंडस्ट्री चरमरा गई। चीनी कंपनियां अमेरिकी टेक्नोलॉजी की कॉपी करने लगीं। चीन से इम्पोर्ट तेजी से बढ़ा, लेकिन चीन ने अमेरिकी सामानों की खरीद कम की और यहीं से दोनों देशों के बीच ट्रेड डेफिसिट का घमासान शुरू हुआ। नतीजा ये हुआ कि साल 1993 में अमेरिका का चीन के साथ व्यापार घाटा करीब 22 अरब डॉलर था, जो बढ़कर 2005 तक 202 अरब डॉलर हो गया, यानि 12 साल में यह 9 गुना बढ़ गया। और यही असंतुलन आगे चलकर ट्रंप और बाइडेन, दोनों की चाइना पॉलिसी पर हावी नजर आया।2008 में वित्तीय संकट ने जब अमेरिका को तोड़कर रख दिया, तब चीन ने इस मौके का इस्तेमाल बाजार पर अपनी ताकत दिखाने में किया। स्टेट-कैपिटलिज्म और सेंट्रल बैंकिंग मॉडल को ग्लोबल मंच पर रखा गया। यही समय था जब चीन को लगने लगा कि वह अमेरिका को टक्कर दे सकता है। अब चीन, डॉलर का सिर्फ ग्राहक नहीं, उसका विकल्प भी बनने की तरफ बढ़ने लगा। यही वो समय था, जब हॉलीवुड की फिल्मों में चायनीज विलेन दिखाई देने लगे। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल 2016 में खुलकर घोषणा की कि चीन दशकों से हमें लूट रहा है। ट्रंप के तेवर से ये साफ दिखने लगा कि उसके भीतर चीन को लेकर कितना आक्रोश भरा था। कोरोना वायरस को लगातार चायनीज वायरस कहना भी इसी गुस्से की झलक थी।अब अमेरिका को सिर्फ चीन का डर नहीं बल्कि भारत-रूस-चीन के संभावित गठजोड़ का डर सता रहा है। कोविड महामारी के बीच जब 2022 में रूस और यूक्रेन एक दूसरे के सामने आए, तब रूस पर पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद उसने युआन और रूबल में व्यापार शुरू किया। चीन पहले से ही अपने डिजिटल युआन को बढ़ावा दे रहा था। यह वो समय था जब भारत भी रुपया-रूबल और अन्य द्विपक्षीय समझौतों की ओर बढ़ रहा था। इस प्रक्रिया को ही डी-डॉलराइजेशन कहा गया जिसने अमेरिकी आर्थिक प्रभुत्व की नींव हिलाना प्रारंभ कर दिया है।

डॉलर की दादागीरी से मुक्ति की सोच ने ही ब्रिक्स का नया रास्ता निकाला। इसीलिए ब्रिक्स के खिलाफ ट्रंप लगातार आग उगल रहे हैं। यह कह रहे हैं कि जो देश ब्रिक्स की नीतियों का समर्थन करेगा, उस पर भारी मात्र में टैरिफ लगाया जाएगा। साल 2023-24 में ब्रिक्स का विस्तार हुआ। सऊदी अरब, यूएई, ईरान, मिस्र जैसे देश शामिल हुए। ये सभी देश पश्चिमी दबाव से बाहर निकलकर एक नए पावर सेंटर की तलाश में हैं। ब्रिक्स बैंक, डिजिटल करेंसी और युआन में ट्रेड की चर्चाएं अमेरिका की चिंता का कारण बन चुकी हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने इसी बीच कई देशों पर टैरिफ और आर्थिक धमकियां फिर से शुरू कर दीं। और इसका सबसे ताजा निशाना भारत है। क्योंकि ब्रिक्स में जो आरआईसी (रूस-इंडिया-चाइना) है, अमेरिका और ट्रंप को सबसे ज्यादा समस्या उसी से है। जिस दिन भारत, रूस और चीन अपनी प्राथमिकताएं साझा करने लगेंगे, उसी दिन वाशिंगटन को एहसास होगा कि एकध्रुवीय विश्व (यूनीपोलर वर्ल्ड) के दिन अब लद गए। अब अमेरिका का एकाधिकार इतिहास बन चुका है।

पर विपक्षी दलों ...

प्राप्त दावे और आपत्तियों की संख्या अब भी शून्य है। सबसे ज्यादा 53338 बूथ लेवल एजेंट देने वाली सत्ताधारी राष्ट्रीय स्तर की पार्टी भाजपा हो या क्षेत्रीय स्तर पर होने के बावजूद 47506 बूथ लेवल एजेंट देने वाला राष्ट्रीय जनता दल, अब तक किसी ने एक भी दावा या आपत्ति का कागज नहीं दिया है।

एक तरफ विपक्षी दल विपक्ष इस मसले को लेकर इतने गंभीर हैं कि एक भी औपचारिक शिकायत चुनाव आयोग में दर्ज नहीं कराई। दूसरी तरफ इसके खिलाफ सड़क पर दिखावटी उछल-कूद खूब मचा रहे हैं। आज विपक्षी दल के नेताओं ने सड़क पर खूब प्रहसन खेला और अराजकता का सार्वजनिक प्रदर्शन किया। इंडी गठबंधन के नेता बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान मतदाता धोखाधड़ी के आरोपों पर संसद से चुनाव आयोग तक मार्च निकाल रहे थे। विपक्षी नेताओं ने परिवहन भवन के पास लगे बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की। पुलिस द्वारा रोकने पर अखिलेश यादव और महुआ मोइत्रा समेत कई सांसद अपनी उम्र और सांसद होने की सारी मर्यादा त्याग कर बैरिकेड्स पर चढ़ने की कोशिश करने लगे। कुछ सांसद बैरिकेडिंग फांदकर बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे सांसदों को समझाने की कोशिश की, लेकिन जब सांसदों ने सड़क से हटने से इनकार किया तो राहुल-प्रियंका गांधी समेत तमाम नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। प्रदर्शन का प्रहसन सड़क पर खेला जाता रहा, लेकिन विपक्षी दल की तरफ से एक भी औपचारिक शिकायत या ज्ञापन चुनाव आयोग में दर्ज नहीं कराया गया।

भारतीय वायुसेना ...

एसयू-57 स्टील्थ फाइटर जेट को दुनिया के सबसे एडवांस फाइटर जेट्स में गिना जाता है। एसयू-57 दो-इंजन वाला मल्टी-रोल स्टील्थ जेट है, जो सुपरसोनिक स्पीड, एडवांस्ड एवियोनिक्स और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर क्षमताओं से लैस है।भारतीय वायुसेना राफेल विमान के लिए भी जल्द ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) से प्रारंभिक मंजूरी मांगेगी। अभी वायुसेना के पास 31 फाइटर स्काड्रन (16-18 विमानों की टुकड़ी) हैं, जो अगले महीने पुराने मिग-21 विमानों के रिटायर होने के बाद 29 तक सिमट जाएंगे। जबकि वायुसेना को 42.5 स्काड्रन की जरूरत है, ताकि वह पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसियों से एक साथ होने वाली चुनौतियों का सामना कर सके। इस कमी को पूरा करने के लिए वायुसेना चाहती है कि रूस से एसयू57 विमानों के साथ-साथ फ्रांस से और राफेल लड़ाकू विमान खरीदे जाएं। उल्लेखनीय है कि रूस के एसयू-57 पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान हैं, जबकि राफेल 4.5वीं पीढ़ी के।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने चीनी मूल के जे-10 लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया, जो पीएल-15 मिसाइलों से लैस थे। ये मिसाइलें 200 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तक मार कर सकती हैं। इसके अलावा खबर है कि चीन जल्द ही पाकिस्तान को 40 जे-35ए स्टील्थ फाइटर जेट्स देने वाला है, जो पांचवीं पीढ़ी के अत्याधुनिक विमान हैं। दूसरी ओर भारत के पास अभी पांचवीं पीढ़ी का कोई विमान नहीं है। राफेल 4.5वीं पीढ़ी का है, जो भारत का सबसे आधुनिक विमान है।मल्टी रोल फाइटर (एमआरएफ) प्रोजेक्ट के तहत 114 नए विमान खरीदे जाने हैं। यह प्रस्ताव पिछले 7-8 वर्षों से अंटका हुआ है। इसके अलावा भारत के पास अभी पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट्स नहीं हैं, जबकि पाकिस्तान को चीन से ऐसे विमान मिलने वाले हैं। भारत का अपना एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) 2035 तक तैयार होगा। रूस से सुख-ोई-57 मिलने के लिए भी भारतीय वायुसेना को इंतजार करना पड़ेगा। वायुसेना चाहती है कि मल्टी रोल फाइटर की मांग जल्द से जल्द पूरी हो। नौसेना को भी 2028-2030 तक 26 राफेल-मरीन विमान मिलने वाले हैं, जो आईएनएस विक्रांत विमानवाहक पोत से ऑपरेट करेंगे।

आनंद शर्मा ने कांग्रेस...

खासकर अफ्रीका के मामले में उनके ज्ञान की गहराई अत्यन्त तीक्ष्ण है। तिवारी ने कहा, चूंकि हम मई के अंत से जून 2025 की शुरुआत तक एक ही राजनीतिक-रणनीतिक प्रतिनिधिमंडल में साथ थे, इसलिए हमें उनकी अंतर्दृष्टि से बहुत लाभ हुआ। उन्होंने अपने जीवन के लगभग साढ़े पांच दशक कांग्रेस की सेवा में बिताए हैं। हम उनके उनके स्वस्थ और संपूर्ण जीवन की कामना करते हैं।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता आनंद शर्मा, शशि थरूर और मनीष तिवारी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे, जो विदेशों में गया था। हालांकि, संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान कांग्रेस के वक्ताओं में ये लोग शामिल नहीं किए गए थे। मनीष तिवारी ने बहस में शामिल रहने के लिए पार्टी नेतृत्व से अनुरोध किया था, लेकिन उनका अनुरोध अस्वीकार कर दिया गया। शशि थरूर ने तो बहस में शामिल होने से ही मना कर दिया था। क्योंकि थरूर पूरी तरह से केंद्र सरकार के साथ थे। उस दौरान थरूर ने कई बयान भी दिए थे, जो कांग्रेस पार्टी की लाइन के विपरीत थे।

गोल्ड से इंपोर्ट....

(जिसका कागजों में कोई आंकड़ा नहीं है) को भी गति दी। इस काले धन से बिना हिसाब-किताब के रीयल एस्टेट डील, ज्वैलरी नेटवर्क और हवाला कारोबार चलाया गया। इससे जुड़ा एक मामला भी सामने आया था, जिसमें एक ज्वेलरी चेन के 4000 निवेशक थे, जो सेबी के नियमों का सीधा उल्लंघन है। ऐसी कंपनियां मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराध में भी सक्रिय थीं।

लेकिन केंद्र सरकार ने जब से सोने के आयात पर शुल्क घटाने का फैसला लिया, तभी से यह व्यवस्था पूरी तरह ढह गई। एक किलो पर मुनाफा घटकर अब करीब 3 लाख रह गया। कैरियर की फीस भी कम हो गई और यहां तक की खाड़ी देशों से केरल आने वाला सोना भी काफी कम हो गया। इसकी आधिकारिक पुष्टि हुई है।

एयर ट्रैफिक के आंकड़े बताते हैं कि खाड़ी देशों से आने वाले यात्रियों की संख्या भी भारत में कम हुई है। यहां तक कि गल्फ एयर ने डिमांड कम होने के चलते साल 2025 में कालीकट की उड़ानें बंद कर दीं। इससे साफ है कि तस्करी के तार टूटने लगे हैं। केंद्र सरकार के फैसले से सोने का कानूनी व्यापार जरूर बढ़ा और वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने साल 2024 की तीसरी तिमाही में हर साल 18 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की। लेकिन अवैध नगदी के अचानक गायब होने से केरल की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लगा। 2024-25 में प्रदेश की जीएसडीपी ग्रोथ 6.19 प्रतिशत रह गई, जो दक्षिण भारत में सबसे कम थी। रियल एस्टेट, निर्माण और लग्जरी रिटेल जैसे सभी क्षेत्रों में गिरावट साफ दिखने लगी। इस मंदी ने साफ कर दिया केरल की अर्थव्यवस्था अब तक काले धन पर निर्भर थी। केरल में प्रॉपर्टी डील 18 प्रतिशत घटी, लग्जरी हाउसिंग की कीमतें 25 प्रतिशत तक नीचे आईं और निर्माण क्षेत्र की वृद्धि राष्ट्रीय औसत से पीछे रह गई। खाड़ी से आने वाले रेमिटेंस में भी 2024 में 10 प्रतिशत की कमी आई, जिससे प्रदेश में काला धन लाने वाले कानूनी और अवैध सोर्स दोनों की कमजोर हो गए।यह कदम महज एक टैक्स सुधार नहीं था बल्कि एक रणनीतिक प्रहार था, जिसने आतंकवाद फंडिंग और राजनीतिक भ्रष्टाचार से जुड़े एक अपराधिक नेटवर्क को कमजोर कर दिया। लेकिन इस कहानी का राजनीतिक पहलू अभी भी जीवित है। साल 2020 के केरल गोल्ड स्मगलिंग केस की मुख्य आरोपियों में से एक स्वप्ना सुरेश ने 2023 में सनसनीखेज दावा किया कि उन्हें मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन का नाम केस से हटाने के लिए 30 करोड़ रुपए की पेशकश हुई थी। स्वप्ना सुरेश ने आरोप लगाया कि खुद मुख्यमंत्री ने उन्हें देश छोड़ने की धमकी दी और सीपीएम के प्रदेश सचिव गोविंदन मास्टर के कहने पर पार्टी के लोग उन्हें डराने-धमकाने लगे। यहां तक कि उन्हें हरियाणा या जयपुर भेजने की योजना बनाई गई थी, जिसमें सरकार की तरफ से फ्लैट और फर्जी पासपोर्ट की भी व्यवस्था की जा रही थी।स्वप्ना ने कई बार सीएम विजयन और उनके परिवार के सदस्यों और तीन कैबिनेट मंत्रियों के नाम हवाला और तस्करी से जुड़े मामलों में लिए हैं। उन्होंने पहले भी गवाही में कहा था कि 2016 में दुबई में मौजूद सीएम को भेजे जा रहे नगदी से भरे बैग को एयरपोर्ट स्कैनिंग में पकड़ा गया था, जो कांसुलर प्रोटोकॉल के तहत भेजा जा रहा था। उन्होंने यह भी दावा किया कि तब के प्रिंसिपल सेक्रेटरी एम. शिवशंकर के निर्देश पर यूएई कॉन्सुलेट से मेटल से भरे बिरयानी के बर्तन मुख्यमंत्री के सरकारी आवास क्लिफ हाउस में ले जाए गए थे। ये आरोप 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले सामने आए थे और 2024 में फिर से चर्चा में आ गए, जब केंद्र सरकार के इस राजकोषीय प्रहार ने उस आर्थिक जड़ को काट दिया, जिस पर यह पूरा अवैध साम्राज्य खड़ा था।

सरकार ने स्टारलिंक...

पूरा करना बाकी है। जिसमें भारत में अर्थ स्टेशन गेट-वे बनाना और यूजर डेटा को विदेश में स्टोर न करने की गारंटी देना शामिल है। दूरसंचार मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने बताया कि कंपनी को स्पेक्ट्रम आवंटन, ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी प्रक्रियाओं को पूरा करना होगा। ये कदम भारत की सुरक्षा और डेटा गोपनीयता के लिए जरूरी हैं। स्टारलिंक अब इन शर्तों को पूरा करने में जुट गई है ताकि जल्द भारत में सैटेलाइट इंटरनेट शुरू कर सके।

पाकिस्तान में...

पाकिस्तान के सबसे अधिक आबादी वाले प्रांत पंजाब में स्थिति सबसे विकट है। यहां जनवरी 2022 और सितंबर 2024 के बीच अल्पसंख्यक बच्चों के खिलाफ हिंसा की 40 प्रतिशत घटनाएं हुईं। रिपोर्ट में पुलिस रिकॉर्ड से प्राप्त ब्यौरे से पता चलता है कि पीड़ितों में 547 ईसाई, 32 हिंदू, दो अहमदिया और दो सिख शामिल थे।

एनसीआरसी की रिपोर्ट एकल राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की आलोचना करते हुए कहती है कि इसमें धार्मिक समावेश का अभाव है। ईसाई और हिंदू छात्रों को अपनी आस्था के विपरीत इस्लामी विषय पढ़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है। अल्पसंख्यक छात्रों को स्कूलों में सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है। अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चे कक्षाओं में आगे बैठने, प्रश्न पूछने या यहां तक कि साझा गिलास से पानी पीने में भी हिचकिचाते हैं। उनकी मान्यताओं का मजाक उड़ाया जाता है और ईश्वरीय पुरस्कार पाने के लिए उन्हें इस्लाम धर्म अपनाने के लिए कहा जाता है।रिपोर्ट बंधुआ मजदूरी की ओर भी ध्यान आकर्षित करती है, जहां हिंदू व ईसाई बच्चे अक्सर ईंट भट्टों या कृषि कार्यों में जबरन मजदूरी के दुष्चक्र में फंस जाते हैं। उनके परिवार पहले से ही पीढ़ी दर पीढ़ी गरीबी और भेदभाव के बोझ तले दबे हैं। राज्य से उन्हें सुरक्षा नहीं मिलती। एनसीआरसी की अध्यक्ष आयशा रजा फारूक ने स्वीकार किया कि विखंडित प्रयासों, समन्वय की कमी व सीमित राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण बच्चों की स्थिति में प्रगति निराशाजनक रही है। पाकिस्तान में हिंदुओं पर हिंसा के 334 बड़े मामले दर्ज हैं। पाकिस्तान में भी अल्पसंख्यकों पर होने वाली हिंसा की अधिकांश घटनाएं दर्ज नहीं की जाती।उधर, बांग्लादेश में हिंदुओं पर 2021 से अब तक आधिकारिक तौर पर 3582 बड़े हमले हुए। यह हमले खासकर शेख हसीना के हटने के बाद बढ़े। बांग्लादेश और पाकिस्तान में मंदिरों में तोड़फोड़ और जबरन धर्मांतरण आम बात हो गई है। भारत सरकार ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले, पाकिस्तान में सांप्रदायिक हिंसा, अफगानिस्तान में सिखों पर अत्याचार से जुड़ी जानकारी संसद में दी है। साथ ही, सरकार ने अमेरिका और कनाडा में हिंदू मंदिरों मे हुई तोड़फोड़ से जुड़े आंकड़े भी दिए हैं। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय लगातार कट्टरपंथी मुस्लिमों के निशाने पर रहा है। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से हटने और मोहम्मद युनूस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार बनने के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं पर होने वाले हमलों में तेजी आई है। 2022 की जनगणना के मुताबिक, बांग्लादेश में हिंदू सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय हैं। वे कुल आबादी का 7.95 प्रतिशत हैं। उनके बाद बौद्ध (0.61 प्रतिशत) और ईसाई (0.30 प्रतिशत) आते हैं।विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में बताया कि बांग्लादेश में 2021 के बाद से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के कम-से-कम 3,582 मामले सामने आए हैं। सरकार ने इन मामलों पर अपनी चिंता बांग्लादेश के साथ शीर्ष स्तर पर साझा की है। सरकार ने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश सरकार हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी उपाय करेगी, लेकिन बांग्लादेश सरकार पर इसका कोई असर नहीं है। वहां हिंदुओं पर हमले और हिंसा की घटनाएं जारी हैं। बांग्लादेश में रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर में तोड़फोड़ पर सरकार ने लोकसभा में कहा, सरकार ने टैगोर के पैतृक घर पर हुए घृणित हमले और तोड़फोड़ की कड़ी निंदा की और इस बात पर जोर दिया कि यह हिंसक कृत्य गुरुदेव टैगोर की स्मृति और समावेशी मूल्यों का अपमान है। भारत ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से सख्त कार्रवाई करने और ऐसी घटनाओं को रोकने का आग्रह किया।पाकिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ जारी हिंसा पर भी केंद्र ने संसद में जानकारी दी है। केंद्र सरकार ने बताया कि भारत ने 2021 से पाकिस्तान सरकार के सामने अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के 334 बड़े मामलों को उठाया गया है। सरकार ने पाकिस्तान से अल्पसंख्यक समुदायों के प्रति संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करने और सांप्रदायिक हिंसा और धार्मिक असहिष्णुता को खत्म करने की बात कही है। हिंदुओं के साथ अत्याचार की घटनाएं पाकिस्तान में आम हो गई हैं। मंदिरों में तोड़फोड़, हिंदू लड़कियों और महिलाओं का अपहरण, जबरन धर्मांतरण जैसे मामले आए दिन सामने आते रहते हैं। उत्पीड़न, भेदभाव और जबरन धर्मांतरण जैसी घटनाओं के चलते पाकिस्तान में हिंदुओं की जो आबादी आजादी के समय 1947 में लगभग 15-20 प्रतिशत थी वो अब केवल 2-3 प्रतिशत रह गई है।सरकार ने बताया कि ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका में हिंदुओं पर हमले और हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ किए जाने की घटनाएं सामने आई हैं। सरकार ने कहा कि 2024 से अमेरिका में 5 और कनाडा में 4 हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की गई है। सरकार ने कहा, ऐसे मामले संज्ञान में आने पर संबंधित संगठन व व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दोषियों को सजा दिलाने के लिए मामले को तुरंत उन देशों की सरकारों के सामने उठाया जाता है। सरकार ने 2021 के बाद बिगड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बाद अफगानिस्तान से सिखों समेत 74 अल्पसंख्यकों को ऑपरेशन देवी शक्ति के तहत निकालने की जानकारी दी। सरकार ने कहा कि 18 जून 2022 को काबुल में गुरुद्वारे पर हुए हमले की भी भारत ने कड़ी निंदा की थी।

पीएम मोदी ने सांसदों....

पीएम मोदी ने कहा, परिसर के चार टावरों के नाम कृष्णा, गोदावरी, कोसी और हुगली नदियों के नाम पर रखे गए हैं। मुझे संसद में अपने सहयोगियों के लिए आवासीय परिसर का उद्घाटन करने का सौभाग्य मिला। चार टावरों के नाम कृष्णा, गोदावरी, कोसी और हुगली हैं, जो भारत की चार महान नदियां हैं। कुछ लोगों को कोसी नाम के टावर से असहजता महसूस होगी। वे इसे नदी के रूप में नहीं, बल्कि बिहार चुनावों के चश्मे से देखेंगे। पीएम मोदी ने कहा, अब दिल्ली में सांसदों को रहने में आसानी होगी। सांसदों के लिए घरों की उपलब्धता बढ़ेगी। मैं इन फ्लैटों के निर्माण में लगे इंजीनियरों और कर्मचारियों को बधाई देता हूं। हमारे सांसदों को नए आवासों में कोई परेशानी नहीं होगी। वे अपने काम पर ज्यादा ध्यान दे पाएंगे। इन बहुमंजिला इमारतों में 180 से अधिक सांसद एक साथ रह सकेंगे। 2014 से अब तक 350 सांसद आवास बनाए जा चुके हैं। पीएम ने कहा, जैसा कि मैंने पहले कहा था कि किराए के भवनों में चलने वाले मंत्रालयों के किराए पर सरकार को सालाना लगभग 1500 करोड़ रुपए का खर्च आता था। इसी तरह पर्याप्त संख्या में सांसद आवासों के अभाव में सरकारी खर्च बहुत ज्यादा था। सांसद आवासों की कमी के बावजूद 2014 से 2024 तक कोई नया आवास नहीं बनाया गया। हमने इस काम को एक अभियान की तरह लिया। 2014 से अब तक लगभग 350 सांसद आवास बनाए जा चुके हैं।पीएम मोदी ने परिसर में सिंदूर का पौधा भी लगाया। साथ ही फ्लैटों के पीछे काम करने वाले श्रमजीवियों से भी बातचीत की। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य और ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, और केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी उपस्थित थे।

वैवाहिक जीवन के सुख-समृद्धि का पर्व है सातुड़ी तीज

ह आने वाली कजरी तीज सुहागिनों के लिए खास होती है। इस दिन विवाहित महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती के साथ चंद्रमा की पूजा करती हैं। इसे सातूड़ी तीज या बड़ी तीज के नाम से भी जानते हैं। कजरी तीज के दिन सुहागिनें पति की लंबी की कामना के लिए व्रत रखती हैं। भाद्रपद मास में कृष्ण पक्ष की तृतीया को कजरी तीज का त्योहार मनाया जाता है। यह त्योहार 12 अगस्त को मनाया जाएगा। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि 11 अगस्त सुबह 10:33 बजे शुरू होगी और 12 अगस्त सुबह 8:40 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार कजरी तीज 12 अगस्त को मनाई जाएगी। यह पर्व उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और राजस्थान सहित कई राज्यों में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। कजरी तीज को कजली तीज, बूढ़ी तीज व सातूड़ी तीज भी कहा जाता है। जिस तरह से हरियाली तीज, हरतालिका तीज का पर्व महिलाओं को लिए बहुत मायने रखता है। उसी तरह कजरी तीज भी सुहागन महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण त्योहार है।

हिंदू पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि यानी रक्षा बंधन के तीन दिन बाद कजरी तीज मनाई जाती है। कजरी तीज को कज्जली तीज भी कहा जाता है। हरियाली और हरितालिका तीज की तरह कजरी तीज भी अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए रखा जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए दिन भर निर्जला व्रत रखती हैं और करवाचौथ की तरह शाम के समय चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण करती हैं। इस दिन शिव जी और माता मान्यता है कि कजरी तीज के दिन विधि पूर्वक पूजा करने से भगवान शिव और माता पार्वती प्रसन्न होते हैं।

हरियाली तीज, हरतालिका तीज की तरह कजली तीज भी सुहागन महिलाओं के लिए अहम पर्व है। वैवाहिक जीवन की सुख और समृद्धि के लिए यह व्रत किया जाता है। कहा जाता हैं कि इस दिन जप कन्या या सुहागने पूरे श्रद्धा से अगर शिव भगवान और माता पारवती की पूजा की जाए तो उन्हें अच्छा जीवनसाथी सदा सौभाग्यवती होने का वरदान प्राप्त होता है।माना जाता हैं की इस दिन मां पार्वती ने शिव जी को अपनी कठोर तपस्या के बाद प्राप्त किया था। मान्यता है कि कजली तीज के मौके पर विशेष रूप से गौरी की पूजा करें। व्यक्ति की कुंडली में चाहे कितने ही बाधाए क्यों न हों, इस दिन पूजा से नष्ट किए जा सकते हैं। लेकिन इसका फायदा तभी होगा जब कोई अविवाहिता इस उपाय को खुद करे।

कजली तीज के बारे में मान्यता है कि आज के दिन ही मां पार्वती ने भगवान शिव को प्राप्त किया था। इसके लिए उन्हें काफी कठोर तपस्या करनी पड़ी थी। कजरी तीज के दिन सुहागिनों को भगवान शिव और पार्वती की पूजा अर्चना करनी चाहिए। बताया जाता है कि इससे उन कन्याओं को अच्छे वर की प्राप्ति होती है, जिनकी शादी नहीं हुई है। पति के साथ और अच्छे रिश्ते बनाने के लिए कुछ ऐसे काम होते हैं, जिन्हें न तो सुहागिनों को करना चाहिए और न ही पति को। ये काम हैं पति या पत्नी से छल, गलत व्यवहार, परनिंदा आदि। पांचवे माह भादों के कृष्ण पक्ष की तीज को कजली तीज के रूप में मनाया जाता है। आज के दिन शादीशुदा महिलाएं और कुंवारी लड़कियां व्रत करती हैं जो कि उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। कजलीतीन के दिन सुहागिन व्रत रखती हैं। उन्हें आज के दिन श्रृंगार करना चाहिए। इसमें मेहंदी, चूड़ियां शामिल हैं। वहीं, शाम के समय शिव मंदिर जाकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना करनी चाहिए। इस दिन पत्नी अपने पति की लंबी उम्र के लिए उपासना करती हैं। कजली तीज के दिन घर में झूला डाला जाता है और औरतें इसमें झूला झूलती हैं। इस दिन महिलाएं अपनी सहेलियों के साथ इकट्ठा होती हैं पूरा दिन नाच गाना करती हैं। औरतें अपने पति के लिए और कुवारी लड़कियां अच्छा पति पाने के लिए व्रत रखती है।

कजरी तीज तिथि

पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि 11 अगस्त सुबह 10:33 बजे शुरू होगी और 12 अगस्त सुबह 8:40 बजे समाप्त होगी। कजरी तीज का पर्व 12 अगस्त को मनाया जाएगा। उदया तिथि के अनुसार इस साल कजरी तीज 12 अगस्त को मनाई जाएगी। खास बात यह है कि इस दिन मंगलवार की चतुर्थी तिथि होने से अंगारकी चतुर्थी और बगुला चतुर्थी का भी संयोग बन रहा है। ऐसे में इस दिन एक साथ दो-दो व्रत का संयोग बन रहा है, जो सुहाग और संतान दोनों के लिए लाभदायक होगा।

शुभ योग

इस तिथि पर कई शुभ योग बनेंगे, जिनमें सुक्रम योग भी शामिल है। कजरी तीज के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग पूरी रात रहेगा। इसके अलावा शिववास योग भी बन रहा है। इन योगों में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने से व्रत का पूर्ण फल मिलता है। कजरी तीज पर मघा और पूर्वभाद्रपद नक्षत्र का संयोग होगा। साथ ही उत्तरभाद्रपद नक्षत्र भी रहेगा। इसके अलावा बव और बालव करण योग भी रहेंगे। इन योगों में भगवान शिव की पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

गाय की होती है पूजा

इस दिन गेहूं, चना और चावल को सत्तू में मिलाकर पकवान बनाएं जाते है। व्रत शाम को सूरज ढलने के बाद छोड़ते है। इस दिन विशेष तौर पर गाय की पूजा की जाती है। आटे की रोटियां बनाकर उस पर गुड चना रखकर गाय को खिलाया जाता है। इसके बाद व्रत तोड़ा जाता है।

पूजन विधि

सर्वप्रथम नीमड़ी माता को जल व रोली के छींटे दें और चावल चढ़ाएं। नीमड़ी माता के पीछे दीवार पर मेहंदी, रोली और काजल की 13-13 बिंदिया अंगुली से लगाएं। मेंहदी, रोली की बिंदी अनामिका अंगुली से लगाएं और काजल की बिंदी तर्जनी अंगुली से लगानी चाहिए। नीमड़ी माता को मोली चढ़ाने के बाद मेहंदी, काजल और वस्त्र चढ़ाएं। दीवार पर लगी बिंदियों के सहारे लच्छा लगा दें। नीमड़ी माता को कोई फल और दक्षिणा चढ़ाएं और पूजा के कलश पर रोली से टीका लगाकर लच्छा बांधें। पूजा स्थल पर बने तालाब के किनारे पर रखे दीपक के उजाले में नींबू, ककड़ी, नीम की डाली, नाक की नथ, साड़ी का पल्ला आदि देखें। इसके बाद चंद्रमा को अर्घ्य दें।

कजली तीज व्रत के नियम

यह व्रत सामान्यत: निर्जला रहकर किया जाता है। हालांकि गर्भवती स्त्री फलाहार कर सकती हैं। यदि चांद उदय होते नहीं दिख पाये तो रात्रि में लगभग 11:30 बजे आसमान की ओर अर्घ्य देकर व्रत खोला जा सकता है। उद्यापन के बाद संपूर्ण उपवास संभव नहीं हो तो फलाहार किया जा सकता है।

व्रत कथा

एक गांव में गरीब ब्राह्मण का परिवार रहता था। ब्राह्मण की पत्नी ने भाद्रपद महीने में आने वाली कजली तीज का व्रत रखा और ब्राह्मण से कहा, हे स्वामी आज मेरा तीज व्रत है। कहीं से मेरे लिए चने का सत्तू ले आइए लेकिन ब्राह्मण ने परेशान होकर कहा कि मैं सत्तू कहां से लेकर आऊं भाग्यवान। इस पर ब्राहमण की पत्नी ने कहा कि मुझे किसी भी कीमत पर चने का सत्तू चाहिए। इतना सुनकर ब्राह्मण रात के समय घर से निकल पड़ा वह सीधे साहूकार की दुकान में गया और चने की दाल, घी, शक्कर आदि मिलाकर सवा किलो सत्तू बना लिया। इतना करने के बाद ब्राह्मण अपनी पोटली बांधकर जाने लगा। तभी खटपट की आवाज सुनकर साहूकार के नौकर जाग गए और वह चोर-चोर आवाज लगाने लगे। ब्राह्मण को उन्होंने पकड़ लिया साहूकार भी वहां पहुंच गया। ब्राह्मण ने कहा कि मैं बहुत गरीब हूं और मेरी पत्नी ने आज तीज का व्रत रखा है। इसलिए मैंने यहां से सिर्फ सवा किलो का सत्तू बनाकर लिया है। ब्राह्मण की तलाशी ली गई तो सत्तू के अलावा कुछ भी नहीं निकला। उधर चांद निकल आया था और ब्राह्मण की पत्नी इंतजार कर रही थी। साहूकार ने कहा कि आज तुम्हारी पत्नी को मैं अपनी धर्म बहन मानूंगा। उसने ब्राह्मण को सातु, गहने, रुपये, मेहंदी, लच्छा और बहुत सारा धन देकर अच्छे से विदा किया। सभी ने मिलकर कजली माता की पूजा की। जिस तरह ब्राह्मण के दिन फिरे वैसे सबके दिन फिरे।

माता पार्वती को समर्पित है कजरी तीज

माता पार्वती को यह त्योहार समर्पित है। 108 जन्म लेने के बाद देवी पार्वती, भगवान शिव से विवाह करने में सफल हुईं। इस दिन को निस्वार्थ प्रेम के सम्मान के रूप में मनाया जाता है। कजरी तीज का व्रत रखकर सुहागन महिलाएं अखंड सौभाग्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करती हैं। माना जाता है कि इस व्रत के प्रभाव से भगवान शिव और माता पार्वती का आशीर्वाद प्राप्त होता है। घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। कजरी तीज को कजली तीज, बूढ़ी तीज और सातूड़ी तीज नाम से भी जाना जाता है। यह व्रत निर्जला किया जाता है। व्रत में स्त्रियां अन्न और जल का त्याग करती हैं। यह व्रत दांपत्य जीवन से जुड़ी परेशानियों को दूर करता है।

इस दिन गायों की विशेष रूप से पूजा की जाती है। व्रत का पारण चंद्रमा के दर्शन करने और उन्हें अर्घ्य देने के बाद किया जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाओं के साथ कन्याएं भी व्रत रखती हैं। सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती है तो वहीं कन्याएं अच्छा वर पाने के लिए इस व्रत को करती हैं। माना जाता है कि अगर किसी कन्या के विवाह में कोई बाधा आ रही है तो इस व्रत के प्रभाव से दूर हो जाती है। इस व्रत में माता गौरी को सुहाग की 16 सामग्री अर्पित की जाती हैं, वहीं भगवान शिव को बेल पत्र, गाय का दूध, गंगा जल, धतूरा आदि अर्पित किया जाता है। इस व्रत में शिव-गौरी की कथा का श्रवण विशेष फलदायी है।

कजरी तीज पर सुहागिन स्त्रियां करें खास काम

विवाहित महिलाएं इस दिन दुल्हन की तरह तैयार होकर देवी पार्वती और शंकर जी की पूजा करती हैं तो उन्हें अखंड सौभाग्य का वरदान मिलता है। इस दिन सोलह श्रृंगार कर पूजा करना चाहिए। तीज पर महिलाएं पूजा पाठ के बाद लोकगीत जरूर गाएं। इससे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा आती है। तीज पर झूला झूलने की परंपरा सदियों से चली आ रही है।

कजरी तीज पर नीमड़ी पूजन का क्या महत्व है

हरियाली और हरतालिका तीज की तरह ही कजरी तीज का पर्व भी सुहागिन महिलाओं के लिए खास महत्व रखता है, जिसे भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। खाकर उत्तर भारतीय राज्यों में तीज पर्व को महिलाएं प्रमुखता से मनाती हैं। तीज पर्व पर विशेषरूप से सुहागिन स्त्रियां पति की दीर्घायु के लिए व्रत रखती हैं। इस दिन मां गौरी और भगवान शंकर की पूजा का महत्व है। तीज पर्व से कई परंपराएं और मान्यताएं भी जुड़ी हैं। इन्हीं में एक है 'नीमड़ी पूजा', जिसका कजरी तीज पर खास महत्व होता है।

करजी तीज पर नीमड़ी पूजन को महत्वपूर्ण माना जाता है, जिसक बिना पूजा अधूरी होती है। इसमें महिलाएं नीम की डाली को देवी मां का रूप मानकर विधि-विधान से पूजा करती हैं और अखंड सौभाग्य की कामना की करती हैं। कजरी तीज पर नीमड़ी पूजन के महत्व के पीछे की मान्यता यह है कि, नीम को पवित्र वृक्ष माना जाता है इसके पूजन से आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है। साथ ही यह औषधीय गुणों से भरपूर हता है। नीम का वृक्ष आसपास के वातावरण को भी शुद्ध करता है।

नीम वृक्ष प्रकृति के जुड़ा और स्त्री सशक्तिकरण का भी प्रतीक माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि नीम के वृक्ष में देवी दुर्गा का भी वास होता है। इन्हीं कारणों से कजरी तीज के दिन महिलाएं नीम की डाली को देवी का रूप मानकर पूजा करती हैं। लोक आस्था के मुताबिक, कजरी तीज के दिन नीमड़ी पूजा करने से वैवाहिक जीवन में खुशहाली आती है, पति-पत्नी में प्रेम बढ़ता है और संतान सुख की भी प्राप्ति होती है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

अष्ट भैरव शिव के आठ शक्तिशाली रौद्र रूप, जो देंगे सुरक्षा और सफलता का आशीर्वाद!

भगवान शिव के आठ अलग-अलग रक्षक और रौद्र स्वरूप का नाम अष्ट भैरव है। शिवजी के ये आठों भैरव अलग-अलग दिशाओं के स्वामी और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। शिव पुराण और भैरव तंत्र में इसका वर्णन देखने को मिलता है।

इनकी पूजा करने से व्यक्ति को भय, रोग, शत्रु और नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा मिलता है। इसके साथ ही जीवन में अपार सफलता और सुरक्षा का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

अष्ट भैरव के नाम, दिशा और महत्व

असितांग भैरव – असितांग भैरव पूर्व दिशा के स्वामी है, जिनका स्वरूप नीले रंग का हाथों में खप्पर और त्रिशूल धारण किया है। इनकी पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति के जीवन में साहस और सौर्य बढ़ता है।

रुरु भैरव – रुरु भैरव दक्षिण दिशा के स्वामी हैं, ये ज्ञान और विद्या के दाता, वीणा और त्रिशूल धारण करते हैं। इनकी पूजा करने से शिक्षा और कला के क्षेत्र में सफलता मिलती है।

चंड भैरव – चंड भैरव दक्षिण दिशा का प्रतिनिधित्व करते हैं। जिन्हें युद्ध और विजय का देवता कहा जाता है। इनकी पूजा करने से शत्रु पर विजय प्राप्त होती है।

क्रोध भैरव – क्रोध भैरव दक्षिण-पश्चिम दिशा के स्वामी है, क्रोध भैरव की पूजा अर्चना करने से रोग और बाधाओं से मुक्ति मिलती है।

उन्मत भैरव – उन्मत भैरव पश्चिम दिशा के स्वामी है, जिनका संबंध भक्ति और वैराग्य से है। इनका ध्यान करने से मानसिक शांति और आध्यात्म में उन्नति मिलती है।

कपाल भैरव– कपाल भैरव उत्तर-पश्चिम दिशा के स्वामी है, जो समय और मृत्यु के अधिपति हैं। इनकी पूजा करने से आयु में वृद्धि और समय पर सभी तरह के कार्य सिद्ध होते हैं।

भीषण भैरव – भीषण भैरव उत्तर दिशा के स्वामी है, जो भय और संकट को दूर करते हैं।

संहार भैरव– उत्तर-पूर्व दिशा के रक्षक संहार भैरव हैं। संहार भैरव सृष्टि के अंत और पुनर्निर्माण का देवता माना जाता है।

अष्ट भैरव की पूजा विधि

सुबह स्नान करने के बाद साफ वस्त्र धारण करें।

इसके बाद उत्तर या पूर्व दिशा में मुख करके बैठें।

भैरव जी की मूर्ति या प्रतिमा के सामने काले या लाल फूल, अक्षत, धूप-दीप अर्पित करें।

भैरव जी को तेल का दीपक या नारियल अर्पित करें।

काले तिल, उड़द और नारियल का भोग लगाएं।

कुत्ते को आटा, रोटी या मिठाई खिलाने से भैरव जी प्रसन्न होते हैं।

अष्ट भैरव मंत्र

सर्वसिद्धि हेतु मूल मंत्र- ॐ अष्ट भैरवाय नमःऋ

व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए

ॐ कालभैरवाय नमः 108 बार जप करने से विशेष फल मिलता है।

ज्योतिषीय महत्व

जिन लोगों की कुंडली में शनि, राहु या केतु का दोष हैं, उन्हें अष्ट भैरव का पूजन करना चाहिए।

काल सर्प दोष, पितृ दोष और नकारात्मक ग्रह के प्रभाव से मुक्ति पाने के लिए भैरव साधना करना लाभकारी होता है।

अष्ट भैरव की साधना करने से व्यापार और करियर में आ रही बाधाएं दूर होती है।

इस बार पितृ पक्ष की शुरुआत के दिन लगेगा चंद ग्रहण, क्या पड़ेगा असर?

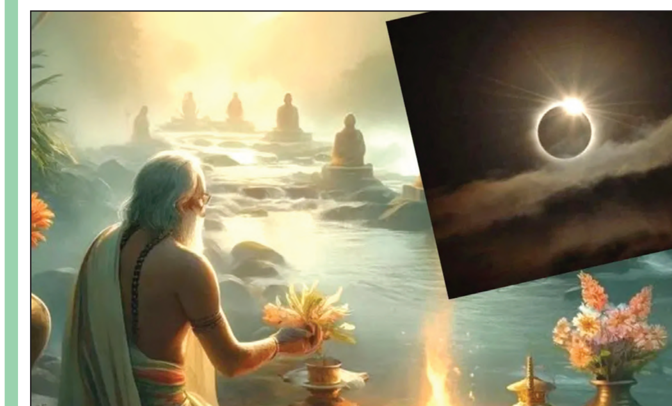

हिंदू धर्म में देवी-देवताओं की तरह हमारे पूर्वज यानी पितर भी आराधना की जाती है। कहते हैं कि व्यक्ति जीवन के सुख, शांति और मंगल कार्यों में पितर अहम भूमिका निभाते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पितरों का वास पितृलोक में होता है और श्राद्ध पक्ष के दौरान 15 दिनों के लिए वे धरती पर आते हैं। इन दिनों में पितरों के निमित्त श्रद्धा, तर्पण, अर्पण और दान आदि किया जाता है। कहते हैं कि पितृ पक्ष में पितरों के लिए तर्पण और श्राद्ध आदि करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है और वे अपने वंशजों को आशीर्वाद देते हैं। इस साल पितृ पक्ष की शुरुआत पर ग्रहण का संयोग बन रहा है। आइए जानते हैं कि इसका क्या असर पड़ेगा।

पितृ पक्ष की शुरुआत और ग्रहण का संयोग

पंचांग के मुताबिक, इस साल पितृ पक्ष की शुरुआत 7 सितंबर 2025 को पूर्णिमा तिथि से हो रही है। वहीं, 21 सितंबर को सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितृ पक्ष का समापन हो जाएगा। 7 सितंबर को जिस दिन पितृ पक्ष शुरू हो रहा है, उसी दिन साल का अंतिम चंद्र ग्रहण भी लगेगा। खास बात यह है कि साल का आखिरी चंद्र भारत में दिखाई देने वाला है।

कब लगेगा साल का दूसरा चंद्र ग्रहण?

इंडियन टाइम के मुताबिक, साल का दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर को रात 9:58 बजे शुरू होगी। वहीं, 8 सितंबर को तड़के रात 1:26 मिनट पर यह ग्रहण समाप्त होगा। ऐसे में इस ग्रहण का असर 3 घंटे 29 मिनट तक रहने वाला है।

यह पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा, जो भारत सहित दुनिया के कई देशों में दिखाई देगा। 7 सितंबर को चंद्र ग्रहण का सूतक काल 6 सितंबर को दोपहर 12:57 बजे से शुरू जाएगा और ग्रहण की समाप्ति तक मान्य रहेगा। ऐसे में पूर्णिमा श्राद्ध के दिन खास सावधानी बरतने की जरूरत होगी।

ग्रहण में श्राद्ध करना चाहिए या नहीं?

ज्योतिष के अनुसार, ग्रहण के दौरान नकारात्मक शक्तियां ज्यादा प्रभावी हो जाती हैं, इसलिए इस समय श्राद्ध कर्म करना अशुभ माना जाता है। अगर आप ग्रहण के दौरान श्राद्ध करने को लेकर चिंतित हैं, तो आप ग्रहण का सूतक काल समाप्त होने के बाद शुभ मुहूर्त में श्राद्ध कर्म कर सकते हैं। आप ग्रहण के दौरान श्राद्ध करने के लिए किसी योग्य पंडित से सलाह भी ले सकते हैं।

जन्मदिन पर विशेष

श्रीदेवी : भारतीय सिनेमा की अनमोल धरोहर

प्रेरणादायक यात्रा: दक्षिण भारतीय फिल्मों से लेकर हिंदी सिनेमा के शिखर तक

हिंदी फिल्म जगत में खूबसूरत परियों जैसी नायिकाओं की तो बहुतायत है, पर श्रीदेवी जैसी अद्वितीय अभिनेत्री विरले ही देखने को मिलती हैं। उन्हें भारत की 'सबसे पहली महिला सुपरस्टारनी' का दर्जा प्राप्त है। बॉलीवुड में काम करने से पहले उन्होंने दक्षिण भारत की तीन प्रमुख भाषाओं–मलयालम, तमिल और तेलुगु–में कई फिल्में कीं। इन क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों में श्रीदेवी की अभिनीत कई फिल्में सफल रहीं। तेलुगु सिनेमा में वह अपनी उम्र के बीस वर्ष पूरे होने से पहले ही सुपरस्टार बन गई थीं। श्रीदेवी (उर्फ़ श्री अम्मा यंगर अय्यपन) का जन्म 13 अगस्त 1963, मीनमपट्टी में हुआ।

सन 1978 से 1982 के बीच, पाँच वर्षों में, उनकी तेलुगु फिल्मों की संख्या अट्ठारह हो गई, जिनमें 'पदहारेळ्ला वयसु', 'कार्तिका दीपम', 'वेटगाडु', 'आटगाडु', 'चुट्टालुन्नारु जाग्रत्त', 'घराना दोंगा', 'मामा अल्लुळ्ला सवाल', 'सरदार पापारायडु', 'गजदोंगा', 'आकलि राज्यम', 'गड्सरि अत्ता सोगसरि कोडलु', 'कोंडवीटि सिंहम', 'प्रेमाभिषेकम', 'इल्लालु', 'अनुराग देवता', 'बोब्बिलीपुलि', 'जस्टिस चौदरि' और 'देवता' शामिल हैं। इन फिल्मों को बंपर हिट माना गया।

इसी कालावधि में उनकी बारह तमिल फिल्में भी रिलीज हुईं, जिनमें 'टैक्सी ड्राइवर', 'मनिथरिल इत्तनै निरंगला', 'मूडिसूडा मन्नन', 'सिगप्पू रोजाक्कल', 'कल्याणरामन', 'ताइल्लामल नान इल्लै', 'गुरु', 'जानी', 'वरुमाईन निरम सिवप्पू', 'मींडुम कोकिला', 'वाल्वे मायम' और 'मूंडराम पिरई' प्रमुख हैं। ये फिल्में भी खूब सफल रहीं।

श्रीदेवी का बॉलीवुड में भी जादू कायम

हिन्दी फिल्मों में श्रीदेवी का करियर भी अद्भुत रहा। उन्होंने 'हिम्मतवाला', 'मवाली', 'जस्टिस चौदरि', 'तोहफा', 'कर्मा', 'नगीना', 'मिस्टर इंडिया', 'वतन के रखवाले', 'वक़्त की आवाज़', 'चांदनी', 'चालबाज़', 'लाडला' और 'जुदाई' जैसी अनेक फिल्मों में अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाया। 'जुदाई' (1997), जिसका निर्देशन राज कंवर ने किया था, भी उनकी यादगार फिल्मों में शामिल है।

उनकी अदाकारी का जादू और परदे का चमत्कार

अथक परिश्रम, निरहंकार व्यवहार और अपने चरित्र को निखार कर पर्दे पर उभारना, श्रीदेवी की सबसे बड़ी विशेषता थी। जब तक फिल्म का कैमरा चालू रहता, वह अपनी पूरी ऊर्जा और प्रतिभा का प्रदर्शन करतीं। सेट पर एक साधारण लड़की जैसी दिखने वाली श्रीदेवी, जैसे ही कैमरा ऑन होता, अपने अंदर की महान सितारा को प्रकट कर देतीं। 'शॉट ओके' की आवाज़ सुनते ही उनका जादू शुरू हो जाता। उनका एक जलवे का उदाहरण फिल्म 'मिस्टर इंडिया' का गीत ''में ख्वाबों की शहज़ादी मैं हूँ, हर दिल पे छाई बादल है, मेरी जुल्फें बिजली, मेरी अंगड़ाई बिजली, गिराने में हूँ आयी, ओहो बिजली गिराने में हूँ आयी...'' है।

प्रशंसाओं का सागर और दर्शकों का प्रेम

उनकी मेहनत और लगन का कोई मुकाबला नहीं। लोग उनकी फिल्मों के प्रति उनके समर्पण की प्रशंसा करते नहीं थकते। उनकी फिल्मी यात्रा का यह मैराथन अभी भी जारी है। आप यूट्यूब पर जाकर उनके बारे में दर्शकों की प्रतिक्रियाएँ देख सकते हैं, जहाँ उनकी प्रशंसा के कमैंट्स की भरमार है। 'श्रीदेवी जैसी एक्ट्रेस फिर शायद ही जन्में!'', 'वह अपनी सौभाग्य से हिंदुस्तान में जन्मी हैं', 'उनसे तुलना करना असंभव है', 'वह एक सुपरस्टार हैं' जैसी प्रतिक्रियाएँ देखने को मिलेंगी।

उनका जादू केवल पर्दे तक ही सीमित नहीं

उनका जादू केवल दर्शकों और निर्देशकों तक ही सीमित नहीं, बल्कि सह–नायिकाओं और नवोदित कलाकारों पर भी कायम है। उनके प्रति सभी का सम्मान और श्रद्धा है। भारतीय सिनेमा की 1980 के दशक में वह ताजपोश सुल्ताना थीं।

मधुबाला, हेमा और श्रीदेवी: भारतीय सिनेमा के अनमोल रत्न

मधुबाला को हम भारतीय सिनेमा का 'वीनस' कहते हैं, हेमामालिनी को 'ड्रीमगर्ल'। पर श्रीदेवी का नाम तो इन सबके ऊपर ही है। उन्हें 'भारतीय सिल्वर स्क्रीन की एक अनमोल रत्न' कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। उनके ख्यालों में बस एक ही बात घर कर जाती है–उन जैसी अभिनेत्री शायद ही फिर कभी जन्म लें।

–दिलीप
मियापुर, हैदराबाद

रानी चटर्जी ने दिखाई इमरती दीदी की झलक गुलाबी साड़ी में आईं नजर

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री रानी चटर्जी के पास एक से एक बड़ी फिल्मों के ऑफर्स आते रहते हैं, लेकिन वह उन्हीं फिल्मों को चुनती हैं जिनमें उनका किरदार सशक्त हो। ऐसी ही एक फिल्म इन दिनों चर्चा में है, जिसका नाम है 'इमरती दीदी,' जिसकी शूटिंग का वीडियो अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर शूटिंग से जुड़ा एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें रानी अपने को स्टार्स के साथ नजर आ रही हैं। क्लिप देखकर फैंस ये अनुमान लगा रहे हैं कि यह सीन घर से छोड़े जाने का है। वीडियो के बैकग्राउंड पर जूही–शाहरुख की फिल्म 'भूतनाथ' का गाना 'समय का पहिया चलता है' ऐड किया है। इससे पहले भी अभिनेत्री ने फिल्म 'इमरती दीदी' की शूटिंग की जानकारी अपने फैंस से साझा की थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह बालों को संवारते, तो कभी अलग–अलग एक्सप्रेशन के साथ डांस करती नजर आ रही थी। रानी ने इसके कैप्शन में लिखा था, इमरती ने भी ट्रेंड फॉलो कर लिया, मेरी नई फिल्म का नाम इमरती है जिसकी शूटिंग शुरू कर रही हूं।

लुक की बात करें, तो अभिनेत्री साधारण से सूट में हैं और हेयर स्टाइल भी सादा है। उन्होंने चोटी बना रखी है। फैंस को अभिनेत्री का ये अंदाज काफी पसंद आ रहा है।

एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो रानी ने साल 2003 में फिल्म 'ससुरा बड़ा पैसा वाला' से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया, जिसमें 'देवरा बड़ा सतावेला', 'रानी नंबर 786', 'घरवाली बाहरवाली', 'बंधन टूटे ना', 'चोर मचाए शोर' जैसी फिल्में शामिल हैं। रानी ने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। वह रोहित शेट्टी के स्टंट–आधारित रिएलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 10 में खतरनाक स्टंट करती दिखी थीं और एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज 'मस्तराम' का भी हिस्सा रही हैं।

जॉली एलएलबी 3 का मोशन पोस्टर रिलीज, अक्षय कुमार और अरशद वारसी की दिखी झलक

जॉली एलएलबी 3 में अभिनेता अक्षय कुमार और अरशद वारसी को एक बार फिर साथ देखने के लिए फैंस उत्साहित हैं। वहीं, मेकर्स भी इनकी उत्सुकता बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी एक वीडियो पोस्ट की थी, और अब मोशन पोस्टर साझा किया है।

स्टार स्टूडियोज ने इंस्टाग्राम पर एक मोशन पोस्टर जारी किया है, जिसमें अभिनेता अक्षय कुमार और अरशद वारसी एक दरवाजे के अंदर प्रवेश करने के लिए एक–दूसरे से लड़ते नजर आ रहे हैं। पोस्टर में अक्षय थोड़े अग्रेसिव मूड में नजर आ रहे हैं, वहीं अरशद भी हाथों में कानूनी कागज लिए आड़ा–टेढ़ा मुंह बनाए हुए हैं। मेकर्स ने पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, केस नंबर 1722 की याचिका हुई मंजूर! एडवोकेट जॉली (अक्षय कुमार) और एडवोकेट जॉली (अरशद वारसी) हाजिर हों! फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' का टीजर कल रिलीज होगा।

इससे पहले मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थी, जिसमें अभिनेता सौरभ शुक्ला (जो जज सुंदरलाल त्रिपाठी का किरदार निभा रहे हैं), जॉली (अक्षय कुमार और अरशद वारसी) के साथ अपनी परेशानियों को हास्यपूर्ण अंदाज में बयां करते नजर आए थे।

वीडियो में जज त्रिपाठी अपनी जिंदगी की मुश्किलों का जिक्र करते हुए कहते हैं, मेरी जिंदगी फूलों की सेज थी, फिर आया जगदीश त्यागी, यानी जॉली 1 (अरशद वारसी)। छोटी–छोटी बातों पर गुस्सा हो जाता था और अंग्रेजी तो उसे बिल्कुल नहीं आती थी। जिसे 'प्रॉसिक्यूशन' और 'प्रॉस्टिट्यूशन' में फर्क नहीं पता, उसका क्या कर सकते हैं? उसकी वजह से मुझे बाइपास सर्जरी करवानी पड़ी। इसके बाद, सौरभ शुक्ला जॉली 2 (अक्षय कुमार) की शरारतों का जिक्र करते हुए कहते हैं, फिर मेरी जिंदगी में आया जगदीश्वर मिश्रा, यानी जॉली 2 (अक्षय कुमार), जो एकदम बदमाश है। नैतिकता तो छोड़िए, ये किसी का गुर्दा तक बेच दे। जैसा इसका सरनेम मिश्रा, वैसा ही ये, मीठा जहर, जिसने मेरी पत्नी को हार्ट अटैक दे दिया। अब किस्मत का खेल ऐसा है कि दोनों जॉली एक साथ मेरी जिंदगी में वापस आ रहे हैं।

फिल्म के निर्देशक सुभाष कपूर हैं और प्रोड्यूसर आलोक जैन और अजीत अंधारे हैं। वहीं, इसके सह–प्रोड्यूसर नरेन कुमार और डिंपल खरबंदा हैं। फिल्म 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ओह माई गॉड–2 के दो साल पूरे, यामी गौतम ने बताया आज भी क्यों खास लगती है ये फिल्म

ओह माई गॉड–2 साल 2023 में आई बेस्ट फिल्मों में से एक थी। 50 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने 221 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की थी। फिल्म में अक्षय कुमार, यामी गौतम, और पंकज त्रिपाठी जैसे सितारे थे। इस फिल्म को रिलीज हुए अब 2 साल हो चुके हैं। इस मौके पर यामी गौतम ने बताया कि क्यों उन्हें ये मूवी खास लगी और आज भी लगती है। 'ओह माई गॉड–2' में यामी गौतम एक जिद्दी वकील के किरदार में दिखाई दी थीं। इसमें उनकी एक्टिंग लोगों को खूब पसंद आई थी। इस फिल्म के बारे में बात करते हुए यामी ने कहा, इस फिल्म में एक बहुत ही जरूरी और संवेदनशील मुद्दा उठाया गया है, खासकर बच्चों की पढ़ाई से जुड़ा हुआ। इस पूरे विषय को एक कोर्टरूम ड्रामा के रूप में बहुत ही खूबसूरती से दिखाया गया है। इसमें कॉमेडी भी है और भरपूर मनोरंजन भी, और मुझे खुशी है कि मैं इसका हिस्सा थी।

यामी की एक्टिंग की बात करें तो वे सिर्फ कहानी में फिट नहीं होतीं, बल्कि उसे और बेहतर बना देती हैं। वे हर बार दर्शकों के लिए कुछ ऐसा लेकर आती हैं जो उन पर गहरा असर छोड़ता है। यामी हमेशा कुछ अलग और नया किरदार करने की कोशिश में रहती हैं। उनकी फिल्मों पर नजर डालें तो ये साफ दिखाई देता है। 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' में उन्होंने तेज–तर्रार इंटेलिजेंस ऑफिसर का किरदार निभाया था। इसके बाद यामी ने एक नया सफर शुरू किया। 'ए थर्सडे' में उन्होंने एक स्कूल टीचर का रोल किया, उनका ये किरदार भी पिछले से हटकर था और लोगों को पसंद आया। फिर वो 'ओह माई गॉड–2' में वकील के रोल में दिखीं।

मिस यूनिवर्स हरनाज़ संधू का बॉलीवुड डेब्यू, बाघी 4 का टीज़र वायरल

बॉलीवुड के एक्शन सीन में एक नया तूफ़ान आ गया है, और वो हैं मिस यूनिवर्स 2021 हरनाज़ संधू। बहु–प्रतीक्षित फ़िल्म 'बाघी 4' का टीज़र रिलीज़ होते ही वायरल हो गया है, जिसमें हरनाज़ संधू का एक्शन से भरपूर अवतार देखकर दर्शक हैरान हैं। अपनी खूबसूरती और ग्लैमर के लिए मशहूर हरनाज़ ने इस टीज़र में अपनी इमेज को पूरी तरह बदल दिया है।

रोमांटिक एंट्री की बजाय, वह स्क्रीन पर सीधे हाई–ऑक्टेन एक्शन सीन करते हुए दिखाई देती हैं। हड्डियां हिला देने वाले हैंड–टू–हैंड कॉम्बैट से लेकर हथियारों के साथ निंजा–स्टाइल एक्शन तक, उन्होंने यह साबित कर दिया है कि वह इस फ़िल्म की कहानी का एक अहम हिस्सा हैं। टीज़र में टाइगर श्रॉफ के साथ उनकी दमदार केमिस्ट्री और संजय दत्त के विलेन अवतार के बीच हरनाज़ की मौजूदगी देखने लायक है।

साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और ए. हर्षा द्वारा निर्देशित यह मेगा–एक्शन फ़िल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। यह टीज़र देखने के बाद यह साफ है कि हरनाज़ संधू का यह नया 'एक्शन मोड' आने वाले समय में खूब सुर्खियाँ बटोरने वाला है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज खर्चा ज्यादा होगा स्वास्थ्य भी चिंतित करेगा इसलिए समजदारी से कार्यो का संचालन करें । आपका जीवन साथी आपकी और परिवार की पूरी देखभाल करेंगे आप को भी खुशी होगी । आपके दुश्मन आपके खिलाफ गुप्त रूप से काम कर सकते हैं और आपको परेशानी दे सकते हैं. आज कोई दुखद घटना आप को परेशान करेगी यात्रा का योग नही हैं फिलहाल टाल दें ।
मृत्युंजय यंत्र का जप करें ब्राह्मण बटुक को दूध का दान करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका दिन बदलाव का हैं परिवर्तन होगा सीनियर्स आपके कार्यों की प्रशंसा होगी. बचपन के किसी मित्र से आपकी मुलाकात होगी. दोस्त के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे. आपका मन प्रसन्न रहेगा. धैर्य पूर्वक किसी कार्य पर किया गया विचार बहुत फलदायी रहेगा. सोचे हुए कार्य पूरे होंगे. बिजनेस में कई नए मौके आपको मिलेंगे. अपने कारोबारी पार्टनर के साथ सही तालमेल रहेगा अपने परिवार के साथ किसी रेस्टोरेंट में लंच करने भी जा सकते हैं.शिवजी को जलधारा अर्पित करें बिल्वपत्र चढाए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप को साझेदारी वाले कारोबार मे बहुत सोचसमझकर निर्णय लेने होंगे जीवनसंगिनी का पगपग पर साथ मिलेगा । कर्मचारियों के साथ आप असहज महसूस करेंगे . आज कहीं प्राकृतिक सौंदर्ययुक्त स्थान पर घूमने का आनन्द उठाएंगे. विद्यार्थियों के लिए समय मध्यम है. आपका रोमांटिक अंदाज दाम्पत्य जीवन को प्यार से भर देगा. समाज में मान सम्मान बढ़ेगा. संबंधो को बहुत ही नाजुकता से निभाने की जरुरत हैं घर मे पौधरोपण करें सुबह तुलसी को जल सींचे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप अविवाहित है तो दुर्गा जीको घी का दीपक प्रज्वलित करें मंत्र का जप करें सम्बन्ध हो सकता हैं आप को रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े हैं तो अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के अवसर मिलेंगे और आकर्षक सौदे हाथ लग सकते हैं. आप स्वयं के लिए यश एव कीर्ति भी अर्जित कर पाएंगे. आपके काम और व्यवसाय में सकारात्मक विकास होगा. अगर आप नौकरी या व्यवसाय बदलना चाहते हैं, तो आपको सफलता मिलेगी. आप आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों की ओर आ–कर्षित होंगे. आप के दिन का उतरार्ध सुखमय बीतेगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज सामाजिक कार्यों हिस्सा लेने से दिन ठीक बीतेगा आप को भी कार्य के प्रति रुचि भी रहेगी . कार्यस्थल पर किसी सहयोगी से वाद–विवाद की स्थिति बन सकती है. किसी से बिना वजह आपको उलझने से बचना चाहिए. परिवार वालों के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं. आपको कोई नया काम सिखने का अवसर मिल सकता है. कोई व्यक्ति आपकी योजनाओं को बिगाड़ने की कोशिश कर सकता है. मा भगवती को कमल का पुष्प अर्पित करें धनकोष बढेगा मन भी प्रफुल्लित रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ नया निवेश करना जोखिम भरा हो सकता हैं फिलहाल निवेश की योजना को टालदें यात्राका योग बन रहा हैं संभव हो सके तो अचल संपत्ति के विषय में आज चर्चा टाल दें. रात्रि में कुछ लोगों पर धन खर्चा करना पड़ सकता है. रोजी व रोजगार में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा. कुछ लोगों के जीवन में नये अवसर आएंगे जिन्हे नजरअंदाज न करें अन्यथा बाद में आत्मग्लानि होगी. आपके स्वभाव की सबसे खास बात संतुलित रहना है.शक्कर की मिठाई कन्याओं को खिलाएं रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन सकारात्मक रहेगा कार्य के परिणामदायक सुखद रहेगें . सामाजिक कार्य या राजनीति से जुड़े लोग कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करेंगे. आप में से कुछ नवीन संपर्क स्थापित कर पाएंगे. रचनात्मक क्षेत्रों में आप असाधारण रूप से अच्छा करेंगे. परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से नौकरी की तलाश करने वालों को शुभ परिणाम प्राप्त होंगे. कोर्ट में लंबित कोई संपत्ति संबंधी मामला आपके पक्ष में जाएगा. घरेलू वाता–वरण अच्छा रहेगा डीनर को कुछ समय के लिए रोग दें आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा.।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन उर्जा से भरा रहेगा कोई शुभ समाचार मिलेगा आपके मन में किसी की मदद करने का भाव आ सकता है. आपकी रचनात्मक प्रतिभा खुलकर सामने आ सकती है. आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी. आप किसी धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं. आप खुद को सेहतमंद महसूस करेंगे. समाज में आपका मान–सम्मान बढ़ेगा. आगे बढ़ने के आपको नए मौके मिल सकते हैं. आज आप जिससे भी बात करेंगे, उसे अपनी राय से सहमत कर सकते हैं. शाम के वक्त शिवालय मे दर्शन करने जाए नारियल अर्पण करें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कार्य मे रुकावटें तो जरुर आंएगी परन्तु दृढसंकल्पित होकर आगे बढते जाए. सफलता निश्चित होगी . नौकरी पेशावालों की पदोन्नति की संभा–वनाएं हैं. आपका साथी आपके विचारों के प्रति ग्रहणशील होगा. अपने पार्टनर के साथ मिलकर आप अपने संसाधनों को एकजुट करने में सफल रहेंगे. जीवन के प्रति गंभीरता को बनाये रखने की जरुरत है. कार्य क्षेत्र में सहकर्मियों का आपको सहयोग मिल सकता है. डिनर के वक्त कोई कारोबारी चर्चा नही करें केवल परिवार के साथ भोजन का आनंद उठाएं ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज स्वभाव कुछ मे चिडचिडापन रहेगा लोगों से वाद विवाद होगा , किन्तु आपको शांत और संयम रखने की ज़रूरत है. जल्द ही सब ठीक हो जाएगा. आपके बच्चे आपका ध्यान रखेंगे. आपको दफ़्तर में आपके सहयोगियों का सहयोग मिलेगा. वरिष्ठ आपके काम को सराहेंगे. वित्तीय फैसले लेने के लिए यह बहुत अच्छा वक़्त है. प्रेम प्रसंग के मामले में आज का दिन अनुकूलता लिए हुए है. खास कर वो लोग जो समाज की मर्यादाओ को अधिक महत्त्व नहीं देते ऐसे लोगों से दूरी बनाए रखें । गुरुदेव के मंत्र का जप करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज खुश होने वाला दिन. रूका हुआ धन वापस मिल जायेगा. आपके अधूरे काम आसानी से पूरे होंगे. व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ होगा. समाज के कार्यों में आप आगे रहेंगे. योजनाबद्ध तरीके से काम करने से आपको लाभ की प्राप्ति होगी. आपकी यात्रा सुखद रहेगी. आपके काम से सभी लोग प्रसन्न रहेंगे. स्टूडेंट्स को पढ़ा–ई–लिखाई में साथियों से मदद मिलेगी. आपका दाम्पत्य जीवन ख़ुशी से भरा रहेगा. सुबह भोर मे ॐ नम: शिवाय मंत्र का उच्चारण से कीर्तन करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज कारोबार की स्थिति ठीक है परन्तु निवेश टाल दें क्योंकि आपकी परेशानी बढ़ने की भी संभावना है. दिनभर संभलकर रहना होगा. घर–परिवार की चिंता बढ़ सकती है. कामकाज में नए बदलाव करने से बचना होगा. उच्च अधिकारियों से अच्छे सम्बन्ध आपको बिजनेस में लाभ प्राप्त करवाएंगे. संतांन पक्ष की ओर से चिंताएं दूर होंगी. वैवाहिक जीवन आनंद पूर्वक बीतेगा. स्टूडेंट्स के लिए स्थिति अनुकूल रहेगी बस किसी भी काम में लापरवाही न बरतें.आलस्य को छोड दें भविष्य सुनहरा होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 12 अगस्त 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया प्रातः 08:43 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपदा प्रातः 11:53 तक
योग : सुकर्मा सायं 06:53 तक
करण : विष्टि प्रातः 08:43 तक
चन्द्रराशि : कुंभ प्रातः 06:11 तक
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:42 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:45 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है ,
अंगारक संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 08:54 ,
कज्जली बूढ़ी तीज

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान सरकार अन्नदाता को बना रही ऊर्जादाता : भजनलाल

झुंझुनूं, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ और किसान भारत की आत्मा है। हमारी डबल इंजन की सरकार राजस्थान में किसानों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा कृषि का रोड़ मैप बनाते हुए वैज्ञानिक पद्धति को प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने राजस्थान सरकार द्वारा कृषक हित में किए जा रहे अभूतपूर्व कार्यों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ब्याज मुक्त ऋण, पीएम किसान सम्मान निधि में वृद्धि, किसानों को दिन में बिजली जैसी सौगातों से किसानों को राहत मिली है।

चौहान सोमवार को झुंझुनूं में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल बीमा क्लेम भुगतान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झुंझुनू वीरों की भूमि है तथा देश की सुरक्षा करते हुए यहां के सैंकड़ों जवानों ने बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम के कायराना हमले के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी भारतीय सेनाओं ने आतंकवादियों के आकाओं के अड्डे नष्ट कर दिये और उन्हें खंडहर में परिवर्तित कर दिया।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि किसान दिन–रात मेहनत करते हैं, परन्तु बाढ़, सूखा, पाले जैसी प्राकृतिक आपदाओं से उनकी फसलें नष्ट हो जाती है। उन्होंने कहा कि पूर्व में फसल खराबा होने पर गांव अथवा व्यक्तिगत किसान को मुआवजा नहीं मिल पाता था। लेकिन अब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत एक किसान को भी अपनी फसल के मुआवजे की पूरी राशि सीधे उसके खाते में

मिलती है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वैभवशाली, गौरवशाली, समृद्ध और विकसित भारत का निर्माण हो रहा है। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है तथा तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश में वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं, ताकि किसानों की आमदनी बढ़े। यूरिया, डीएपी, खाद, बीज सहित सभी कृषिगत संसाधनों पर केन्द्र सरकार द्वारा अनुदान दिया जा रहा है। फसलों की लागत में 50 प्रतिशत मुनाफा जोड़कर एमएसपी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा नकली बीज, नकली खाद तथा नकली पेस्टिसाइड के खिलाफ नया कानून भी बनाया जाएगा। साथ ही, विकसित कृषि संकल्प अभियान भी चलाया जाएगा, जिसके तहत वैज्ञानिकों द्वारा गांवों में जाकर किसानों को बीज, खाद तथा उर्वरकों संबंधित जानकारी दी जाएगी। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की आमजन को शपथ दिलाई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कोई भी देश तभी प्रगति करता है, जब वह आत्मनिर्भर होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि किसान हमारा गौरव तथा देश की आत्मा है तथा हमारी किसान हितैषी सरकार किसानों और पशुपालकों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 7 करोड़ 4 लाख फसल बीमा पॉलिसी की जा चुकी हैं जो गत सरकार के शुरुआती 2 वर्षों से लगभग 4 गुना अधिक हैं। साथ ही, 1 करोड़ 48 लाख किसानों को फसल बीमा क्लेम का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि कृषक कल्याण की दिशा में भूमि अभिलेख को राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल से जोड़ना, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत 20 लाख से अधिक पशुओं का निशुल्क बीमा, 54 लाख पशुओं को उपचार, सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड से 45 हजार से अधिक गोपालकों को ऋण, 75 लाख से अधिक किसानों को 42 हजार 131 करोड़ रुपये के अल्पकालिक ब्याजमुक्त फसली ऋण, 9 हजार 205 पीएम किसान समृद्धि केंद्र की स्थापना जैसे निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों को दिन में बिजली देने के उद्देश्य से कार्य कर रही है, जिससे अन्नदाता किसान ऊर्जादाता भी बन सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने शेखावाटी क्षेत्र में यमुना का पानी लाने के लिए यमुना जल समझौता किया तथा इसका धरातलीय सर्वे भी प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय किसानों के लिए ना कोई नीति थी और ना ही नीयत। लेकिन आज किसान कल्याण की योजनाओं की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके खातों में पहुंचती है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त के तहत 20 हजार 500 करोड़ से अधिक की राशि देशभर के 9 करोड़ 70 लाख किसानों के खातों में सीधे ट्रांसफर की, साथ ही प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना के तहत कृषक कल्याण के लिए 24 हजार करोड़ रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि एमएसपी में रिकॉर्ड बढ़ोतरी के साथ ही वोकल फॉर लोकल और मेक इन इंडिया से कृषि उत्पादों की मांग बढ़ी है।

इस दौरान केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री चौहान तथा मुख्यमंत्री शर्मा ने बटन दबाकर रबी सीजन 2024–25 एवं खरीफ सीजन 2024 की बीमा दावा राशि की पहली किश्त डीबीटी के माध्यम से किसानों के खातों में हस्तांतरित की। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को चैक भी वितरित किए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत देशभर में 34 लाख 48 हजार किसानों को लाभान्वित किया गया, जिनमें प्रदेश के 9 लाख 70 हजार किसान भी शामिल हैं।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने किया राष्ट्रोत्थान ग्रंथ का विमोचन

जयपुर, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने आज पाथेय भवन में 'राष्ट्रोत्थान' ग्रंथ का विमोचन किया। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष पर समाज परिवर्तन के लिए प्रस्तुत पंच सूत्रों की चर्चा करते हुए कहा कि सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण, नागरिक कर्तव्य और स्व जागरण से ही राष्ट्रोत्थान संभव है। उन्होंने कहा कि मां भारती का परम वैभव ही हम सभी का ध्येय होना चाहिए। उन्होंने देश के सर्वांगीण विकास और वैभव के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

बागडे ने पाथेय भवन में हिन्दुस्तान प्रकाशन संस्था और पाथेय कण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रोत्थान' ग्रंथ के प्रकाशन को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि संस्कृति हमारे जीवन जीने का ढंग है। निरंतर होने वाले परिवर्तनों को स्वीकार करते हुए जीवन में आगे बढ़ना ही संस्कृति है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकात्म मानववाद को केन्द्र में रखकर कार्य करने की भी आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि 'व्यष्टि नहीं समष्टि' के अंतर्गत सभी सामाजिक समरसता और भेदभाव से ऊपर उठकर कार्य करें। उन्होंने आजादी आंदोलन से लेकर विभिन्न अवसरों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महत्वपूर्ण अवदान की चर्चा करते हुए संघ की 'राष्ट्र प्रथम' की सोच से सबको जुड़ने पर जोर दिया। इससे पहले राजस्थान के क्षेत्र संघ चालक डॉ. रमेश चन्द्र अग्रवाल ने संघ के शताब्दी वर्ष पर प्रकाशित 'राष्ट्रोत्थान' ग्रन्थ और पंच संकल्प सूत्रों की विस्तार से विवेचना की। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर देश भर में किए जाने वाले आयोजनों और आम जन को राष्ट्रीयता से जोड़े जाने का आह्वान किया। हिन्दुस्तान समाचार के रमेश पतंगे और हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नंद किशोर पाण्डेय ने भी विचार रखे।

मोदी ने साफ किया है कि किसानों के हितों से नहीं होगा कोई समझौता :चौहान

झुंझुनूं 11 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ कर दिया है कि देश के किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा, चाहे उसके लिए उन्हें व्यक्तिगत क्षति ही क्यों ना उठानी पड़े वहीं देश में नकली खाद एवं उर्वरकों पर रोक लगाने के लिए ठोस कानून बनाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

श्री चौहान सोमवार को यहां आयोजित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत क्लेम भुगतान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने श्री मोदी का अभिनंदन करते हुए कहा कि देश का सौभाग्य है कि हमें श्री मोदी के रूप में प्रधानमंत्री का नेतृत्व मिला है। राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया है कि देश के किसानों के हितों से समझौता नहीं किया जाएगा, चाहे उसके लिए उन्हें व्यक्तिगत क्षति ही क्यों ना उठानी पड़े। इस बड़े फैसले ने दुनिया के सामने भारत की मजबूत छवि स्थापित की है।

उन्होंने देश में नकली खाद और उर्वरकों पर सख्ती जताते हुए कहा है कि इस संबंध में त्वरित कदम उठाते

हुए एक कड़ा कानून बनाने की प्रक्रिया पर तेजी से काम चल रहा है और जल्द ही ठोस कानून बनाकर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को जेल भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि फसलों पर वायरस अटैक की स्थिति में यदि किसानों द्वारा जानकारी साझा की जाएगी या मात्र एक फोटो के जरिए भी सूचना दी जाएगी तो मदद के लिए वैज्ञानिकों की टीम तुरंत किसानों के पास गांव पहुंचेगी।

उन्होंने बताया कि खरीफ के फसल के बाद अब रबी की फसल के लिए भी 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत वैज्ञानिकों की टीम किसानों के गांव–गांव जाएगी और उन्हें खेती एवं शोध की सही जानकारी देगी। उन्होंने कहा कि अब भावी कृषि अनुसंधान खेती और किसानों की मांग पर आधारित होंगे। खेती की वर्तमान जरुरत के अनुसार ही वैज्ञानिकों को अनुसंधान करने के निर्देश दिए गए हैं। मूंग, उड़द, सोयाबीन, बाजरे के उत्पादन में वृद्धि के लिए अच्छे बीज बनाने के लिए वैज्ञानिकों को कहा गया है। श्री चौहान ने राजस्थान में कृषि को और अधिक विकसित करने के लिए विशेष रोडमैप बनाने की बात भी कही। अंत में श्री चौहान ने देशवासियों से दैनिक जीवन की प्रत्येक जरूरत की चीज के लिए स्वदेशी उत्पाद अपनाने का संकल्प दिलवाया और कहा कि स्वदेशी उत्पाद अपनाने से छोटे कारीगरों और उद्यमियों को बल मिलेगा और देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

सरकार द्वारा स्व. सत्यपाल मलिक की उपेक्षा से देश भर के किसानों की भावनाओं को लगी ठेस : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान से न करने का मामला एक बार फिर से संसद में उठाया। दीपेन्द्र हुड्डा ने लोकसभा में कार्य स्थगन नोटिस देकर चर्चा कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा स्व. सत्यपाल मलिक की उपेक्षा से देश भर के किसानों की भावनाओं को ठेस लगी है। सरकार की तुच्छ सोच के कारण उन्हें राजकीय सम्मान न मिलना न केवल उनके विशिष्ट और लंबे सार्वजनिक सेवा काल का अपमान है, बल्कि हमारे लोकतांत्रिक और संवैधानिक परंपराओं के भी विपरीत है। सरकार को इसका जवाब देना होगा।

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने लोकसभा के नियमों के तहत सदन का कामकाज रोककर इस अत्यंत संवेद–नशील और जनभावनाओं से जुड़े मुद्दे पर चर्चा कराने का अनुरोध किया और कहा कि पूर्व राज्यपाल स्वर्गीय सत्यपाल मलिक पाँच राज्यों के राज्यपाल और सांसद के रूप में देश की सेवा कर चुके थे। उनके निधन के बाद समर्थकों और समाज के बड़े वर्ग ने सरकार द्वारा उनके अंतिम संस्कार में पूर्व राज्यपाल को मिलने वाले प्रोटोकॉल के तहत राजकीय सम्मान न देने पर गहरी पीड़ा और असंतोष व्यक्त किया है।

सरकार के इस कदम से पूरे देश यह दुर्भाग्यपूर्ण संदेश गया है कि दशकों की निष्ठापूर्ण सेवा के बाद भी सम्मान राजनीतिक दृष्टिकोण से प्रभावित होकर दिया या रोका जा सकता है। उन्होंने सरकार से अपील करी कि इस निर्णय की तत्काल समीक्षा की जाए और इस पर माफी माँगी जाए। भविष्य में ऐसे व्यक्तित्वों के अंतिम संस्कार में राजकीय सम्मान सुनिश्चित करने हेतु मापदंडों का स्पष्ट रूप से पालन किया जाए।

विधान सभा में रिसर्च सेंटर शुरू, विस अध्यक्ष ने किया शुभारंभ

चंडीगढ़, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सोमवार को विधान भवन में रिसर्च सेंटर और पुस्तकालय के नवीनीकरण का विधिवत उद्घाटन किया। इस विधान सभा रिसर्च सेंटर में विधायकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के लिए अध्ययन एवं शोध का अनुकूल वातावरण और संसाधन उपलब्ध होंगे। सेंटर में उच्चस्तरीय संदर्भ सामग्री, डिजिटल डेटाबेस और संसदीय व विधायी दस्तावेजों का सुव्यवस्थित संकलन उपलब्ध कराया जाएगा।

विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि यहां विधायी कामकाज पर अनुसंधान होंगे तथा यह 'एक राष्ट्र–एक विधान' परियोजना के तहत स्थापित संसद और विभिन्न राज्य विधान मंडलों के डिजिटल प्लेटफॉर्म को सशक्त करने लिए भी प्रभावी पहल साबित होगी। इस रिसर्च सेंटर के माध्यम से विधायकों और विधायी कामकाज से जुड़े विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए उपयोगी सामग्री उपलब्ध रहेगी।

डॉ. अरविंद शर्मा ने की तिरंगा यात्रा की अगुवाई

चंडीगढ़, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा के सहकारिता, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में तिरंगा यात्राओं का आयोजन हो रहा है। देश की सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' और इसके बाद पाकिस्तान के घर में घुसकर जो सबक सिखाया है, उससे पूरी दुनिया में भारत का मान–सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आज तिरंगा यात्रा के माध्यम से हजारों नागरिकों में राष्ट्रीय एकता, भाईचारा, प्रेम और देश को आगे बढ़ाने की सोच मजबूत हो रही है।

एचपीपीसी की बैठक में लगभग 1763 करोड़ से ज्यादा के कॉन्ट्रैक्ट और वस्तुओं की खरीद को मंजूरी

चंडीगढ़, 11 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति (एचपीपीसी) की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य के विभिन्न विभागों से जुड़ी लगभग 1763 करोड़ रुपये से ज्यादा की विभिन्न वस्तुओं के खरीद प्रस्तावों एवं रेट कॉन्ट्रैक्ट को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में विभिन्न बोलीदाताओं से नेगोसिएशन के बाद दरें तय करके लगभग 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की बचत की गई है। बैठक में ऊर्जा एवं परिवहन मंत्री अनिल विज, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री रणबीर गंगवा और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि गुणवत्ता पर विशेष

ध्यान दिया जाए और तय समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता जनता को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार वित्तीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और पारदर्शी खरीद प्रणाली के माध्यम से विकास कार्यों को समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक में कानून एवं व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से 29 नई 52 सीटर बसें और 6 मिनी बसें की खरीद को भी स्वीकृति दी गई। इसके अलावा, विद्युत आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम और उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा लगभग 234.19 करोड़ रुपये की लागत से एलटी एक्सएलपीई आर्मर्ड केबल, विभिन्न पोल तथा 20 केवीए ट्रांसफॉर्मर्स की खरीद को भी मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विद्युत केबल की गुण–वत्ता की जांच मान्यता प्राप्त प्रयो–गशालाओं में कराई जाए और यदि कोई सैंपल गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरता, तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत उपकरणों और सामग्रियों की खरीद में सुरक्षा मानकों के दृष्टिगत किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए, ताकि सुरक्षा और स्थायित्व सुनिश्चित हो सके। बैठक में शिक्षा एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सरकारी स्कूलों में कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। इसके अलावा, बैठक में डिजिटल सेवाओं के विस्तार और ई–गवर्नेंस को मजबूत करने के लिए उपकरणों के आधुनिकीकरण पर जोर दिया गया।

पटना में 766 करोड़ की 6 योजनाओं का सीएम नीतीश कुमार ने किया शिलान्यास

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना शहरी (पश्चिमी क्षेत्र) की 766.73 करोड़ रुपये लागत वाली 6 योजनाओं का शिलान्यास किया और अधिकारियों को इन परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। यह सभी योजनाएं प्रगति यात्रा के दौरान पटना जिलान्तर्गत की गई घोषणाओं से संबंधित हैं।

एम्स गोलंबर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 138.5 करोड़ रुपये की लागत से एम्स गोलंबर-जानीपुर-पैनापुर नेव (बिहटा सरमेरा पटना रिंग रोड जंक्शन) पथ के 2 लेन चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य का शिलापट्ट अनावरण किया। यह 10.5 किमी लंबा पथ पश्चिमी पटना के फुलवारीशरीफ, एम्स, दानापुर, नौबतपुर आदि क्षेत्रों को बेहतर संपर्कता प्रदान करेगा और ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करेगा। साथ ही 73.06 करोड़ रुपये की लागत से नौबतपुर-मसौढ़ी पथ के 17वें किलोमीटर पर नौबतपुर लख में 1.015 किमी लंबे फ्लाईओवर का भी शिलान्यास किया गया, जिससे जाम से मुक्ति और मसौढ़ी तक आवागमन सुगम होगा।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कोथवां, रुपसपुर नहर पर आयोजित कार्यक्रम में 71.48 करोड़ रुपये की लागत से खगौल नेहरु पथ से अशोक राज पथ-रुपसपुर नहर पथ तक 6.9 किमी लंबी सड़क के फोर लेन चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण का शिलान्यास किया। इस परियोजना से पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन और दानापुर-बिहटा एलिवेटेड पथ से संपर्कता में सुधार होगा।

नेहरू पथ पर पाटली पथ के नीचे आयोजित कार्यक्रम में 143.86 करोड़ रुपये की लागत से दीघा-एम्स पाटली पथ को दानापुर की ओर नेहरू पथ से जोड़ने के कार्य का शिलान्यास किया गया। इस परियोजना से दीघा से खगौल तक के लोगों को पाटली पथ का लाभ मिलेगा और जेपी सेतु तक पहुंचना आसान होगा।

इसी कार्यक्रम में 318.51 करोड़ रुपये की लागत से रुपसपुर नहर से सगुना मोड़ तक 2.7 किमी लंबी नेहरू पथ के दोनों ओर भूमिगत नाला और चौड़ीकरण कार्य का भी शिलान्यास किया गया। यह परियोजना पश्चिमी पटना के यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ बनाएगी। इसके साथ ही 21.35 करोड़ रुपये की लागत से नेहरू पथ से गोला रोड तक 2.20 किमी लंबे पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य की भी आधारशिला रखी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी परियोजनाओं के पूरा होने से पटना शहरी (पश्चिमी क्षेत्र) में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी, जाम की समस्या घटेगी और जेपी सेतु व एम्स तक आवागमन आसान होगा। गोला रोड चौड़ीकरण से नए विकसित क्षेत्रों के निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विधान पार्षद रविंद्र कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, सचिव कुमार रवि, पथ निर्माण विभाग के सचिव संदीप कुमार आर. पुदुकलकट्टी, पटना प्रमंडल के आयुक्त डॉ. चंद्रशेखर सिंह, जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस.एम., वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के. शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

गोदाम में लगी भीषण आग
लाखों की संपत्ति जलकर खाक

आठ दमकल यूनिटों ने काबू पाया

पटना (एजेंसियां)।

पटना जिले के पटना सिटी बाइपास थाना क्षेत्र स्थित महादेव स्थान के पास सोमवार सुबह सोलर पैनल के वेयरहाउस गोदाम में भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पाकर दमकल की आठ यूनिट मौके पर पहुंची और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

हालांकि आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट से यह घटना हुई होगी। गोदाम के गार्ड राजेश कुमार ने बताया कि वह सो रहे थे, तभी बाहर से धुआं उठता देखा और शोर मचाया। इस बीच आग तेजी से फैल गई।

आग की सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। अनुमान है कि घटना में करीब 10 लाख रुपये की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। इसमें सोलर प्लेट, बैटरियां और अन्य सामग्री शामिल हैं।

फायर अफसर गयानंद सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही आठ यूनिटों को रवाना किया गया और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए थे। कंपनी के कर्मियों के अनुसार, नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

निर्देश को नहीं माना तो करेंगे सख्त कार्रवाई डीजे पर भी रहेगा बैन : बिहार पुलिस

पटना (एजेंसियां)।

आगामी स्वतंत्रता दिवस, चेहल्लुम और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर बिहार पुलिस पूरी तरह चौकन्ना है। पुलिस मुख्यालय से सभी जिलों को हाई अलर्ट पर डाल दिया गया है। खुफिया तंत्र को पूरी तरह एक्टिव कर दिया गया है। हर संदिग्ध गतिविधि पर नज़र रखने के लिए कंट्रोल रूम से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। आदेश साफ है, कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाली किसी भी कोशिश पर तत्काल कार्रवाई होगी।

एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) पंकज दराद ने बताया कि 15 अगस्त के अगले ही दिन 16 अगस्त को चेहल्लुम का पर्व है, जिसे मुस्लिम समुदाय बड़े पैमाने पर मनाता है। इसको देखते हुए खास आबादी वाले इलाकों को चिह्नित किया गया है। इन इलाकों में एसपी, डीएम और दंडाधिकारियों के साथ बैठक कर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि धार्मिक आयोजनों के दौरान माहौल शांतिपूर्ण रहे।

चेहल्लुम के दौरान कई जगह ताजिया जुलूस भी निकलते हैं। इस संबंध में एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) पंकज दराद ने बताया कि ऐसे जुलूस की पूरी वीडियोग्राफी करवाई जाएगी, ताकि किसी भी गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि चेहल्लुम शांतिपूर्ण तरीके से मनाया जाए, इसके लिए मुस्लिम बहुल इलाके में पुलिस पदाधिकारियों के साथ शांति समिति की बैठक की गई है। बिहार पुलिस ने डीजे पर पूरी तरह बैन लगा दिया है। इस संबंध में एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) पंकज दराद ने चेतावनी देते हुए कहा कि चेहल्लुम मातम का पर्व है। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने डीजे बजाया तो उसके खिलाफ सीधी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि चेहल्लुम के दौरान यदि किसी ने माहौल खराब करने की कोशिश की तो ऐसे लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और सीसीए के तहत कार्रवाई होगी।

सभी त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हों, इसके लिए असामाजिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) पंकज दराद ने बताया कि पुलिस बल की कोई कमी नहीं है। बिहार पुलिस के पास इस वक्त 8000 से अधिक ट्रेनी रिक्रूट, सैप की 40 कंपनियां, 12 अतिरिक्त डीजी रिजर्व, सीआरपीएफ की 7 कंपनियां हैं।

प्रदेश में गुड़ उद्योग को मिलेगा नया जीवन किसानों-निवेशकों के लिए सुनहरा मौका

25 अगस्त तक करें आवेदन

पटना (एजेंसियां)।

बिहार सरकार पारंपरिक उद्योगों को सशक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में गन्ना उद्योग विभाग की ओर से चलाया जा रहा ज्ञबिहार राज्य गुड़ उद्योग प्रोत्साहन कार्यक्रम (वित्तीय वर्ष 2025-26) के तहत नए निवेशकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। इसकी अंतिम तिथि 25 अगस्त तय की गई है। यह योजना राज्य में गुड़ उत्पादन इकाइयों की स्थापना और आधुनिकीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

गन्ना किसानों/निवेशकों द्वारा गुड़ इकाई की स्थापना पर राज्य सरकार द्वारा 5-20 टन, 21-40 टन, 41-60 टन तथा 60 टन से अधिक प्रतिदिन पेराई क्षमता वाली इकाइयों को उनकी पूंजी लागत का 50% (क्रमशः अधिकतम 6 लाख, 15 लाख, 45 लाख एवं 1 करोड़) तक अनुदान का प्रावधान है ।

सरकार की इस योजना के अंतर्गत चयनित निवेशकों को वित्तीय अनुदान एवं तकनीकी सहायता प्रदान की जाएगी। इससे ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार और आर्थिक सशक्तीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। इस योजना अंतर्गत सरकार की ओर से अनुदान और तकनीकी सहयोग, स्थानीय गुड़ उत्पादकों को बढ़ावा, छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन, साथ ही आत्मनिर्भर बिहार के निर्माण में भागीदारी का अवसर प्रदान करने का भी प्रावधान है। गुड़ उत्पादन बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक रूप से एक प्रचलित उद्योग रहा है, लेकिन समय के साथ इसमें तकनीकी आधुनिकीकरण की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। सरकार का प्रयास है कि गुड़ उद्योग को संगठित और तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जाए ताकि यह राज्य की आर्थिक रीढ़ बन सके। इच्छुक निवेशक सी-सीएस.बिहार.जीओवी.इन पोर्टल पर जाकर 25 अगस्त , 2025 तक अपना आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए अपने जिले के संबंधित गन्ना अधिकारी से संपर्क करने की अपील की गई है। बिहार राज्य गुड़ उद्योग प्रोत्साहन कार्यक्रम के तहत वर्ष 2025-26 में इस योजना के अंतर्गत 50-50 किसानों के समूह को 4 प्रशिक्षण देने का भी प्रावधान किया गया है।

औद्योगिक क्रांति के लिए हो रही जमीन तैयार 7 जिलों में जल्द होगी रोजगार की बारिश

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए राज्य सरकार ने सात जिलों में बड़े पैमाने पर जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस योजना पर हजारों करोड़ रुपये का निवेश होगा, जिससे प्रदेश में निवेश के नए अवसर, बड़े पैमाने पर रोजगार और आर्थिक मजबूती की नई राह तैयार होगी। अधिग्रहित भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार और नए इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा।

बताते चलें कि राज्य सरकार बिहार में औद्योगिक क्रांति लाने की रूप रेखा तैयार कर रही है। राज्य सरकार की कोशिश है कि बिहार के ज्यादातर जिलों में इंडस्ट्रीयल एरिया तैयार किया जाए। ताकि इन जिलों में रोजगार और निवेश का माहोल तैयार हो। इसी चरण में फिलहाल बिहार के नालंदा, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, सुपौल, कटिहार, औरंगाबाद और गोपालगंज में आर्थिक केंद्र बनाने की है।

नालंदा जिले के हरनौत और चंडी अंचल में 524.95 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। इस पर 2 अरब 64 करोड़ 65 लाख रुपये से अधिक की राशि खर्च होगी। यहां विकसित होने वाले औद्योगिक क्षेत्र से स्थानीय लोगों को रोजगार और निवेशकों को बेहतर आधारभूत संरचना मिलेगी।

मुजफ्फरपुर के पारू, भोजपट्टी, हरपुर और विशुनपुर सरैया में कुल 700 एकड़ भूमि अधिग्रहित की जाएगी। इस पर 2 अरब 97 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा।

भागलपुर के गौराडीह अंचल के मोहनपुर मौजा में 96.89 एकड़ जमीन ली जाएगी, जिस पर उद्योग विभाग नया इंडस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। जो यहां के उद्योगों को मजबूती देगा।

सुपौल के सरायगढ़-भपटीयाही और पिपरा प्रखंड में 498.06 एकड़ जमीन के अधिग्रहण पर 1 अरब 51 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च होगी। सरकार का लक्ष्य यहां निवेश आकर्षित कर रोजगार का नया हब बनाना है।

कटिहार के मनसाही अंचल में 252.30 एकड़ भूमि का अधिग्रहण और आधारभूत संरचना का निर्माण किया जाएगा। औरंगाबाद के कुटुंबा अंचल में 441 एकड़ तथा गोपालगंज में विजयीपुर और खिरीडीह क्षेत्रों में 32.66 एकड़ भूमि ली जाएगी। गोपालगंज में जमीन अधिग्रहण की योजना पर 11.39 करोड़ रुपये का खर्च होगा।

इन सभी जिलों में जमीन अधिग्रहण का कार्य आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार के स्तर से किया जाएगा।

सरकार का दावा है कि इन परियोजनाओं से न केवल बिहार में उद्योगों का दायरा बढ़ेगा, बल्कि निवेशकों के लिए राज्य का सेंटर बनेगा। जहां स्थानीय युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर मिलेंगे।

विपक्ष पर बिफरे जदयू नेता राजीव रंजन प्रसाद
कांग्रेस-राजद का दोहरा रवैया उनकी हताशा का नतीजा

पटना (एजेंसियां)।

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने बिहार में एसआईआर को लेकर कांग्रेस और राजद पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही विपक्ष को अपनी हार का अंदेशा हो गया है, इसलिए उनकी भाषा और तेवर बदलने लगे हैं।

राजीव रंजन प्रसाद ने आरोप लगाया कि लोकतंत्र की दुहाई देने वाले वही नेता हैं जिनका राजनीतिक इतिहास बूथ लूट, बाहुबल और बोगस वोटिंग जैसी घटनाओं से भरा पड़ा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को साफ और पारदर्शी बनाने के लिए एसआईआर प्रक्रिया लागू की गई है, लेकिन कांग्रेस और राजद अब लोकतंत्र की चिंता का दिखावा कर रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि अतीत में इन दलों ने बाहुबलियों को संरक्षण देकर खुलेआम बूथ कब्जाए और वोटरों के अधिकार छीने। साथ ही याद दिलाया कि बिहार में बूथ लूट का पहला मामला 1957 में बेगूसराय के रचियाही गांव में दर्ज हुआ था। 1980 और 90 के दशक में तो यह प्रवृत्ति चरम पर थी।

जदयू प्रवक्ता ने कहा कि चुनाव आयोग पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि बिना नोटिस और जवाब के किसी का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा। इसके बावजूद तेजस्वी यादव और राहुल गांधी झूठ व भ्रम फैलाने में लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव खुद दो वोटर आईडी कार्ड रखने के मामले में शामिल पाए गए, फिर भी नैतिक उपदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि ईवीएम, सीसीटीवी निगरानी और डिजिटल वोटर लिस्ट जैसी व्यवस्थाओं ने चुनावी धांधली की गुंजाइश खत्म कर दी है, यही वजह है कि कांग्रेस और राजद अब चुनाव आयोग पर निराधार आरोप लगा रहे हैं।

राजीव रंजन प्रसाद ने सवाल किया कि अगर एसआईआर में कोई गड़बड़ी है, तो अब तक इन दलों ने चुनाव आयोग को कोई ठोस सबूत या सुधार का सुझाव क्यों नहीं दिया। उनके मुताबिक, इन दलों को लोकतंत्र की नहीं बल्कि खोई हुई सत्ता की चिंता है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा करने वाले कभी बूथ लूट नहीं करते और आपातकाल थोपकर लोकतंत्र का गला घोंटने वालों के मुंह से लोकतंत्र की बात शोभा नहीं देती। जनता अब जागरूक है और बयानबाजी नहीं, बल्कि विकास व पारदर्शिता को वोट देती है।

मधुबनी में 48 घंटे में हत्याकांड का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

दरभंगा (एजेंसियां)।

मधुबनी जिले के अंधराठाढ़ी थाना क्षेत्र में हुई गोली मारकर हत्या की घटना का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, झंझारपुर अनुमंडल के अंधराठाढ़ी थाना अंतर्गत शिवा रामपुर छहर में मोहम्मद सब्बीर उर्फ़ भुट्ट की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक के पुत्र मोहम्मद कैश की लिखित शिकायत पर अंधराठाढ़ी थाना कांड संख्या 118/25 दर्ज किया गया।

एसपी योगेंद्र कुमार ने बताया कि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, झंझारपुर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 48 घंटे के भीतर कांड के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 21 वर्षीय किशुन कुमार पासवान और 23 वर्षीय चंदन कुमार पासवान के रूप में हुई है। दोनों शिवा रामपुर, थाना अंधराठाढ़ी, जिला मधुबनी के निवासी हैं।

पुलिस जांच में पता चला है कि दोनों आरोपी राह चलते लोगों से रुपये और सामान की छीना-झपटी जैसी आपराधिक वारदातों में लिप्त रहे हैं और कई घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। फिलहाल दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है तथा उनसे गहन पूछताछ जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com